नई दिल्ली
रविवार 12 जुलाई 2026
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष,
त्रयोदशी वर्ष : 30, अंक : 84
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 37
न्यून. 30

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 674.19 अरब डॉलर

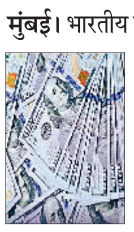

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 3 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 7.26 अरब डॉलर के मजबूत उछाल के साथ 674.19 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इस बढ़ोतरी में सबसे बड़ा योगदान फॉरेन करेंसी एसेट्स का रहा, जो 4.51 अरब डॉलर बढ़कर 545.58 अरब डॉलर हो गया।

टीवी एक्टर रोहित चंदेल पॉक्सो के तहत अरेस्ट

मुंबई। टीवी एक्टर रोहित चंदेल को 16 साल की नाबालिग लड़की से छेड़छाड़, पीछा करने और मारपीट के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन पर पॉक्सो एक्ट समेत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज हुआ है। पंत नगर पुलिस ने शिकायत के बाद 10 जुलाई को एक्टर को दहिसर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए

साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 35 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य

व्यापार, रक्षा, आर्थिक सहयोग समेत विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को नई मजबूती देने पर विस्तार से चर्चा की

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को आर्थिक सहयोग के नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को न्यूजीलैंड की राजधानी ऑकलैंड में पीएम क्रिस्टोफर लक्सन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी की व्यापक समीक्षा की और व्यापार, रक्षा, आर्थिक सहयोग समेत विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को नई मजबूती देने पर चर्चा की। इससे पहले गवर्नमेंट हाउस में पीएम मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। पीएम मोदी और पीएम क्रिस्टोफर लक्सन की मौजूदगी में भारत और न्यूजीलैंड के बीच कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर साइन किए गए।

इन समझौतों का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, शिक्षा, तकनीक और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करना है। पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को आर्थिक सहयोग के नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के लक्ष्य के ▶▶ शेष पेज 5 पर

20 अरब डॉलर के निवेश का किया स्वागत

पीएम मोदी और पीएम क्रिस्टोफर लक्सन द्विपक्षीय वार्ता करते हुए

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा कि यह केवल निवेश नहीं, बल्कि भारत की विकास यात्रा में सहभागी बनने का भरोसा है। उन्होंने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बताते हुए कहा कि बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल परिवर्तन और मजबूत बुनियादी ढांचा भारत को वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बना रहे हैं।

पीएम मोदी के भाषण की 4 खास बातें

ये कोलेब का जमाना, दोनों देश साथ: पीएम मोदी ने कहा कि अगर हम कंटेंट क्रिएटर्स की भाषा में बात करें तो ये कोलेब का जमाना है। दोनों देश स्पोर्ट्स में भी बहुत शानदार कोलेब कर सकते हैं। रग्बी इसका बहुत बड़ा उदाहरण है। भारत रग्बी में न्यूजीलैंड से सीखना चाहता है। हमें कोच चाहिए, एक्सपर्ट चाहिए। न्यूजीलैंड हमारी बहुत मदद कर सकता है।

चंद्रयान की लैंडिंग पर न्यूजीलैंड नाच रहा था: भारत और न्यूजीलैंड का भविष्य जुड़ा है। स्पेस से सेक्टर इसका बहुत बड़ा उदाहरण है। भारत का चंद्रयान जब मून के साउथ पोल पर लैंड किया तो न्यूजीलैंड नाच रहा था। उस दिन हमें गर्व हुआ। यहां की स्पेस कंपनियों ने कई बार हमारे साथ मिलकर काम किया है।

हजारों किमी की दूरी, मगर दिल में हिंदुस्तान: हजारों किमी दूर रहते हुए भी आपके दिल के किसी कोने में कहीं न कहीं हिंदुस्तान बसता ही है। शरीर यहां होगा मन भारत में होगा। इसलिए आप भारत की हर उपलब्धि पर भी नजर रखते हैं।

जनकल्याण भावना अहम: हमारे लिए सामने वाले देश की जनसंख्या नहीं, जनकल्याण की भावना मायने रखती है। और इसलिए हमने न्यूजीलैंड से भी बहुत कुछ सीखा है और अब भी सीख रहे हैं। यह वो देश है जिसने सबसे पहले महिलाओं को वोटिंग का अधिकार दिया था।

एफटीए सहित कई मुद्दों पर एमओयू और सहयोग

- भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर
- रक्षा और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत किया जाएगा
- दोनों देशों के बीच नियमित नौसैनिक अभ्यास होंगे
- समुद्री सुरक्षा, हाइड्रोग्राफी और लॉजिस्टिक्स में सहयोग बढ़ेगा
- पर्यटन बढ़ाने के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने की दिशा में काम होगा
- कृषि, डेयरी, बागवानी, कीवीफ्रूट, सेब और शहद उत्पादन में साझेदारी बढ़ेगी
- पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में एमओयू
- शिक्षा, विज्ञान और तकनीक में कई एमओयू
- आपदा प्रबंधन में भारत की एनडीएम और न्यूजीलैंड की एजेंसी के बीच समझौता हुआ
- भारत-न्यूजीलैंड खेल सहयोग योजना को आगे बढ़ाया जाएगा
- हाई-परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स, स्पोर्ट्स साइंस और कोचिंग में सहयोग
- सांस्कृतिक सहयोग और समुद्री विरासत संरक्षण पर एमओयू
- आतंकवाद पर संयुक्त कार्य समूह बनाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर
- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और नियम-आधारित व्यवस्था का समर्थन
- दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों और विदेश मंत्रियों के बीच नियमित वार्ता होगी

विदाई का सही वक्त तय करता है महानता

लंदन से डॉ. हिमांशु द्विवेदी

समय स्वयं से कभी सार्वजनिक घोषणा नहीं करता। वह कोई शंखनाद नहीं करता, कोई बिगुल भी नहीं बजाता। वह केवल संकेत देता है। जो संकेतों को समझ लेते हैं, वे इतिहास में गरिमा के साथ दर्ज होते हैं। जो उन्हें अनसुना करते हैं, वे भी इतिहास में दर्ज तो होते हैं, लेकिन उनके अंतिम अध्याय पर अक्सर एक अनावश्यक उदासी की परत चढ़ जाती है।

गत दिवस विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर जैनिक सिनर के हाथों नोवाक जोकोविच की लगातार तीन सेटों में हुई हार केवल एक सेमीफाइनल का परिणाम नहीं थी। वह समय की दस्तक थी। यह वह क्षण था, जब टेनिस ने स्वयं अपने सबसे बड़े योद्धाओं में से एक से समय ने कहा, अब अगली पीढ़ी का समय है।

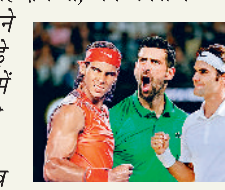

रोजर फेडरर ने यह आवाज़ समय रहते सुन ली थी। राफेल नडाल ने भी सुन ली। दोनों जानते थे कि महानता केवल यह ▶▶ शेष पेज 5 पर

शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच फाइनल

विम्बलडन का पुरुष एकल फाइनल इस बार दुनिया के नंबर एक और नंबर दो खिलाड़ियों के बीच खेला जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि पिछले वर्ष भी फाइनल शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच ही हुआ था, बस चेहरे बदल गए हैं। तब मुकाबला कार्लोस अल्काराज़ और यानिक सिनर के बीच था, जिसमें सिनर ने बाज़ी मारते ▶▶ शेष पेज 5 पर

भारतीय दूतावास ने कंट्रोल रूम स्थापित कर जारी किए हेल्पलाइन नंबर

वियतनाम में पलटी भारतीय पर्यटकों वाली एक नाव, 15 लोगों की हुई मौत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| नई दिल्ली

वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के पास समुद्र में भारतीय पर्यटकों को लेकर जा रही एक नाव पलट गई है। जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 21 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। नौका में सवार भारतीयों की कुल संख्या 32 थी। वियतनाम में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है।

जिसमें बताया कि वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के करीब हुई एक दुखद घटना में भारत के पर्यटकों को लेकर जा रही नौका पलट गई है। स्थानीय अधिकारियों द्वारा चलाया जा रहा राहत और बचाव अभियान जारी है। जबकि इस हादसे से प्रभावित हुए परिवारों को जरूरी जानकारी और सहायता प्रदान करने के लिए हो ची मिन्ह सिटी और हनोई दूतावास ने दो कंट्रोल रूम स्थापित किए हैं।

सहायता नंबरों द्वारा दी जाएगी मदद: हो ची मिन्ह सिटी में बनाए गए कंट्रोल रूम से सहायता लेने के ▶▶ शेष पेज 5 पर

फॉर्च्यून इंडिया मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 सूची का अनावरण

सूची में श्रीमती नीता अंबानी प्रथम स्थान पर रहीं

श्रीमती नीता एम. अंबानी को इस वर्ष की फॉर्च्यून मोस्ट पावरफुल वुमेन सूची में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उन्हें यह सम्मान उनके दूरदर्शी विज़न, प्रभावशाली नेतृत्व तथा रिलायंस फाउंडेशन के माध्यम से संस्थान निर्माण और समावेशी विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए मिला है। रिलायंस फाउंडेशन अब तक 10 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर चुका है, जिनमें 2.9 करोड़ बच्चे शामिल हैं।

फॉर्च्यून इंडिया ने शुक्रवार को मुंबई के फोर सीज़न्स होटल में अपने प्रमुख मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 समारोह का आयोजन किया, जिसमें व्यवसाय, वित्त, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक नीति और उद्यमिता जगत की भारत की अग्रणी महिला नेताओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर फॉर्च्यून इंडिया मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 सूची का अनावरण किया गया, जिसमें उन 100 महिलाओं को सम्मानित किया गया जिनका नेतृत्व देश की अर्थव्यवस्था और कारोबारी परिदृश्य को नई दिशा दे रहा है। शाम के दौरान नेतृत्व के भविष्य, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), वित्तीय सशक्ति करण, उद्यमिता, समावेशन और राष्ट्र-निर्माण जैसे विषयों पर कई प्रभावशाली और ओजस्वी विचारों से परिपूर्ण सत्र आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में से एक के रूप में रिलायंस फाउंडेशन की चेयर पर्सन और इस वर्ष की नंबर 1 मोस्ट पावरफुल वूमेन नीता अंबानी ने नेतृत्व की व्यापक परिभाषा पर जोर देते हुए कहा कि नेतृत्व का आधार करुणा, समावेशन और अवसर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के भविष्य के लिए बेटियों में निवेश करना अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न सत्रों में उद्योग जगत के नेताओं ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यद्यपि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भू-राजनीतिक बदलाव और तेज़ी से विकसित हो रही तकनीक उद्योगों को

नीता अंबानी, चेयरपर्सन, रिलायंस फ़ाउंडेशन, इम्पैक्ट लीडरशिप

धीरूभाई अंबानी ने एक बार कहा था, "जो लोग सपने देखने की हिम्मत करते हैं, उनके लिए जीतने के लिए पूरी दुनिया होती है।" और परिवार में जिस व्यक्ति ने बड़े और सबके साथ मिलकर आगे बढ़ने वाले सपने देखे हैं, वे उनकी बहू नीता अंबानी हैं। रिलायंस फ़ाउंडेशन की चेयरपर्सन के तौर पर, वह ऐसे संस्थान बनाने पर ध्यान देती हैं जो बड़े पैमाने पर काम करने के साथ-साथ सामाजिक बदलाव भी लाते हैं, और साथ ही सबके साथ मिलकर विकास (इनक्लूसिव ग्रोथ) के विज़न को आगे बढ़ाते हैं।

शुरुआत से ही, फ़ाउंडेशन ने अपनी सामाजिक पहलों के ज़रिए 9.7 करोड़ से ज़्यादा लोगों की ज़िंदगी को छुआ है। अकेले FY26 में, इसने सीएसआर प्रोग्राम पर 2,248 करोड़ रू. खर्च किए, जो पिछले साल के 2,156 रू. करोड़ से ज़्यादा है। आगे की बात करें तो, अंबानी ने 2035 तक फ़ाउंडेशन के सामाजिक प्रभाव को पाँच गुना बढ़ाने की योजना बनाई है। इसमें मुंबई में 2,000 बिस्तरों वाले मेडिकल सिटी के साथ जुड़ा एक मेडिकल कॉलेज बनाना भी शामिल है। 'वंतारा' में, वह दुनिया की पहली वाइल्डलाइफ़ यूनिवर्सिटी बनाने का सपना देखती हैं। "आने वाले सालों में हम जो हासिल कर सकते हैं, उसे लेकर मैं उत्साहित हूँ।"

इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक बातचीत में श्री नेविन जॉन ने बताया कि श्रीमती नीता अंबानी जी कहती हैं "हमारे लिए, 'अच्छा काम करना' सिर्फ़ एक पहल नहीं है और 'WE CARE' (हम परवाह करते हैं) सिर्फ़ एक सोच नहीं है। यह जीने का एक तरीका है... असली ताकत दूसरों को ऊपर उठाने में है।"

बदल रही है, फिर भी प्रभावी नेतृत्व की असली पहचान जिज्ञासा, दृढ़ता, ग्राहक-केंद्रित सोच और मानवीय विवेक ही रहेंगे। वित्तीय समावेशन पर हुई चर्चाओं में इस बात पर बल दिया गया कि महिलाओं के सशक्तिकरण का अगला चरण केवल वित्तीय सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें संपत्ति सृजन और वित्तीय निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में समावेशी कार्यस्थलों के निर्माण, लंबे समय तक प्रभाव छोड़ने वाले उपभोक्ता ब्रांड विकसित करने तथा विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी सार्थक चर्चा हुई। मोस्ट पावरफुल वूमेन मंच आज भारत के सबसे प्रभावशाली नेतृत्व मंचों में से एक के रूप में अपनी पहचान और प्रभाव लगातार मजबूत कर रहा है। वर्ष 2026 का यह संस्करण इस बात की पुनर्पुष्टि करता है कि फॉर्च्यून इंडिया व्यवसाय और समाज में सार्थक परिवर्तन लाने वाली महिलाओं को सम्मानित करने और उनकी उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के अपने संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध है।

खबर संक्षेप

धोखाधड़ी केस का फरार आरोपी एयरपोर्ट से पकड़ा

नई दिल्ली। मध्य जिले की आईपी एस्टेट पुलिस ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) के घरेलू टर्मिनल पर 60 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में वांछित फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ग्रेटर नोएडा निवासी मुकेश कुमार (39) को दिल्ली की एक अदालत द्वारा जुलाई 2025 में फरार घोषित किया था। आरोपी न्यायिक कार्यवाही से बच रहा था। पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आईपी एस्टेट थाने की एक टीम ने शुक्रवार को आईजीआई हवाई अड्डे पर छापा मारा और फरार होने से पहले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मुकेश के खिलाफ आईपी एस्टेट थाने में धोखाधड़ी व जालसाजी को लेकर एफआईआर दर्ज की गयी थी। पुलिस के अनुसार अदालत में बार-बार पेश नहीं होने के कारण 25 जुलाई 2025 को उसे भगौड़ा घोषित किया गया था।

युगांडा की महिला से 70 लाख की ड्रग्स बरामद

नई दिल्ली। पुलिस ने मोहन गार्डन इलाके से युगांडा की 26 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है। महिला को ड्रग्स के सिलसिले में पकड़ा गया है। इसके पास से 117 ग्राम एम्फेटामाइन नामक ड्रग्स बरामद की गई। बरामद ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 70 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस के अुनसार आरोपी महिला का नाम जैकलीन नामुलोंडो हैं। महिला राजधानी में कॉलेज छात्रों व युवाओं को मादक पदार्थ की आपूर्ति कर रही थी। पुलिस ने बताया कि सूचना के आधार पर बृहस्पतिवार को मोहन गार्डन स्थित जैकलीन के किराए के मकान पर छापा मारा गया था, जहां से एम्फेटामाइन बरामद किया गया। जब्त ड्रग्स के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पूछताछ में पता चला कि कंपाला की निवासी जैकलीन जुलाई 2025 में तीन महीने के कारोबारी वीजा पर भारत आई थी, लेकिन वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी वह देश में रुकी रही। जैकलीन का पूर्व का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। उससे पूछताछ कर अन्य मादक पदार्थ तस्करों के बारे में जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

गांधी नगर में स्कूटी सवार बदमाशों ने 16 लाख लूटे

नई दिल्ली। गांधी नगर थाना क्षेत्र की राजगढ़ कॉलोनी में शुक्रवार रात 16 लाख की लूट का मामला सामने आया। वारदात को स्कूटी सवार दो बदमाशों ने अंजाम दिया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों का सुराग मिल सकें। पुलिस के अनुसार एसडी एंटरप्राइजेज का एक कर्मचारी गीता कॉलोनी से 16 लाख रुपये नकद लेकर राजगढ़ कॉलोनी स्थित दुकान जा रहा था। वह दुकान के बाहर ही था कि पीछे से स्कूटी पर आए दो बदमाशों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि एक बदमाश ने पिस्तौल तानकर कर्मचारी को धमकाया, जबकि दूसरे ने उसके हाथ से नकदी से भरा बैग छीन लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद लुटेरे फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही गांधी नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले। इसके साथ ही बदमाशों के भागने के संभावित मार्गों की भी जांच की जा रही है।

लाल किले को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने शनिवार को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। पुलिस ने बताया कि परिसर की व्यापक तलाशी के बाद यह धमकी फर्जी पाई गई। मिली जानकारी के अनुसार मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल आया था, जिसमें दावा किया गया कि दिल्ली के लाल किले को बम से उड़ा दिया जाएगा। मुंबई पुलिस ने तत्काल यह सूचना दिल्ली पुलिस के नियंत्रण कक्ष को दी, जिसके बाद संबंधित उत्तरी जिले की पुलिस को सतर्क कर दिया गया। सूत्रों ने बताया कि चेतावनी मिलने के बाद लाल किले और उसके आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई तथा स्मारक और उसके आसपास के इलाके की तलाशी ली गई। व्यापक तलाशी अभियान के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिसके बाद धमकी को फर्जी घोषित कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, फोन कॉल करने वाले व्यक्ति की पहचान करने और धमकी देने के पीछे के मकसद का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

एक करोड़ 60 लाख के लोन धोखाधड़ी रैकेट का सदस्य अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने करीब 50 लोगों के आधार और पैन विवरण का दुरुपयोग कर धोखाधड़ी से लगभग 1.6 करोड़ रुपये का लोन हासिल करने वाले साइबर ठग गिरोह के एक कथित सदस्य को पंजाब से गिरफ्तार किया है। आरोपी अजय कुमार (24) को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से अपराध में इस्तेमाल किया गया एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि मामला तब सामने आया जब दिल्ली के एक व्यक्ति ने 25 जून को शिकायत दर्ज कराई कि उसे एक 'लोन रिकवरी एजेंट' के फोन आ रहे हैं और वह एजेंट उससे 4.5 लाख रुपये के पर्सनल लोन की किस्त चुकाने की मांग कर रहा है, जबकि उसने ऐसा कोई लोन लिया ही नहीं था। पुलिस के अनुसार बाद में शिकायतकर्ता को पता चला कि उसके पैन विवरण का इस्तेमाल कर एक कंपनी से उसके नाम पर धोखाधड़ी से लोन लिया था। उसे यह भी पता चला कि उसकी जानकारी के बिना उसके आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर बदल दिया गया है। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान लोन की राशि का संबंध अजय कुमार द्वारा संचालित एक बैंक खाते से मिला। आरोपी अजय को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान अजय ने कथित तौर पर बताया कि वह ऐसे नेटवर्क का हिस्सा था, जो धोखाधड़ी से हासिल लोन की रकम उन लोगों के बैंक खातों में भेजता था, जो कमीशन के बदले अपने खाते इस्तेमाल करने देते थे। गिरोह निजी वित्तीय कंपनियों से लोन लेने से पहले पीड़ितों के आधार से जुड़े मोबाइल नंबर कथित रूप से बदल देता था और फिर उनके आधार एवं पैन विवरण का इस्तेमाल करता था। पुलिस ने बताया कि अब तक की जांच में पता चला है कि निजी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से करीब 1.6 करोड़ रुपये का लोन हासिल करने के लिए लगभग 50 लोगों के दस्तावेजों का दुरुपयोग किया गया। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाने, अन्य 'म्यूल खातों' की पहचान करने और पूरे धोखाधड़ी नेटवर्क का खुलासा करने में जुटी है।

37.5 लाख की लूट में कंपनी दो कर्मचारी समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिला पुलिस ने 37.5 लाख रुपये की लूट का खुलासा 24 घंटे के भीतर कर दिया है। इस सिलसिले में वजीराबाद पुलिस और स्पेशल स्टाफ की टीम ने शिकायतकर्ता की कंपनी के ही दो कर्मचारियों समेत तीन आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार लूट के समय आम लोगों की मदद से एक आरोपी को रंगे हाथों पकड़ा गया था, लेकिन बाद में आरोपी कर्मचारियों ने उसे काटने का बहाना बनाकर भागने में मदद की थी। बाद में उसे पकड़ लिया गया। पकड़े गये आरोपियों के नाम विपिन, योगेश और अभिषेक बताये गये है। इनसे लूट की लगभग पूरी रकम बरामद कर ली गई है। दरअसल यह वारदात गुरुवार को रिंग रोड पर बुराड़ी फ्लाईओवर के पास अंजाम दी गई थी। पुलिस को मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों द्वारा नकदी लूटने के संबंध में एक पीसीआर कॉल मिली थी। स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, जहां मोहन दास ने बताया कि वह विज्ञापन और समाचार पत्र प्रकाशन का काम करने वाली एक निजी कंपनी का कर्मचारी है। उसने अपने सहयोगियों अभिषेक और योगेश के साथ मिलकर चांदनी चौक से 45.5 लाख रुपये नकद लिए थे, जिसे सरस्वती विहार में अपने मालिक के घर पहुंचाना था। वह अभिषेक के साथ एक मोटरसाइकिल पर था और उसके पास एक बैग में 37.5 लाख रुपये नकद थे, जबकि उसका सहयोगी योगेश दूसरी मोटरसाइकिल पर था और उसके पास 8 लाख रुपये नकद थे।

जर्जर बिल्डिंग तोड़ने के दौरान दीवार गिरी, एक मजदूर की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ दो घायल मजदूर अस्पताल में भर्ती

सरिता विहार थाना इलाके के जसोला में डिमोलिशन के दौरान तोड़ी जा रही दीवार के नीचे दबकर एक मजदूर की मौत हो गई। दीवार गिरने से चार मजदूर दब गए थे। दो घायलों का एम्स में इलाज चल रहा है। मृतक की पहचान 24 वर्षीय विजय के रूप में हुई है। पुलिस ने ठेकेदार को केस में गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे सरिता विहार पुलिस को जसोला विहार पॉकेट 1 के प्लॉट नंबर 149 पर दीवार गिरने की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि बिल्डिंग तोड़ने का कार्य चल रहा था, तभी एक दीवार मजदूरों के ऊपर गिर गई, जिसमें दबे चार मजदूरों में से एक मजदूर की मौत हो गई। इस पूरे मामले में डीसीपी डॉक्टर हेमंत तिवारी ने बताया कि जांच से पता चला कि यह घटना एक पुरानी और जर्जर इमारत को तोड़ने के काम के दौरान हुई। डीसीपी ने बताया कि तोड़फोड़ का काम करने वाले ठेकेदार शमशुद्दीन निवासी जामिया को लापरवाही बरतने के आरोप में पकड़ा गया है। जबकि मालिक खुर्शीद को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। घटनास्थल को एसडीएम द्वारा सील कर दिया गया है।

कश्मीरी गेट बस अड्डाः कुलियों का विश्राम घर बना 'बरसाती घर'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ पिछली बार की तरह इस बार भी पहली बारिश में ही टपकी छत

देश के सबसे व्यस्त अंतरराज्यीय बस अड्डों में शामिल कश्मीरी गेट आईएसबीटी पर हर दिन हजारों यात्रियों का सामान ढोने वाले कुली आज खुद बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। मानसून की पहली ही बारिश ने कुलियों के विश्राम गृह की बदहाल स्थिति उजागर कर दी है। छत से लगातार पानी टपकने के कारण विश्राम गृह में रहना तक मुश्किल हो गया है। कुलियों का कहना है यहां करीब 160 कुली कार्य करते हैं और विश्राम घर में ठहरते हैं लेकिन जिस विश्राम घर में वे दिनभर की कड़ी मेहनत के बाद कुछ समय आराम करने आते हैं, उसकी छत इन दिनों जगह-जगह से टपक रही है। फर्श पर पानी भर गया है, दीवारों में सीलन फैल गई है और उनके बिस्तर, कपड़े, वर्दियां आदि सामान तक भीग रहे हैं। बारिश के दौरान ऐसा कोई कोना नहीं बचता, जहां वे सूखे में बैठ या आराम कर सकें। वहीं, इस बस अड्डे से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में जानकारी लेकर समस्या को दूर किया जाएगा।

दिनभर यात्रियों का सहारा, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं

नाम नहीं छापने की शर्त पर कुलियों ने बताया कि वे हर दिन सैकड़ों यात्रियों का भारी सामान उठाकर उनकी यात्रा आसान बनाते हैं, लेकिन उनके लिए बनाए गए विश्राम गृह की सुध लेने वाला कोई नहीं है। दिनभर की शारीरिक मेहनत के बाद जब वे आराम करना चाहते हैं तो टपकती छत, सीलन और बदबू उनकी परेशानी और बढ़ा देती है। कई बार उन्हें खुले स्थान पर बैठकर बारिश रुकने का इंतजार करना पड़ता है।

बार-बार शिकायत, फिर भी नहीं हुई मरम्मत

कुलियों का आरोप है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों से विश्राम गृह की मरम्मत कराने की मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि जब तक किसी मंत्री या वरिष्ठ अधिकारी का दौरा नहीं होता, तब तक उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जाता। वहीं, एक कुली ने कहा कि हम सरकार से कोई खजाना नहीं मांगते। सिर्फ इतनी मांग है कि हमें ऐसी छत मिले जो बारिश में टपके नहीं।

नई ईवी नीति पर पुनर्विचार के लिए ट्रांसपोर्टरों के संगठन ने एलजी व सीएम को लिखा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की नई ईवी नीति 2027 को लेकर दिल्ली एनसीआर ट्रांसपोर्ट एकता मंच ने आवाज उठाते हुए उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व परिवहन मंत्री पंकज सिंह को पत्र लिखा है। इस बारे में एकता मंच के महासचिव श्याम सुंदर ने बताया कि उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री व परिवहन मंत्री को पत्र लिखकर हमने अपनी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि हमने एलजी से आग्रह किया है कि दिल्ली सरकार की प्रस्तावित अनिवार्य इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) नीति पर पुनर्विचार ,व्यापक जन-परामर्श एवं लाखों ऑटो-टैक्सी, टैम्पो,ट्रक,बस एवं छोटे ट्रांसपोर्ट कारोबारियों की आजीविका की सुरक्षा के संबंध में जरूर सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 1998 में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद लाखों वाहन मालिकों ने भारी आर्थिक बोझ उठाकर अपने वाहनों को सीएनजी में परिवर्तित किया। आज भी सीएनजी का मजबूत नेटवर्क उपलब्ध है। ऐसे में ऑटो-रिक्शा,टैक्सी, टैम्पो ट्रक बस चालकों को सीएनजी और ईवी दोनों में से अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार विकल्प चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। वर्तमान में ईवी के लिए पर्याप्त चार्जिंग स्टेशन,बैटरी बदलने की व्यवस्था,आसान वित्तीय सहायता, सस्ता ऋण,व्यवहारिक संक्रमण योजना तथा लिथियम-आयन बैटरियों के सुरक्षित निपटान एवं रीसाइक्लिंग की स्पष्ट नीति उपलब्ध नहीं है। इन मूलभूत व्यवस्था के बिना ईवी को अनिवार्य करना लाखों चालकों, छोटे ट्रांसपोर्ट कारोबारियों और सिंगल वाहन मालिकों पर आर्थिक संकट थोपने जैसा होगा। श्याम सुंदर ने बताया कि इस नीति का प्रभाव केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सीएनजी पंपों,मैकेनिकों,गैरेज संचालकों, स्पेयर पार्ट्स व्यापारियों, फाइनेंस क्षेत्र तथा परिवहन व्यवसाय से जुड़े लाखों परिवारों पर भी पड़ेगा। सरकार को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि प्रभावित लोगों के पुनर्वास, आर्थिक सहायता और वैकल्पिक रोजगार की क्या व्यवस्था होगी।

यमुना पुनर्जीवन को मिलेगी नई दिशा डीडीए ने शुरू किया 'यमुना डायलॉग्स'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ उपराज्यपाल की पहल पर पहली हितधारक परामर्श कार्यशाला आयोजित

राजधानी में यमुना नदी और उसके बाढ़ क्षेत्रों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'यमुना डायलॉग्स' अभियान की शुरुआत कर दी है। इस क्रम में दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरणजीत सिंह संधू के निर्देशों की पहल पर शुक्रवार को पहली बार विभिन्न हितधारकों की बहु-स्तरीय परामर्श कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें सरकारी संस्थानों, पर्यावरण विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, शहरी नियोजकों, लैंडस्केप आर्किटेक्ट्स और तकनीकी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डीडीए के अनुसार, उपराज्यपाल संधू ने हाल ही में यमुना बाढ़ क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें की थीं और नदी में बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाने के निर्देश दिए थे।

उपराज्यपाल ने स्पष्ट किया था कि यमुना के पुनर्जीवन को केवल सरकारी परियोजना नहीं बल्कि जनभागीदारी पर आधारित नागरिक अभियान बनाया जाना चाहिए। कार्यशाला में 'फ्लडप्लेन-रिस्पॉन्सिव प्लानिंग' और 'घाट विकास' जैसे प्रमुख विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। डीडीए के अनुसार, प्रस्तावित 'दिल्ली यमुना कॉम्पैक्ट' पर सितंबर 2026 और जनवरी 2027 में आयोजित होने वाले दो प्रमुख संवाद सत्रों में चर्चा कर अंतिम रूप दिया जाएगा। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि यमुना के प्राकृतिक बाढ़ चक्र को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक अवसंरचना विकसित की जाए तथा ऐसे पर्यावरण-अनुकूल घाट बनाए जाएं जो धार्मिक, सांस्कृतिक, पारिस्थितिक और पर्यटन संबंधी आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित कर सकें।

दिल्ली में बस दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति के परिजनों को 67.48 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) ने दिसंबर 2021 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में बस की चपेट में आने से जान गंवाने वाले 33 वर्षीय मोबाइल फोन तकनीशियन के परिवार को 67.48 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। पीठासीन अधिकारी मनीष शर्मा ने शकील अहमद के परिवार की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दुर्घटना में शामिल बस का बीमा करने वाली 'रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड' को पीड़ित परिवार को 67,48,200 रुपये की मुआवजा राशि नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ देने का निर्देश दिया। छह जुलाई के आदेश में कहा गया है, ''यह अधिकरण इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि प्रतिवादी संख्या एक ने घटना के समय संबंधित वाहन को तेज गति और लापरवाही से चलाया, जिसके कारण युवक की जान गई।'' एमएसीटी के अनुसार, 16 दिसंबर 2021 को सीलमपुर की लाल बत्ती के पास एक बस ने शकील अहमद के स्कूटर को टक्कर मार दी थी, जिससे उनकी मौत हो गई। उनके परिवार में पत्नी, तीन बच्चे और बुजुर्ग माता-पिता हैं, जिन्होंने मुआवजे के लिए याचिका दायर की थी। बस के चालक और मालिक ने लापरवाही के आरोप से इनकार करते हुए दावा किया कि मृतक गलत दिशा से बस से आगे निकलने की कोशिश कर रहा था और इसी दौरान वह बस से टकरा गया। हालांकि, अधिकरण ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि प्रतिवादी अपने दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य पेश करने में विफल रहे। एमएसीटी ने माना कि दुर्घटना बस चालक द्वारा तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुई और बीमा कंपनी को मुआवजा राशि के भुगतान के लिए उत्तरदायी ठहराया। मुआवजे की गणना करते समय अधिकरण ने उन साक्ष्यों पर गौर किया, जिनसे पता चला कि युवक मोबाइल फोन की मरम्मत करने वाला एक कुशल तकनीशियन था और प्रति माह 30,000 रुपये कमाता था। वह अपने नियोक्ता के व्यावसायिक उद्देश्यों से चीन भी गया था। अधिकरण ने भविष्य में आय में संभावित वृद्धि को जोड़कर तथा जीवनसाथी और परिवार के साथ से वंचित होने, अंतिम संस्कार के खर्च और संपत्ति की हानि जैसे पारंपरिक मदों के तहत मुआवजा प्रदान करते हुए कुल 67.48 लाख रुपये की राशि निर्धारित की। बीमा कंपनी को 30 दिनों के भीतर मुआवजे की राशि जमा करने का निर्देश दिया गया है।

भाजपा सरकार जनता की समस्याओं का समाधान करने के बजाय 'रीट्वीट सरकार' बनकर रह गई : डॉ. नरेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की भाजपा सरकार जनता की समस्याओं का समाधान करने के बजाय 'रीट्वीट सरकार' बनकर रह गई है। जबकि दिल्ली की जनता ने सरकार को सोशल मीडिया प्रबंधन के लिए नहीं, बल्कि शासन चलाने और नागरिक समस्याओं का समाधान करने के लिए चुना था। यह बात शनिवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने कही। डॉ. नरेश ने कहा कि मुख्यमंत्री और उनके मंत्री दिनभर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के ट्वीट एवं सोशल मीडिया पोस्ट को रीट्वीट करने में व्यस्त रहते हैं, जबकि राजधानी की जनता जलभराव, टूटी सड़कें, ट्रैफिक जाम, कानून-व्यवस्था और पेयजल जैसी बुनियादी समस्याओं से लगातार जूझ रही है। सरकार की प्राथमिकताएं पूरी तरह उलटी दिखाई देती हैं। जनता राहत चाहती है, जबकि सरकार प्रचार में व्यस्त है। डॉ. नरेश ने कहा कि भाजपा सरकार को यह समझना होगा कि सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने से शासन नहीं चलता। सरकार की असली परीक्षा सड़कों पर, मोहल्लों में और जनता के बीच होती है। यदि सरकार केवल रीट्वीट और प्रचार तक सीमित रही, तो दिल्ली की जनता उचित समय पर इसका लोकतांत्रिक जवाब देगी। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से आग्रह किया कि राजनीतिक प्रचार से ऊपर उठकर दिल्ली के वास्तविक मुद्दों जैस जलभराव, सड़कें, पेयजल, कानून-व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं पर तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करें। दिल्ली की जनता को दिखावे की नहीं, बल्कि जवाबदेह, संवेदनशील और परिणाम देने वाली सरकार चाहिए।

87 प्रतिशत मतदाताओं तक पहुंचे मतगणनाकर्मी

दिल्ली में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान ने पकड़ी रफ्तारः सीईओ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ फिर भी 18 लाख से अधिक मतदाताओं तक पहुंचना बाकी

दिल्ली में चल रहे 'विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026' अभियान के तहत मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने की दिशा में कार्य तेजी से जारी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के अनुसार, शनिवार, 11 जुलाई 2026 रात 8 बजे तक जारी स्थिति रिपोर्ट के अनुसार राजधानी के '1,45,10,298 मतदाताओं' में से '1,26,32,385 (87.06 प्रतिशत) मतदाताओं' को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं। वहीं अब तक '8,87,457 (6.12 प्रतिशत) प्रपत्रों का डिजिटलीकरण' भी पूरा कर लिया गया है। सीईओ कार्यालय ने अभियान का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा है कि 'कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो।' इसके लिए 30 जून से 29 जुलाई तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार 'नई दिल्ली जिला' सबसे आगे है, जहां '95.98 प्रतिशत' मतदाताओं तक प्रपत्र पहुंच चुके हैं। इसके बाद 'पश्चिम जिला (94.66 प्रतिशत)', 'दक्षिण जिला (94.18 प्रतिशत)', 'मध्य उत्तर (91.54 प्रतिशत)' और 'मध्य जिला (90.58 प्रतिशत)' का स्थान है। दूसरी ओर 'दक्षिण-पश्चिम (77.34 प्रतिशत)', 'उत्तर-पश्चिम (81.20 प्रतिशत)' और 'बाहरी उत्तर (82.74 प्रतिशत)' जिलों में प्रपत्र वितरण की गति अपेक्षाकृत धीमी है, जहां विशेष प्रयासों की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

डिजिटलीकरण के मामले में 'बाहरी उत्तर जिला 14.81 प्रतिशत' के साथ सबसे आगे है, जबकि दक्षिण-पश्चिम (9.34 प्रतिशत) और मध्य उत्तर (7.81 प्रतिशत) भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि राजधानी स्तर पर अभी केवल '6.12 प्रतिशत' प्रपत्र ही डिजिटल प्रणाली में दर्ज हो पाए हैं, जिससे स्पष्ट है कि आगामी दिनों में डिजिटलीकरण की गति बढ़ाना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी।

लोकतंत्र की आधारशिला है मतदाता सूची

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार, मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है। सीईओ कार्यायल ने बताया कि यदि किसी पात्र नागरिक का नाम सूची में नहीं जुड़ता या गलत जानकारी दर्ज रहती है तो वह अपने संवैधानिक मतदान अधिकार से वंचित हो सकता है। इसलिए नागरिकों को चाहिए कि वे समय रहते अपना गणना प्रपत्र भरकर जमा करें, अपनी मतदाता जानकारी की जांच करें और किसी भी त्रुटि की तत्काल सूचना निर्वाचन अधिकारियों को दें, ताकि अंतिम मतदाता सूची अधिक सटीक और विश्वसनीय बन सके।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी (1) ओंकार (2) कांति देवी (3) सतेंद्र कुमार पताः** 111/45, ब्लॉक–38, नागिया पार्क के पास, शक्ति नगर, दिल्ली **FIR No. 675/2023, Dt. 07.12.2023 U/S: 498-A/406/34 IPC, थानाः हर्ष विहार, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होने किया है), और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) ओंकार (2) कांति देवी (3) सतेंद्र कुमार**, मिल नही रहे है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) ओंकार (2) कांति देवी (3) सतेंद्र कुमार**, फरार हो गए है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **(1) ओंकार (2) कांति देवी (3) सतेंद्र कुमार, FIR No. 675/2023, Dt. 07.12.2023 U/S: 498-A/406/34 IPC, थानाः हर्ष विहार, दिल्ली**, से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.08.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री पूजा सुहाग
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रैणी महिला महिला कोर्ट 3
द्वितीय तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/9339/NE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **फारुख, पुत्रः** मो. बाबूल, **निवासीः** झुग्गी नं. 112, पहाड़ी नं. 2, तैमूर नगर, नई दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 165/2017, U/s 356/379/411 IPC, थानाः न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **फारुख** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **फारुख** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 165/2017, U/s 356/379/411 IPC, थानाः न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **फारुख** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री विनोद जोशी
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, दक्षिण–पूर्व जिला
कमरा नं. 515, साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/9133/SE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2)(ii) Cr.PC/84 BNSS देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अलाउद्दीन पुत्र जमील निवासी मकान नं. 232, गली नं. 2, उस्मानपुर-2, पुस्ता, दिल्ली** ने केस एफआईआर नं. **749/2023, दिनांक 17.11.2023, अन्तर्गत धारा 380/379/411 आईपीसी, थाना न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, जिला दक्षिण-पूर्व, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अलाउद्दीन** मिल नहीं रहा/रही है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अलाउद्दीन** फरार हो गयी है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस एफआईआर नं. **749/2023, दिनांक 17.11.2023, अन्तर्गत धारा 380/379/411 आईपीसी, थाना न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, जिला दक्षिण-पूर्व, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अलाउद्दीन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.10.2026** को **प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
श्री विनोद जोशी
एलडी अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
दक्षिण-पूर्व जिला न्यायालय संख्या 515
साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली

DP/8989/SE/2026
(Court Matter)

केंद्रीय गृह मंत्री ने नवनिर्मित लोकनायक जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय का किया लोकार्पण

देश का भविष्य पुस्तकालयों में जुटने वाली युवाओं की भीड़ से होता है तय : अमित शाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

किसी देश का भविष्य कृषि, बाजार या उद्योग से नहीं, बल्कि उसके पुस्तकालयों में जुटने वाली युवाओं की भीड़ से तय होता है। यह बात शनिवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् (एनडीएमसी) द्वारा उद्यान मार्ग, नई दिल्ली में नवनिर्मित हाई-टेक, डिजिटल एवं अत्याधुनिक लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपीएन) सार्वजनिक पुस्तकालय का लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को आगे बढ़ाने वाली, राष्ट्र-निर्माण और राष्ट्र को वैभव दिलाने वाली सारी गतिविधियों का मूल ज्ञान एवं विवेक में होता है।

यह ज्ञान सिर्फ एक पुस्तकालय ही दे सकता है। अमित शाह ने युवा पीढ़ी से अपील की कि वे एक बार पुस्तकालय से अवश्य जुड़ें। पढ़ने की आदत बनते ही अच्छे-बुरे का विवेक स्वयं जाग जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि जिस छोटे से कस्बे में वह पैदा हुए और उनका बचपन बीता, वहां एक समृद्ध पुस्तकालय था। उन्होंने कहा कि उस पुस्तकालय से जुड़ने के कारण उनके जीवन में बड़ा परिवर्तन आया। उन्होंने कहा कि 'अलादिन और जादुई चिराग', 'अलीबाबा और चालीस चोर, 'सिंदबाद की यात्रा' जैसी किताबें पढ़ते-पढ़ते कब उनकी अध्ययन यात्रा वेदों और उपनिषदों तक पहुंच गई, उन्हें पता नहीं चला।

अमित शाह ने कहा कि सभागार में उन्होंने एक वाक्य लिखा देखा कि 'बोलने से पहले सोचना चाहिए, क्योंकि शब्द कभी वापस नहीं आते।' उन्होंने कहा कि कोई भी वाक्य बोलने से पहले सोचना चाहिए और सोचने से पहले पढ़ना चाहिए कि क्या सोचना है, और यह संस्कार सिर्फ पुस्तकालय से ही मिल सकता है। अमित शाह ने कहा कि पुस्तकालय का उनके जीवन में बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि अपने संसदीय क्षेत्र में उन्होंने एक छोटा सा प्रयोग किया है। उनके संसदीय क्षेत्र के लगभग हर गांव में एक पुस्तकालय खोला गया है, जिनमें लगभग 3-4 हजार पुस्तकें हैं।

इन पुस्तकालयों को मुख्य पुस्तकालय से लिंक किया गया है, जिसमें सवा लाख पुस्तकें हैं। इसके अलावा, चार मोबाइल वैन भी चलाई गई हैं। उन्होंने कहा कि गांवों के बच्चे पुस्तकालय में अपनी पसंद की पुस्तक का नाम लिख कर उसे मंगवाने का अनुरोध करते हैं, और हर शुक्रवार के दिन बच्चों को उनकी पसंद की पुस्तक गांव में ही उपलब्ध कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि हमने हर पुस्तकालय को स्कूलों से जोड़ने का प्रयास किया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम से समर्पित यह पुस्तकालय युवाओं के ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र बनेगा। अमित शाह ने कहा कि जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय भवन में 30 हजार से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। यहां रिसर्च करने वालों के लिए अलग व्यवस्था है, बहुउद्देशीय आधुनिक सभागार है, आधुनिक रीडिंग एरिया है, किड्स जोन है, रिसर्च सेंटर है और ई-लाइब्रेरी है, जिसमें 1 करोड़ पुस्तकें ऑनलाइन पढ़ी जा सकती हैं। वाई-फाई फ्री है। कई मॉनिटर लगाए गए हैं, जहां पुस्तकालय में अध्ययन के लिए आने वाले लोग नोट्स ले सकते हैं, डाउनलोड कर सकते हैं और अपनी विचार प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यहाँ आरएफआईडी आधारित अत्याधुनिक पुस्तक प्रबंधन प्रणाली लागू है।

पुस्तकालय विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन सिद्ध होगा : रेखा गुप्ता

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के करकमलों द्वारा राजधानी को लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम पर एक आधुनिक और भव्य सार्वजनिक पुस्तकालय की सौगात मिली है। उन्होंने कहा कि यह सार्वजनिक पुस्तकालय युवाओं और विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन सिद्ध होगा। विशेष रूप से संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को यहां अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए सभी संबंधित संस्थाओं और अधिकारियों को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तकालय दिल्ली के युवाओं के सपनों और आकांक्षाओं को नई दिशा प्रदान करेगा।

वांगचुक ने कहा, मैं गांधी नहीं

कलाकार प्रकाश राज सहित कई अन्य पहुंचे समर्थन देने

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

शिक्षाविद् एवं जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल के 14वें दिन शनिवार को कहा कि मैं न तो गांधी हूं, और न ही कोई नायक हूं। वांगचुक ने कहा कि दूसरों का इंतजार करने की बजाए आप खुद अपने जीवन के नायक बनें। उन्होंने सोशल मीडिया पर मिल रहे समर्थन के लिए लोगों को धन्यवाद करते हुए लोगों से 20 जुलाई को संसद मार्च में शामिल होने का आग्रह किया। वहीं कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) धरना 22वें दिन में पहुंच गया है।

शनिवार को दक्षिण फिल्म कलाकार और वामपंथी विचारधारा के समर्थक प्रकाश राज, केरल के पूर्व वित्त मंत्री व सीपीआई नेता थॉमस ईसाक, त्रिपुरा सरकार में नेता प्रतिपक्ष जितेंद्र चौधरी तथा एक दिन पहले पंजाबी गायक काका आदि जंतर-मंतर पर पहुंचे और अपना समर्थन प्रकट किया। इस मौके पर प्रकाश राज ने कहा कि सरकार को जनता की आवाज जरूर सुननी चाहिए। हमारा पूरा समर्थन सीजेपी और वांगचुक के साथ है। शिक्षा में आमूल चूल परिवर्तन होने चाहिए, छात्रों का जीवन बहुमूल्य होता है। वहीं सीजेपी की ओर से साझा की गई स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के अनुसार, भूख हड़ताल शुरू करने के बाद से वांगचुक का वजन साढ़े सात किलोग्राम कम हो गया है और उनका रक्तचाप 106/74 एमएम एचजी दर्ज किया गया। सीजेपी ने एक बार फिर दोहराते हुए कहा है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा अनियमितताओं के कारण आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग की है। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक केंद्र सरकार शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से नहीं हटाती या खुद मंत्री इस्तीफा नहीं देंगे हमारा विरोध ऐसे ही जारी रहेगा। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा है कि शिक्षा के साथ खिलवाड़ देश के भविष्य के साथ खेलने जैसा है।

खबर संक्षेप

ब्लू लाइन पर चल रहे अपग्रेडेशन कार्यों का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन पर किए जा रहे री-मॉडलिंग व अपग्रेडेशन संबंधी कार्यों का दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के एमडी डॉ. विकास कुमार ने देर रात गहन निरीक्षण किया। डीएमआरसी के अनुसार शुक्रवार-शनिवार की देर रात में एमडी ने ब्लू लाइन का देर रात में निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कॉरिडोर पर चल रहे इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टेशन को नया रूप (री-मॉडलिंग) देने, नए एस्केलेटर लगाने, एएफसी गेट्स को फिर से व्यवस्थित करने सहित अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर में किए जा रहे सुधारों का निरीक्षण और समीक्षा की। इनमें से कुछ स्टेशन हैं द्वारका सेक्टर-14, द्वारका मोड़, राजौरी गार्डन, करोल बाग, आर के आश्रम, इंद्रप्रस्थ, नोएडा सिटी सेंटर आदि। डीएमआरसी ने बताया कि एमडी डॉ. कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया है जनता की सुविधा और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

नमी प्रतिरोधकता पर राष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न

नई दिल्ली। नमी के कारण निर्माण कार्यों में समय से पहले ही नुकसान होने को लेकर वॉटरप्रूफिंग एवं निर्माण मानकीकरण महाकुंभ का आयोजन नई दिल्ली के इंडिया हैबिटैट सेंटर के ऑडिटोरियम में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), दिल्ली स्टेट सेंटर के तकनीकी सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का विषय 'नमी प्रतिरोधकता और अवसंरचना की दीर्घायुः भावी पीढ़ियों के लिए सतत शहरों का निर्माण' रहा।

आदर्श नगर रेलवे स्टेशन पर रुकेंगी दो प्रमुख ट्रेनें : रेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- उत्तर और पश्चिम दिल्ली के लाखों यात्रियों को बड़ी राहत
- हिमाचल और प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा होगी अधिक सुगम

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के प्रयासों से उत्तर और पश्चिम दिल्ली के लाखों रेल यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलने जा रही है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुख्यमंत्री के अनुरोध को स्वीकार करते हुए आदर्श नगर रेलवे स्टेशन पर दो महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इससे हिमाचल प्रदेश जाने वाले पर्यटकों के साथ-साथ पंजाब के प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को भी काफी सुगमता रहेगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय पर केंद्र सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आदर्श नगर रेलवे स्टेशन पर इन दोनों ट्रेनों के ठहराव की स्वीकृति इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली-कालका एक्सप्रेस के आदर्श नगर में ठहरने से कुरुक्षेत्र, चंडीगढ़ और कालका की यात्रा करने वाले यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

ये है दो प्रमुख ट्रेनें

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भेजे अपने पत्र में बताया है कि उनके द्वारा भेजे गए अनुरोध पत्र के संदर्भ में आदर्श नगर रेलवे स्टेशन पर दो ट्रेनों के ठहराव को मंजूरी प्रदान कर दी गई है। स्वीकृति के अनुसार गाड़ी संख्या 14331 दिल्ली-कालका एक्सप्रेस और गाड़ी संख्या 14053 दिल्ली-दौलतपुर चौक हिमाचल एक्सप्रेस अब आदर्श नगर रेलवे स्टेशन पर भी रुकेंगी।

केजरीवाल ने पेट्रोल पंप व सर्विस स्टेशन में जाकर ईथनोल के बारे में लोगों से ली जानकारी, कहा जनता परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को राजधानी दिल्ली के पेट्रोल पंप व सर्विस स्टेशन पर जाकर के ई-20 पेट्रोल को लेकर लोगों से उनकी परेशानियों के बारे में जानकारी ली।

इस मामले पर केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि हम एक लोकतंत्र में रहते हैं, उनकी बातें सुनो। सरकार का फर्ज है कि लोगों की जो भी शिकायतें हैं, उन्हें सुनकर ठीक करें। उन्होंने कहा कि ई-20 पेट्रोल के कारण गाड़ियों में आ रही दिक्कत से आम लोग इथेनॉल से बहुत दुखी है। लगभग सभी लोगों की गाड़ियों की माइलेज कम हुई है और बहुत सी गाड़ियों में ख़राबी की शिकायतें आई हैं। उन्होंने कहा कि

सरकार इथेनॉल पर बोलने वाले हर आदमी को राष्ट्र-विरोधी कह रही है, इतना अहंकार ठीक नहीं है। क्योंकि किसी भी लोकतंत्र में सरकार का फर्ज होता है कि वो जनता की हर शिकायत को सुने और उसका समाधान भी करें। पंप पर पेट्रोल लेने आए और सर्विस स्टेशन पर गाड़ी ठीक कराने पहुंचे लोगों ने केजरीवाल से अपने अनुभव साझा किए।

केजरीवाल ने कहा कि सभी लोग कह रहे है कि ई-20 पेट्रोल को लेकर सरकार सफेद झूठ बोल रही है। इसके कारण सच में गाड़ियों में दिक्कतें आ रही हैं और आम लोग इथेनॉल से बहुत दुखी हैं।

पिछले कुछ दिनों से मैं देख रहा हूं कि देश में जो भी लोग ई-20 पेट्रोल का विरोध करते हैं, उन्हें सरकार के मंत्री अपशब्द कह रहे हैं। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि इतना अहंकार ठीक नहीं है। जितने भी लोग ई-20 के बारे में बोल रहे हैं और इसका विरोध कर रहे हैं, वे सब लोग ई-20 की वजह से दुखी हैं। यह सब हमारे ही देश के लोग हैं। देशद्रोही नहीं, बल्कि देशभक्त हैं और देश के सभी 140 करोड़ लोग देशभक्त हैं। इन लोगों को इस तरह से गालियां देना ठीक नहीं है।

हॉकर जॉइंट एक्शन कमिटी ने सीईओ को लिखा पत्र, वेंडर्स को फॉर्म की गलतियां सुधारने का समय देने की मांग

नई दिल्ली। टाउन वेंडिंग कमेटी चुनाव के लिए फार्म भरने की अंतिम तिथि के दूसरे दिन शनिवार 11 जुलाई को हॉकर जॉइंट एक्शन कमिटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार ने एमसीडी के मुख्य चुनाव अधिकारी को पत्र लिखा है। धर्मेन्द्र ने लिखित में सूचना देते हुए मांग की कि स्ट्रीट वेंडर्स द्वारा भरे गए उनके फार्म में जो गलतियां रह गई है उन्हें सही करने का एक मौका जरूर दिया जाए। धर्मेंद्र के अनुसार शाहदरा नॉर्थ कार्यालय में जमानत राशि नगद में लेने से मना कर दिया था, जिसकी वजह से कुछ लोग नामांकन करने से ही चूक गए। जबकि नकद राशि को जमा किए जाने का भी प्रावधान होने के बावजूद है, लेने से मना किया गया। वहीं इस मामले पर निगम के अधिकारियों का कहना है कि नियमों के अनुसार कार्यवाही की जा रही है। वहीं नरेला जोन में भी टाउन वेंडिंग कमेटी के चुनाव के लिए जमा किए आवेदनों को लेकर आरोप लगाए जा रहे है। इसके अलावा कई अन्न्य जोन में भी चुनाव संबंधी आवेदनों में कमियों के मामले बताए जा रहे है। धर्मेंद्र का कहना है कि कुछ जगह फार्म हिंदी की बजाए केवल अग्रेजी भाषा के देने की वजह से आवेदक भर ही नहीं पाए, जबकि हिंदी भाषा में भी फार्म उपलब्ध है। वहीं कई जगह आवेदन फ़ॉर्म के साथ स्ट्रीट वेंडर्स को एक ड्राफ़्ट हलफ़नामा भी दिया गया, जिसमें उनसे निवास का प्रमाण और दिल्ली सरकार द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र लगाने को कहा गया।

डीयू: पटेल चेस्ट अस्पताल के पास शाम ढलते ही फुटपाथ पर लगती है 'लोकतांत्रिक चौपाल'

दया राम ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस स्थित पटेल चेस्ट अस्पताल के समीप फुटपाथ पर बनी चाय, जूस और फास्ट फूड की छोटी-छोटी दुकानें केवल खान-पान का केंद्र ही नहीं हैं, बल्कि हर शाम चार बजे के बाद ये स्थान विचार-विमर्श और लोकतांत्रिक संवाद के खुले मंच में बदल जाते हैं। यहां दिल्ली विश्वविद्यालय के लॉ सेंटर के वर्तमान छात्र, पूर्व छात्र, अधिवक्ता, सरकारी और निजी क्षेत्र में कार्यरत युवा तथा शिक्षित नागरिक देश-दुनिया और विश्वविद्यालय से जुड़े मुद्दों पर खुलकर चर्चा करते दिखाई देते हैं।

यहाँ बनी चाय कॉफी स्टॉल पर शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों जिसमें प्रोफेसर अजय कुमार भागी, पूर्व डूटा अध्यक्ष, प्रोफेसर हंसराज सुमन, पूर्व अकादमिक परिषद सदस्य, ईसी सदस्य डॉ. सुनील शर्मा, डूटा के अध्यक्ष प्रो. वीएस नेगी, डूटा

के सदस्य प्रोफेसर संजय कुमार, डॉ. चमन सिंह, डॉ. आकांक्षा खुराना, डॉ. कृष्ण मोहन वत्स आदि के अलावा बहुत से शिक्षक घंटों देश विदेश की राजनीति, खेल, साहित्य पर चर्चा करते हैं।

शुक्रवार शाम लिए गए दृश्य बताते हैं कि दुकानों के आसपास बड़ी संख्या में लोग छोटे-छोटे समूहों में बैठकर संविधान, न्याय व्यवस्था, शिक्षा नीति, राष्ट्रीय घटनाक्रम, रोजगार, अदालतों के महत्वपूर्ण फैसलों और दिल्ली विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर गंभीर संवाद कर रहे थे। किसी समूह में कानूनी पहलुओं पर बहस चल रही थी तो कहीं सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर विचार साझा किए जा रहे थे। यहाँ के पूर्व छात्र नेता अधिवक्ता कमल घई, राज कुमार, चौहान की पूरी टीम बैठकर कानूनी दावं पेंच व राजनीतिक चर्चा करते हैं। इन चर्चाओं की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें किसी औपचारिक मंच की आवश्यकता नहीं होती।

- चाय की चुस्कियों के साथ देश, समाज, न्यायपालिका और डीयू मुद्दों पर होती है गंभीर चर्चा
- विद्यार्थी, अधिवक्ता और विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत पूर्व छात्र बनाते हैं संवाद का अनूठा मंच

पेड़ लगाने के साथ उसको जीवित रखना है बहुत जरूरी : विजेंद्र

नई दिल्ली। केवल पेड़ लगाना पर्याप्त नहीं, उसका जीवित रहना सुनिश्चित करना हमारी वास्तविक जिम्मेदारी है। यह बात शनिवार को दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी सेक्टर-14 स्थित चित्रगुप्त पार्क, डीडीए डिस्ट्रिक्ट पार्क में आयोजित मेगा पौधारोपण

अभियान के दौरान कही। यह अभियान दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा संपूर्णा एवं भारतीयम ट्रस्ट के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ दिल्ली के निर्माण में जनभागीदारी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 500 देशी जामुन के पौधे लगाए गए तथा स्थानीय प्रजातियों के वृक्षों के माध्यम से हरित क्षेत्र बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के उपनिदेशक, पार्षद, रोहिणी जोन के उपाध्यक्ष, भारतीयम ट्रस्ट, व्हाइट लोटस, संपूर्णा के प्रतिनिधियों सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि निरंतर जनभागीदारी और दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रयासों के कारण रोहिणी आज दिल्ली के सबसे हरित क्षेत्रों में से एक बन चुका है।

दिल्ली सरकार ने अभिलेख और पुरातत्व पर दो नई फेलोशिप को दी मंजूरी

अब शोध बताएगा दिल्ली की हजारों वर्षों की कहानी: रेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

अब शोध दिल्ली की हजारों वर्षों की कहानी बताएगा। इसके लिए दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने अभिलेख और पुरातत्व पर दो नई फेलोशिप को मंजूरी दे दी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुनिया अब भारत की राजधानी दिल्ली के उस आधिकारिक और प्रामाणिक इतिहास को और विस्तार से जान सकेगी, जो सदियों से अभिलेखों, पांडुलिपियों, पुरातात्विक स्थलों और स्मारकों में सुरक्षित है। हजारों वर्षों के इतिहास

और अनेक सभ्यताओं की साक्षी रही दिल्ली की इस विरासत का वैज्ञानिक अध्ययन, दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण करने के लिए दिल्ली सरकार ने 'अभिलेखागार अनुसंधान फेलोशिप' और 'पुरातत्व अनुसंधान फेलोशिप' योजनाओं को मंजूरी दी है। इन योजनाओं के माध्यम से राजधानी के इतिहास को शोध आधारित और प्रमाणिक रूप में नई पीढ़ी और दुनिया भर के शोधकर्ताओं तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त होगा। इसी उद्देश्य से इन दोनों फेलोशिप को दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष एक वर्ष की अवधि के लिए 25 से 50 हजार रुपये तक की फेलोशिप दी जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली केवल देश की राजधानी ही नहीं, बल्कि हजारों वर्षों के इतिहास, संस्कृति और सभ्यता की जीवंत धरोहर भी है। इस अमूल्य विरासत का संरक्षण, उसका वैज्ञानिक अध्ययन, व्यवस्थित दस्तावेजीकरण और नई पीढ़ी तक उसकी पहुंच सुनिश्चित करना दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से फेलोशिप को मंजूरी दी गई है। उन्होंने जानकारी दी कि 'अभिलेखागार अनुसंधान फेलोशिप' का उद्देश्य अभिलेखों पर उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देना, अभिलेख प्रबंधन को मजबूत बनाना, ऐतिहासिक रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण को प्रोत्साहित करना और ऐतिहासिक महत्व के दस्तावेजों तक लोगों की पहुंच को और आसान बनाना है।

विशेष अध्ययन के लिए एक संस्थागत मंच उपलब्ध कराएगी योजना

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह योजना शोधकर्ताओं, अभिलेख विशेषज्ञों, संरक्षण विशेषज्ञों, इतिहासकारों, भाषाविदों और विरासत विशेषज्ञों को दिल्ली से जुड़े इतिहास और अभिलेख विज्ञान के विभिन्न विषयों पर विशेष अध्ययन के लिए एक संस्थागत मंच उपलब्ध कराएगी। इस फेलोशिप के तहत रिकॉर्ड प्रबंधन, अभिलेखीय सामग्री के संरक्षण व परिरक्षण, रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण, सूचना व डेटा के प्रसार, माइक्रो-फिल्मिंग एवं रिप्रोग्राफी, शोध एवं प्रकाशन तथा विशेष रूप से उर्दू और फारसी जैसी प्राच्य भाषाओं से जुड़े विषयों पर कार्य किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष एक वर्ष की अवधि के लिए कुल 15 फेलो नियुक्त किए जाएंगे, जिन्हें 25 से 50 हजार रुपये तक की फेलोशिप दी जाएगी।

कांग्रेस ने की राम मंदिर के चंदा चोरी का फॉरेंसिक ऑडिट कराने की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को राम मंदिर में चंदे की लूट के मामले में फॉरेंसिक आडिट कराने की मांग के साथ कई अन्य मांगे भाजपा सरकार के सामने रखी। कांग्रेस ने कहा कि जो मामला सामने आया है वह तो बस एक छोटी सी झलक है और इस

घोटाले को छिपाने की कोशिशें की जा रही थीं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने शनिवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस समिति के कार्यालय पर एक प्रैसवार्ता में कहा कि कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के चंदे की लूट कोई छोटी-मोटी चूक नहीं थी, बल्कि यह एक सुनियोजित और संगठित लूट थी। यह लूट महीनों तक सीसीटीवी कैमरों के सामने होती रही, लेकिन किसी ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि चंदे की चोरी के कारण राम मंदिर की पवित्रता को ठेस पहुंची है। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा के रावण भगवान राम के सामने अपना चेहरा कैसे दिखाएंगे। उन्होंने राम मंदिर लूट की फॉरेंसिक ऑडिट से मामले का पूरा खुलासा होगा, क्योंकि जो मामला सामने आया है वह तो बस एक छोटी सी झलक है। प्रैसवार्ता में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव और महासचिव (संगठन) अनिल भारद्वाज भी उपस्थित रहे। सिंघवी ने कहा कि राम मंदिर के चंदे की लूट आस्था का अपमान है, करोड़ों भक्तों के भरोसे के साथ धोखा है, और उस खामोशी का मामला है जो सत्ता के उन गलियारों से आ रही है जिन्होंने उस आस्था की रक्षा का वादा किया था।

खबर संक्षेप

केके शर्मा बने श्राइन बोर्ड के लाइफ टाइम डोनर

फरीदाबाद। श्रीमाता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड कटरा का केके शर्मा को डोनर की जिम्मेदारी दी गई है। श्री

शर्मा श्राइन बोर्ड के आजीवन डोनर रहेंगे। केके शर्मा के एडवाइजर सुरेश भारद्वाज ने जानकारी देते हुए बताया कि केके शर्मा इससे पहले 6 साल लगातार साइन बोर्ड के सदस्य रहे। उन्होंने बताया कि वैष्णो देवी भवन की पिछले 25 साल से के के शर्मा ने भवन के मार्बल का काम करवाया।

धोखाधड़ी मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना बीपीटीपी के 2024 के एक फोरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी

एवं जान से मारने की धमकी देने के मामले में आर्थिक अपराध शाखा फरीदाबाद की टीम ने 2 आरोपियों को नवी मुंबई से 6 जुलाई को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान साजिद अहमद निवासी सेक्टर-30ए, सानपाड़ा नवी मुंबई तथा अनिकेत शांताराम निवासी तिलक नगर मुंबई के रूप में हुई है।

ट्रेन की चपेट में आने से लॉन्ड्रीमैन की मौत

गुरुग्राम। दिल्ली-जयपुर रेलवे ट्रैक पर गुरुग्राम रेलवे स्टेशन और बिजवासन रेलवे स्टेशन के बीच

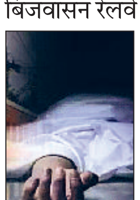

ट्रेन की चपेट में आने से एक लॉन्ड्री मैन की मौत हो गई। सूचना मिलने पर जीआरपी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

जीडीए उपाध्यक्ष ने निरीक्षण के बाद दिए निर्देश

राजनगर योजना सेक्टर-2 के समक्ष रेलवे क्रॉसिंग पर बनेगा अंडरपास, उत्सव भवन बनेगा पुराना कविनगर गेस्ट हाउस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल शुक्रवार को शहर में निरीक्षण पर निकले। निरीक्षण के बाद उन्होंने राजनगर योजना सेक्टर-2 के समक्ष रेलवे क्रॉसिंग पर बनेगा अंडरपास के निर्माण व पुराना कविनगर गेस्ट हाउस को उत्सव भवन के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। पहले श्री कलाल ने राजनगर योजना सेक्टर-2 के समक्ष स्थित रेलवे क्रॉसिंग का स्थलीय निरीक्षण किया इसके बाद वह पुराना कविनगर गेस्ट हाउस पहुंचे। निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने उपाध्यक्ष को अवगत कराया कि उक्त रेलवे क्रॉसिंग पर प्रतिदिन अत्यधिक यातायात दबाव के कारण लंबे समय तक जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आमजन को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्थलीय निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने स्वयं देखा कि रेलवे फाटक बंद होने पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे क्षेत्र की यातायात व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित होती है तथा नागरिकों का बहुमूल्य समय व्यर्थ होता है। स्थिति का गहन अवलोकन करने के उपरांत उन्होंने जनहित में इस स्थान पर अंडरपास का निर्माण कराए जाने को सबसे उपयुक्त एवं स्थायी समाधान माना। उपाध्यक्ष ने मौके पर ही गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को अंडरपास निर्माण हेतु आवश्यक सर्वेक्षण, तकनीकी परीक्षण एवं विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने की कार्यवाही तत्काल प्रारंभ करने तथा संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर शीघ्र प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

लाखों नागरिकों को प्रतिदिन लगने वाले जाम से बड़ी राहत मिलेगी

प्रस्तावित अंडरपास के निर्माण से राजनगर, कवि नगर, शास्त्री नगर, यूपीएसआईडीसी क्षेत्र, आरडीसी तथा आसपास के अन्य क्षेत्रों के लाखों नागरिकों को प्रतिदिन लगने वाले जाम से बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही इन क्षेत्रों के मध्य आवागमन अधिक सुगम, सुरक्षित एवं निर्बाध होगा तथा यातायात का दबाव भी प्रभावी रूप से कम होगा। इसके बाद कलाल ने कवि नगर स्थित पुराने गेस्ट हाउस परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया।

877 बूथों तक पहुंचेगा भाजपा का डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म, बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को मिलेगा प्रशिक्षण

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी: पंकज पूजन रामपाल

भाजपा फरीदाबाद की संगठनात्मक मासिक जिला बैठक संपन्न, संगठन की मजबूती, कार्यक्रमों एवं डिजिटल प्रशिक्षण पर हुआ मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारतीय जनता पार्टी फरीदाबाद के जिला कार्यालय अटल कमल में शुक्रवार को संगठनात्मक विषयों को लेकर जिला पदाधिकारी मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने की।

बैठक में संगठन की मजबूती, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन, अभियान, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म, आगामी कार्यक्रमों तथा बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष ने उपस्थित मंडल अध्यक्षों से सभी बूथों पर होने वाले मतदाता सत्यापन पर समीक्षा की। भाजपा फरीदाबाद के जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक का मत अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मतदान के माध्यम से ही नागरिक अपने हितों की सरकार चुनता है और लोकतंत्र को सशक्त बनाता है। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से अपील की कि वे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन अभियान के अंतर्गत अपने-अपने बीएलओ से संपर्क कर अपना तथा अपने परिवार के सभी पात्र सदस्यों का मतदाता सत्यापन अवश्य कराएं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न रहे।

स्वच्छ एवं शुद्ध मतदाता सूची एक प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूत रीढ़

जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने कहा कि स्वच्छ एवं शुद्ध मतदाता सूची केवल एक प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूत रीढ़ है। रामपाल ने कार्यकर्ताओं को 17 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हरियाणा दौरे की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा से विशेष आत्मीय जुड़ाव है। उनके नेतृत्व में प्रदेश को अनेक विकास परियोजनाओं की सौगात मिली है। हरियाणा की जनता ने लगातार केंद्र और प्रदेश में भाजपा को जनादेश देकर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अपना अटूट विश्वास व्यक्त किया है। आज भारत आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। गरीब, किसान, युवा, महिला एवं वंचित वर्ग के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं से करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाकर पात्र लाभार्थियों को उनका लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। बैठक में प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख शैलेंद्र पांडे ने भाजपा के डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म की जानकारी देते हुए कहा कि संगठन के सभी 877 बूथों तक डिजिटल प्रशिक्षण पहुंचाया जाएगा। बूथ अध्यक्षों से लेकर पन्ना प्रमुख तक सभी कार्यकर्ताओं को भाजपा के इतिहास, विचारधारा, संगठनात्मक कार्यप्रणाली तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिससे प्रत्येक कार्यकर्ता वैचारिक रूप से और अधिक सक्षम एवं सशक्त बन सके।

वृक्षारोपण से दिया हरित भविष्य का संदेश

लायंस क्लब ओल्ड सेक्टर 19 का स्वर्ण जयंती वर्ष 1977-2027 का प्रेरणादायी शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321-1 के अंतर्गत लायंस क्लब फरीदाबाद ओल्ड ने अपने स्वर्ण जयंती वर्ष 1977-2027 तथा लायनिस्टिक वर्ष 2026-2027 का शुभारंभ एक प्रेरणादायी वृक्षारोपण सेवा परियोजना के माध्यम से किया। यह पर्यावरण संरक्षण अभियान वरिष्ठ लायन नेता लायन आर.के. चिल्लाना के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा में आयोजित किया गया।

क्लब के अध्यक्ष लायन सुरेश मदान ने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल की शुरुआत सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित इस परियोजना से करते हुए कहा कि क्लब का लक्ष्य जुलाई 2026 से मार्च 2027 तक फरीदाबाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 1000 से अधिक पौधों का रोपण एवं संरक्षण करना है।

उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रत्येक पौधे के संरक्षण एवं संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ पर्यावरण मिल सके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संदीप दहिया एसई, एचएसवीपी फरीदाबाद ने वृक्षारोपण अभियान की सराहना करते हुए कहा कि लायंस क्लब फरीदाबाद ओल्ड समाज के लिए अत्यंत सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर हरियाणा सरकार की ओर से अधिक से अधिक फलदार एवं औषधीय पौधे उपलब्ध कराने में पूर्ण सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने स्वयं भी इस पुनीत अभियान से निरंतर जुड़े रहने का संकल्प व्यक्त किया। क्लब के सचिव लायन जयदीप कत्याल ने स्वयं 10 से अधिक पौधों का रोपण कर सभी सदस्यों को पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित किया इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

रैली की तैयारियों को लेकर ननि कर्मचारियों की बैठक, कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारियां

'समझौता लागू करवाओ, संगठन मजबूत बनाओ' अभियान के तहत 13 जुलाई की जिला स्तरीय रैली ऐतिहासिक होगी: बलबीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा सरकार द्वारा 13 मई को नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा एवं हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के साथ हुए समझौते को लागू करने में हो रही देरी के विरोध में कर्मचारियों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। समझौता लागू करवाओ, संगठन मजबूत बनाओ अभियान के तहत 7 जुलाई से 22 जुलाई तक प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित की जा रही रैलियों की श्रृंखला में 13 जुलाई को फरीदाबाद के दौलतराम धर्मशाला में होने वाली जिला स्तरीय रैली को ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व बनाने के लिए शनिवार को नगर निगम के कॉन्फ्रेंस हॉल में सफाई कर्मचारी यूनियन एवं विभिन्न कर्मचारी संगठनों के कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता बलबीर सिंह बालगुहेर ने की तथा संचालन यूनियन के सचिव महेंद्र कुडिय़ा ने किया। बैठक में रैली की तैयारियों की समीक्षा करते हुए प्रचार-प्रसार, जनसंपर्क तथा अधिक से अधिक कर्मचारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक को संबोधित करते हुए बलबीर सिंह बालगुहेर ने कहा कि यदि सरकार ने 13 मई के समझौते को तत्काल लागू नहीं किया तो कर्मचारी आंदोलन को और तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि 13 जुलाई की जिला स्तरीय रैली कर्मचारी एकता का ऐतिहासिक प्रदर्शन होगी, जिसमें नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका एवं अग्निशमन विभाग के हजारों कर्मचारी भाग लेंगे।

बैठक में नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री, राज्य उपाध्यक्ष कमला, जिला प्रधान दलित बोहत तथा जिला सचिव अनिल चिंडालिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में सफाई कर्मचारी यूनियन, बेलदार यूनियन, सीवर यूनियन, वाटर सप्लाई यूनियन, कार्यालय कर्मचारी, सेनिटेशन विंग तथा नगर निगम म्यूनिसिपल इम्प्लाइज फेडरेशन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी नेताओं ने कर्मचारियों से अपील की कि वे बड़ी संख्या में रैली में पहुंचकर सरकार को कर्मचारी एकता का संदेश दें और 13 मई के समझौते को लागू कराने के संघर्ष को मजबूत बनाएं। वक्ताओं ने कहा कि यदि सरकार ने समझौते को लागू करने में और देरी की तो प्रदेशभर के नगरपालिका एवं अग्निशमन विभाग के कर्मचारी आगामी आंदोलन और 6, 7 व 8 अगस्त की प्रस्तावित तीन दिवसीय राज्यव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।

बैठक में राज्य की उपाध्यक्ष कमला, अनूप चिंडालिया राज्य सचिव अजय शास्त्री राज्य सचिव जिला कोषाध्यक्ष रघुबीर चौटाला, सफाई कर्मचारी यूनियन के वरिष्ठ उपप्रधान श्रीनन्द ढक्कोलिया, जितेन्द्र छाबड़ा कोषाध्यक्ष, राहुल चिंडालिया प्रधान सैनिटेशन स्टाफ यूनियन, ललिता देवी उपप्रधान, सुरेश मैलांदे हरि सिंह खंडिया, प्रेमपाल जोन प्रधान, राजबीर चिंडालिया नरेश भगवाना, सुरेन्द्र चौटाला, देवीचरण शर्मा वॉटर सप्लाई यूनियन, हेमवती नंदन, बेलदार कर्मचारी यूनियन, महेश फोगाट प्रधान चालक यूनियन, धर्म सिंह मुल्ला, महिला नेता कविता, ज्ञानवती, राजवती, बल्लू चिंडालिया, विक्की, नैन सिंह उज्जनवाल, विजय पाल आदि उपस्थित रहे।

विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा- बल्लभगढ़ में लगेंगे 1000 पेड़

विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल और भारत विकास परिषद ने की 'हरित धरा' अभियान की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बल्लभगढ़

पर्यावरण संरक्षण और धरती को हरा-भरा बनाने की दिशा में एक अनुकरणीय कदम उठाते हुए विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-2 ब्रांच और भारत विकास परिषद की गोविंद शाखा ने संयुक्त रूप से बल्लभगढ़ में हरित धरा अभियान का शंखनाद किया है। इस महाअभियान के तहत पूरे क्षेत्र में 1000 पेड़ लगाने और उनके पूर्ण रखरखाव का संकल्प लिया गया है, ताकि आने वाले समय में बल्लभगढ़ को एक स्वच्छ और हरित क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सके।

इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर बल्लभगढ़ के विधायक व पूर्व कैबिनेट मिनिस्टर मूलचंद शर्मा उपस्थित रहे। वहीं गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में मार्केट कमेटी बल्लभगढ़ के चेयरमैन संजीव बैंसला ने शिरकत की।

विधायक ने पौधरोपण कर अभियान की शुरूआत की

कार्यक्रम की महत्ता को देखते हुए बल्लभगढ़ के सभी वार्डों के पार्षद योगेश शर्मा, जसवंत पवार, रवि भगत, सोनू वैष्णव, किरण बाला और स्वराज भाटी, सुषमा यादव, संगीता नेगी इस अभियान का हिस्सा बनने पहुंचे, जिससे आयोजन में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि विधायक मूलचंद शर्मा ने स्वयं पौधरोपण कर अभियान की शुरुआत की। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने दोनों संस्थाओं से डायरेक्टर दीपक यादव और प्रधान राम भारद्वाज के इस सांझा प्रयास की खुलकर सराहना की। विधायक ने कहा की अक्सर देखा जाता है कि लोग उत्साह में पौधे तो लगा देते हैं, लेकिन बाद में उनकी देखभाल न होने के कारण वे नष्ट हो जाते हैं।

एल्विश यादव के घर फायरिंग मामले में छठा आरोपी धराया

गुरुग्राम। सेक्टर-57 स्थित चर्चित यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर पिछले वर्ष हुई ताबड़तोड़ फायरिंग के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने छठे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी एल्विश यादव का पूर्व बिजनेस पार्टनर था और वित्तीय विवाद के चलते उसने वारदात की साजिश रची थी। पुलिस के अनुसार, 17 अगस्त 2025 की सुबह करीब 5:25 बजे बाइक सवार तीन बदमाशों ने सेक्टर-57 स्थित एल्विश यादव के घर के ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल पर कई राउंड फायरिंग की थी। सूचना मिलते ही सेक्टर-56 थाना पुलिस और ईआरवी टीम मौके पर पहुंची।

- कारोबारी साझेदार ही निकला साजिश का मास्टरमाइंड

घटनास्थल से कारतूस के खाली खोल बरामद किए गए, जबकि एफएसएल, फिंगरप्रिंट और सीन ऑफ क्राइम टीमों ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। एल्विश यादव के पिता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया था। शिकायत में बताया गया था कि पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। मामले की जांच कर रही सेक्टर-43 क्राइम ब्रांच ने 10 जुलाई 2026 को रोहतक के सेक्टर-34 सनसिटी निवासी 31 वर्षीय भविष्य दहिया को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह एल्विश यादव का बिजनेस पार्टनर रह चुका है। दोनों के बीच वित्तीय लेन-देन को लेकर विवाद था, जिसके बाद उसने एक अन्य आरोपी के साथ मिलकर फायरिंग की साजिश बनाई और शूटरों की मदद से वारदात को अंजाम दिलवाया। पुलिस के अनुसार, इस हाई-प्रोफाइल मामले में अब तक कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा, जांच शुरू

ट्राले की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, चालक वाहन छोड़कर फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

बिलासपुर थाना क्षेत्र में दिल्ली-जयपुर हाईवे पर तेज रफ्तार ट्राले की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्राला मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया औ अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी अनुसार, बिलासपुर कलां निवासी सुखबिंद्र सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बिलासपुर चौक के पास चाय की दुकान है। वह 10 जुलाई की सुबह करीब चार बजे दुकान पर जा रहे थे। जब वह दिल्ली-जयपुर हाईवे पर 32 पुलिया और आलम होटल के पास पहुंचे, तभी दिल्ली से जयपुर की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्राले ने बाइक को साइड से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार सड़क पर गिर गया और ट्राला उसके चेहरे के ऊपर से गुजर गया। सुखबिंद्र सिंह मौके पर पहुंचे तो घायल युवक उनका भतीजा लोकेश निकला। उन्होंने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा घायल को सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डेंजरस ड्राइविंग करने पर 369 चालान, 18.90 लाख का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

ट्रैफिक पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर जून माह में विशेष अभियान चलाते हुए डेंजरस ड्राइविंग करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। 1 जून से 30 जून 2026 तक चले अभियान के दौरान खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वाले 369 वाहन चालकों के चालान किए गए। इन चालानों के तहत कुल 18 लाख 90 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। यातायात पुलिस ने अभियान के दौरान तेज रफ्तार, अचानक लेन बदलने, लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने और अन्य खतरनाक तरीके से ड्राइविंग करने वालों पर विशेष निगरानी रखी। पुलिस का कहना है कि इस प्रकार की लापरवाही सड़क दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनती है और इससे चालक के साथ-साथ अन्य राहगीरों की जान भी खतरे में पड़ती है।

अवैध हथियार के साथ दो युवक गिरफ्तार, देशी पिस्टल व कारतूस बरामद

गुरुग्राम। फर्रुखनगर क्राइम ब्रांच ने केएमपी एक्सप्रेसवे फ्लाईओवर, फर्रुखनगर-सुल्तानपुर रोड से दो युवकों को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद कर दोनों के खिलाफ फर्रुखनगर थाना में शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। दरअसल, फर्रुखनगर क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि केएमपी एक्सप्रेसवे पर दो युवक हथियार लेकर वारदात करने की फिराक में हैं। जिस पर फर्रुखनगर क्राइम ब्रांच ने मौके पर दबिश मार एक देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस सहित आरोपियों को काबू कर लिया। आरोपियों की पहचान पारस (25) निवासी फतेहाबाद, हाल निवासी मानेसर और ऋतुराज (21) निवासी इटावा (उत्तर प्रदेश), हाल निवासी मानेसर के रूप में हुई है।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि पारस के कब्जे से बरामद हथियार उसे ऋतुराज ने उपलब्ध कराया था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हथियार कहां से लाया गया और इसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध पॉपी हस्क के साथ युवक गिरफ्तार

गुरुग्राम। सेक्टर-31 क्राइम ब्रांच ने डुंडाहेड़ा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 400 ग्राम अवैध मादक पदार्थ (पॉपी हस्क) के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 400 ग्राम पॉपी हस्क बरामद होने पर उसके खिलाफ उद्योग विहार थाना में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। दरअसल, सेक्टर-31 क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि एक युवक डुंडाहेड़ा क्षेत्र में मादक पदार्थ की सप्लाई करने आया है। जिस पर पुलिस टीम ने मौके पर युवक को 400 ग्राम अवैध मादक पदार्थ (पॉपी हस्क) के साथ काबू कर लिया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी सुधीर शर्मा पुत्रः** राम सागर शर्मा **पताः** सी–238 जेजे कॉलोनी मादीपुर दिल्ली **एवं पताः** गाँव नारायण पीपर वार्ड नंबर 17 पनसल्ला जिला बेगुसराय बिहार, **DD No. 96A/2023, U/s: 182 IPC थानाः पश्चिम विहार पूर्व, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुधीर शर्मा**, मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुधीर शर्मा**, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **सुधीर शर्मा, DD No. 96A/2023, U/s: 182 IPC थानाः पश्चिम विहार पूर्व, दिल्ली**, से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.08.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
मोक्षा बैंस
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–II (पश्चिम)
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/9459/OD/2026
(Court Matter)

करीब ढाई सौ लोगों से मुलाकात कर सुनीं समस्याएं

प्रतिकूल मौसम में भी सीएम योगी ने किया जनता दर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोरखपुर

'जनसेवा सर्वोपरि' के ध्येय से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह मौसम प्रतिकूल होने के बावजूद जन समस्याओं के निस्तारण के निस्तारण के लिए 'जनता दर्शन' किया। बारिश में दूरदराज से आए लोगों से उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं। समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, हर समस्या का समाधान कराया जाएगा, सरकार सबकी भरपूर मदद करेगी।'

पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर ध्यान दें

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। साथ ही गरीबों की भूमि पर कब्जा करने वाले दबंगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिये।बारिश के चलते, मुख्यमंत्री के निर्देश पर लोगों की सुविधा के लिए शनिवार सुबह जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में किया गया।

लखनऊ में आधुनिक अपशिष्ट प्रबंधन तकनीक अपनाने की तैयारी

निरीक्षण के दौरान लखनऊ महापौर को अधिकारियों ने बताया कि प्लांट में एसटीपी से निकलने वाले स्लज का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण कर ईंटें तैयार की जा रही हैं। इससे अपशिष्ट का सुरक्षित निस्तारण होने के साथ-साथ उसका उपयोग निर्माण कार्यों में भी किया जा रहा है।

खास बातें

- दिल्ली के स्लज मैनेजमेंट प्लांट का महापौर सुषमा खर्कवाल ने लिया जायजा
- एआई आधारित स्वचालित प्लांट से अपशिष्ट का हो रहा वैज्ञानिक उपयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित दिल्ली जल बोर्ड के स्लज मैनेजमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से निकलने वाले स्लज के वैज्ञानिक प्रबंधन और उससे ईंट निर्माण की आधुनिक तकनीक का विस्तृत अवलोकन किया। उनके साथ नगर निगम लखनऊ के कार्यकारिणी उपाध्यक्ष एवं पार्षद दल के उपनेता

सुशील तिवारी 'पम्मी' सहित कई पार्षद भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि प्लांट में एसटीपी से निकलने वाले स्लज का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण कर ईंटें तैयार की जा रही हैं। इससे अपशिष्ट का सुरक्षित निस्तारण होने के साथ-साथ उसका उपयोग निर्माण कार्यों में भी किया जा रहा है।

ऐसी तकनीकें स्वच्छ शहर और टिकाऊ विकास की दिशा में उपयोगी

महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि इस अध्ययन भ्रमण से प्राप्त अनुभवों का उपयोग लखनऊ में अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को अधिक आधुनिक, प्रभावी और पर्यावरण अनुकूल बनाने में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसी तकनीकें स्वच्छ शहर और टिकाऊ विकास की दिशा में बेहद उपयोगी हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस प्लांट का संचालन एसएसपी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

पटना से 4 दिशाओं में 160 की स्पीड से दौड़ेगी ट्रेन

पटना। बिहार में एनसीआर की तर्ज पर रेपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम का

जाल बिछने वाला है। पटना से चार दिशाओं में 160 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से रेपिड ट्रेनें दौड़ेंगी। रेपिड रेल का अलग से ट्रैक बिछाया जाएगा। इस कॉरिडोर से पटना, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, वैशाली, सारण, जहानाबाद, गयाजी और भोजपुर जिले के 16 छोटे-बड़े शहर रैपिड रेल से आपस में जुड़ जाएंगे।

महिला, युवक को धारदार हथियार से मार डाला

खूंटी। जिले के घाघरा गांव स्थित तजना नदी पुल के नीचे से एक

महिला व युवक का शव मिला। मृतकों की पहचान लोहरदगा की रहने वाली नेहा व उसी गांव में नेहा के पड़ोसी अरुण राणा के रूप में हुई है। नेहा के परिजनों का आरोप है कि गुमला से अपहरण के बाद उसके पति कुंदन प्रजापति व उसके साथियों ने मिलकर दोनों की धारदार हथियार से और सिर कूचकर हत्या दी।

कुशीनगर में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सपा पर बोला बड़ा हमला, कहा-

यूपी में जो युवाओं का रोजगार खा गए, वे अयोध्या-मथुरा-काशी के बारे में क्या सोचते

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले कुशीनगर इंसेफेलाइटिस (दिमागी बुखार), पिछड़ेपन और पलायन जैसी गंभीर समस्याओं के लिए जाना जाता था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुशीनगर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जो लोग नौजवानों का रोजगार छीनने का पाप करते थे, वे अयोध्या, मथुरा व काशी के बारे में कैसे सोच सकते थे। ये लोग मंदिरों के नाम पर आने वाले पैसे को हजम कर जाते थे। मंदिरों पर कब्जा करवाते थे।

आज उन्हीं मंदिरों का पुनरुद्धार हो रहा है, सौंदर्यीकरण हो रहा है। मंदिरों का पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल पर खर्च करने वाले लोगों का विकास पर बात करना शोभा नहीं देता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कुशीनगर में 525 करोड़ रुपए की लागत से 464 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

◀ 525 करोड़ रुपए की 464 विकास परियोजनाओं का लोकापण व शिलान्यास

मुसहर परिवारों को मुख्यधारा से जोड़ा गया

सीएम ने कहा कि जो लोग वर्षों तक गरीबों के नाम पर राजनीति करते रहे, उन्होंने मुसहर समाज जैसे वंचित वर्गों को मूलभूत सुविधाओं से भी वंचित रखा। वर्तमान सरकार ने ऐसे परिवारों को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया है। मुसहर परिवारों को पक्के आवास, भूमि के पट्टे, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड, निःशुल्क राशन, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन तथा बिजली कनेक्शन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इससे उनमें सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्र भारत के समान अधिकार प्राप्त नागरिक होने का आत्मविश्वास पैदा हुआ है।

शिक्षकों व कर्मचारियों को बड़ा सुरक्षा कवच

मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था पर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति दोहराते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार में गुंडागर्दी व दंगाइयों के लिए कोई स्थान नहीं है। उत्तर प्रदेश आज दंगा मुक्त राज्य के रूप में स्थापित हुआ है- नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में अब सब चंगा। दुर्गा पूजा, रामनवमी, जन्माष्टमी, होली सहित सभी प्रमुख त्योहार विभिन्न समुदायों द्वारा शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जा रहे हैं।

इंसेफेलाइटिस पर किया निर्णायक कंट्रोल

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले कुशीनगर इंसेफेलाइटिस (दिमागी बुखार), पिछड़ेपन और पलायन जैसी गंभीर समस्याओं के लिए जाना जाता था, लेकिन वर्तमान सरकार की प्रभावी रणनीति और निरंतर प्रयासों से इस चुनौती पर निर्णायक नियंत्रण स्थापित किया गया है। सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, स्वच्छता, टीकाकरण और जागरूकता अभियानों के माध्यम से इंसेफेलाइटिस के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए।

32 जिलों के गांवों में ज्ञान की डिजिटल दुनिया

20 हजार डिजिटल सामग्री से परीक्षाओं की तैयारी करेंगे युवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

यूपी में ग्रामीण युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर भारतीय प्रशासनिक सेवा, प्रांतीय सिविल सेवा और अन्य सरकारी नौकरियों की तैयारी के लिए गांवों में ही आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पहले चरण में प्रदेश के 32 जिलों की ग्राम पंचायतों में हाईटेक डिजिटल लाइब्रेरी विकसित की गई हैं, जहां छात्र-छात्राओं को ई-बुक्स, वीडियो लेक्चर, ऑडियो कंटेंट और डिजिटल क्विज सहित लगभग 20 हजार डिजिटल शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इससे गांवों के युवाओं को बेहतर तैयारी के लिए शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

2 लाख रुपए की पुस्तकों की व्यवस्था

पहले चरण में 11,350 ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी पर चार लाख रुपए खर्च किए गए हैं। करीब दो लाख की पुस्तकों की व्यवस्था,1.30 लाख के आईटी उपकरण व करीब 70 हजार के अत्याधुनिक फर्नीचर उपलब्ध कराए गए हैं। लाइब्रेरियों को इस तरह विकसित किया गया कि छात्र पारंपरिक पुस्तकों के साथ डिजिटल माध्यम से भी पढ़ाई कर सकें।

ई-बुक्स, वीडियो व क्विज से होगी परीक्षाओं की तैयारी

पंचायतीराज निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि डिजिटल लाइब्रेरी में छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 20 हजार से भी अधिक डिजिटल कंटेंट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनमें ई-बुक्स, वीडियो लेक्चर, ऑडियो सामग्री और इंटरैक्टिव क्विज शामिल हैं। योगी सरकार का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को आधुनिक तकनीक आधारित अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराकर उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाना है, ताकि वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

पेज एक का शेष

साल 2030 तक ...

साथ आगे बढ़ेंगे और निवेश, प्रौद्योगिकी, सेवाओं तथा प्रतिभा आदान-प्रदान के नए अवसरों का लाभ उठाएंगे।

भारत-न्यूजीलैंड बिजनेस इवेंट में पीएम मोदी बोले- भारत वैश्विक विकास का लॉन्च पैड : पीएम नरेंद्र मोदी ने न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन के साथ भारत-न्यूजीलैंड बिजनेस इवेंट के दौरान उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भारत को वैश्विक निवेश और विकास का प्रमुख केंद्र बताते हुए निवेशकों को देश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक विकास के लिए एक लॉन्च पैड है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर भारत को वैश्विक विकास का केंद्र बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' को शासन का आधार बनाया है, जिससे नीतिगत स्थिरता, राजनीतिक स्थिरता और विकास की निरंतरता सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि दुनिया के लिए हमारा संदेश है कि भारत सिर्फ एक बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक विकास के लिए एक लॉन्च पैड है।

विदाई का सही ...

नहीं कि आप कितनी बार जीतते हैं; महानता यह भी है कि आप विदा कब लेते हैं? वे खेल से हारे नहीं थे, उन्होंने बढ़ती उम्र के अहसास को महसूस कर समय से संघर्ष करना छोड़ दिया था। इसलिए आज उनकी स्मृतियों में पराजय नहीं, केवल वैभव दिखाई देता है। नोवाक जोकोविच अलग प्रकृति के खिलाड़ी हैं। शायद टेनिस इतिहास में उनसे अधिक जुझारू खिलाड़ी कम ही हुए हैं। टूटना उन्होंने सीखा ही नहीं। कठिन से कठिन परिस्थितियों में लौटकर जीतना उनकी पहचान रही है। यही जिद, यही आत्मविश्वास और यही अदम्य इच्छाशक्ति उन्हें उन ऊँचाइयों तक ले गई, जहाँ पहुँचना अधिकांश खिलाड़ियों के लिए केवल सपना रह जाता है। इसीलिए आज भी वे ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल तक पहुँच जाते हैं। उनतालीस वर्ष की आयु में भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के बीच खड़े दिखाई देते हैं। यह किसी साधारण खिलाड़ी की उपलब्धि नहीं हो सकती। लेकिन खेल केवल वहाँ तक पहुँचने का नाम नहीं है। महान खिलाड़ियों की असली पहचान वहाँ होती है, जहाँ वे निर्णायक मुकाबले जीतते हैं। इस कसौटी पर अर्से से महसूस हो रहा है कि जोकोविच अब अव्वल नहीं रहे। विंबलडन के सेमीफाइनल में दुनिया एक संघर्ष देखना चाहती थी। वह चाहती थी कि अनुभव और युवावस्था का टकराव पाँच सेटों तक जाए। लेकिन कोर्ट पर जो दिखाई दिया, वह एकतरफा था। तीन सेट, तीन बार 6-4, और लगभग पूरे मैच पर सिनर का नियंत्रण। जोकोविच लड़ते हुए ही नहीं दिखे; वे समय का पीछा करते हुए दिखे। जिस जोकोविच के सर्विस रिटर्न की दुनिया दीवानी रही , वह सिनर की सर्विस के आगे असहाय दिखे। पिछले कुछ समय से वह सिनर और अल्कारेज के आगे इतने ही असहाय महसूस होते आ रहे हैं। निस्संदेह, क्वार्टरफाइनल में उन्होंने पाँच घंटे से अधिक का थकाऊ मुकाबला जीतकर अपनी महानता का एक और प्रमाण दिया था। लेकिन आधुनिक टेनिस किसी एक दिन का खेल नहीं है। यहाँ हर दूसरे दिन शरीर से वही गति, वही विस्फोट और वही ऊर्जा माँगी जाती है। यदि बहत्तर घंटे पहले खेला गया एक लंबा मैच सेमीफाइनल में आपकी सबसे बड़ी कमजोरी बन जाए, तो समझ लेना चाहिए कि प्रतिद्वंद्वी नहीं, समय आपको चुनौती दे रहा है। समय पर सही फैसला ही इतिहास में आपको अमरता दिलाता है।

भारतीय क्रिकेट इस संदर्भ में दो विपरीत उदाहरण देता है। सुनील गावस्कर ने संन्यास उस समय लिया जब लोग उन्हें रोकना चाहते थे। अपने अंतिम एकदिवसीय मैच से ठीक पहले वाले मैच में उन्होंने करियर का एकमात्र वनडे शतक लगाया था। अंतिम टेस्ट मैच में भी पाकिस्तान के तेज़ आक्रमण के सामने उन्होंने 96 रन बनाकर यह साबित कर दिया था कि उनके भीतर अभी भी बहुत क्रिकेट बाकी है। तब लोगों ने पूछा, 'इतनी जल्दी क्यों?' लेकिन उन्होंने अपने शरीर की क्षमता को भांपते हुए बल्ला रख दिया था। दूसरी ओर कपिल देव थे। विश्व कप विजेता कप्तान, भारतीय क्रिकेट के महानतम ऑलराउंडरों में एक। लेकिन रिचर्ड हैडली के विकेटों का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की चाह में वे अपेक्षा से अधिक समय तक खेलते रहे। तब सवाल बदल गया, 'अब तक क्यों?' महान खिलाड़ियों के सामने अंततः यही दो रास्ते होते हैं। या तो लोग कहें, 'अभी क्यों जा रहे हो?' या फिर कहें, 'अब तक क्यों रुके हो?' नोवाक जोकोविच आज इसी चौराहे पर खड़े हैं। उनकी उपलब्धियां किसी प्रमाणपत्र की मोहताज नहीं। सबसे अधिक ग्रैंड स्लैम, सबसे अधिक संघर्षपूर्ण जीतें और सबसे अधिक वापसी की कहानियाँ का वह हिस्सा हैं। उन्होंने टेनिस के इतिहास को नई परिभाषाएँ दी हैं। लेकिन हर महान खिलाड़ी की विरासत उसकी अंतिम ट्रॉफी से नहीं, उसके अंतिम निर्णय से भी तय होती है। सिनर और अल्काराज़ अब भविष्य नहीं हैं। वे वर्तमान हैं। खेल की धारा आगे बढ़ चुकी है। पुरानी पीढ़ी का सम्मान तभी अक्षुण्ण रहता है, जब वह नई पीढ़ी के लिए मंच भी सम्मानपूर्वक छोड़ती है। शायद समय आ गया है कि बिग थ्री का अंतिम अध्याय भी उसी गरिमा के साथ लिखा जाए, जैसी गरिमा से उसके अभी तक अध्याय लिखे गए । क्योंकि कुछ खिलाड़ी हारकर छोटे नहीं होते। वे केवल समय को जीतने की कोशिश करते-करते यह भूल जाते हैं कि समय से कोई नहीं जीतता। और सच तो यह है कि जो समय की आहट सुन ले, वही सबसे बड़ा विजेता होता है।

शीर्ष दो खिलाड़ियों...

हुए फ्रेंच ओपन की हार का बदला महज़ कुछ ही सप्ताह बाद विम्बलडन की घास पर चुका दिया था। इस बार कहानी फिर कुछ वैसी ही लग रही है। फर्क इतना है कि सामने कार्लोस अल्काराज़ नहीं, बल्कि फ्रेंच ओपन के नए चैंपियन अलेक्जेंडर ज़्वेरेव हैं। पेरिस की लाल मिट्टी पर ग्रैंड स्लैम जीतने के बाद अब ज़्वेरेव की परीक्षा विम्बलडन की हरी घास पर होगी, जबकि दूसरी ओर गत चैंपियन और विश्व नंबर एक यानिक सिनर अपने ताज को बचाने के इरादे से उतरेंगे। दोनों की मौजूदा फॉर्म, रैंकिंग और दांव पर लगी प्रतिष्ठा को देखते हुए टेनिस प्रेमियों को एक रोमांचक और उच्चस्तरीय मुकाबले की उम्मीद है। हालाँकि, एक दिलचस्प संयोग यह भी है कि जिस समय दुनिया भर के टेनिस प्रेमियों की निगाहें विम्बलडन पर टिकी हैं, उसी समय ब्रिटेन का खेल माहौल कुछ अलग कहानी कह रहा है। इंग्लैंड की फुटबॉल टीम विश्व कप के अहम मुकाबलों में व्यस्त है, इसलिए लंदन और पूरे इंग्लैंड में चर्चा का सबसे बड़ा विषय विम्बलडन नहीं, बल्कि फुटबॉल है। यह खेल संस्कृति की वही खूबसूरती है, जहाँ एक ओर सेंटर कोर्ट पर इतिहास लिखने की तैयारी है, तो दूसरी ओर फुटबॉल का जुनून लोगों की धड़कनों पर राज कर रहा है।

वियतनाम में पलटी ...

लिए प्रभावित परिवार तीन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। जिनमें +84362817930, +84915523714 और +84334520414 शामिल है। जबकि हनोई कंट्रोल रूम के लिए +84913089165 पर संपर्क कर मदद ली जा सकती है।

नौका में थे कुल 36 लोग: स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जब यह दर्दनाक हादसा हुआ। उस वक्त नौका में कुल 36 लोग सवार थे। जिसमें 32 भारतीय पर्यटक शामिल हैं। जबकि समुद्र में नौका का संचालन चालक दल के 3 सदस्यों और 1 सहायक द्वारा किया जा रहा था। हादसा वियतनाम में नौका के होन में रुट द्वीप से एन थोई बंदरगाह लौटते वक्त हुआ। उस दौरान समुद्र की स्थिति अच्छी नहीं थी और उसमें ऊंची लहरें उठ रही थीं। लेकिन घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए राहत-बचाव अभियान के साथ ही जांच जारी है।

हाजीपुर के स्टेडियम में अफरातफरी

सम्राट चौधरी का हेलिकॉप्टर 3 मिनट तक हवा में मंडराता रहा

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का हेलिकॉप्टर शुक्रवार को हाजीपुर में उड़ान भरने के बाद 3 मिनट तक हवा में एक ही जगह स्थिर हो गया। इससे अक्षयवट राय स्टेडियम में अफरातफरी मच गई। स्टेडियम परिसर में मौजूद लोग इधर-उधर भागने लगे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एसडीपीओ और एसपीजी ने स्वयं मोर्चा संभाला। सुरक्षा कर्मियों के साथ मिलकर भीड़ को व्यवस्थित तरीके से हटाया गया। हेलिकॉप्टर हवा में कुछ देर होवर करने (मंडराते हुए स्थिर रहने) के बाद आगे बढ़ गया। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी गुरुवार दोपहर को हेलिकॉप्टर से हाजीपुर पहुंचे। अक्षयवट राय स्टेडियम स्थित हेलीपैड पर उतरने के बाद वे कार्यक्रम स्थल गए।

हाजीपुर पहुंचे सीएम सम्राट चौधरी

कार्यक्रम खत्म होने के बाद सीएम दोपहर 3 बजे के बाद वापस हाजीपुर से रवाना हो गए। सम्राट चौधरी अपने हेलिकॉप्टर में बैठे। हेलिकॉप्टर ने जैसे ही उड़ान भरी, वह स्टेडियम के ऊपर ही हवा में एक जगह स्थिर हो गया और होवर करने लगा। इससे नीचे खड़े एनडीए के कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों में अफरातफरी मच गई। अनहोनी की आशंका के डर से वे इधर-उधर भागने लगे, तो सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और सभी को आराम से वहां से निकाला।

सीईओ नियुक्ति पर भी हुई अहम चर्चा

राम मंदिर निर्माण का अंतिम चरण 30 जुलाई 26 तक कार्य होंगे पूरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक में शामिल होने के लिए समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा शनिवार को अयोध्या पहुंचे। इस

दौरान उन्होंने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह घटना पूरे ट्रस्ट के लिए एक कलंक है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी महाराज ने भी इस घटना पर गहरी चिंता जताई है और कहा है कि इससे सभी स्वयं को छोटा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार किए जाएंगे ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो। राम मंदिर निर्माण की प्रगति पर जानकारी देते हुए नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि पुराने मंदिर स्मारक का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और अब वहां 24 घंटे अखंड ज्योति की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि हुतात्मा स्मारक जुलाई के अंत तक तैयार हो जाएगा तथा 30 जुलाई तक मंदिर परिसर के अधिकांश निर्माण कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे।

4 किलोमीटर लंबी बाउंड्री वॉल का कार्य शेष

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा के कहा कि राम मंदिर में अब केवल चार किलोमीटर लंबी बाउंड्री वॉल का कार्य शेष रह गया है। उन्होंने दावा किया कि इसे 30 सितंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा ऑडिटोरियम दिसंबर तक तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि राम कथा संग्रहालय की 20 गैलरियों की स्टोरी लाइन तैयार हो चुकी है और उसके अंतिम स्वरूप पर बैठक में निर्णय लिया जाएगा। साथ ही ट्रस्ट के सीईओ की नियुक्ति के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।

वैदिक मंत्रोच्चार व तिलक कर श्रद्धालुओं का स्वागत

धर्मार्थ कार्य विभाग द्वारा संचालित व्यवस्था

कैलाश मानसरोवर की यात्रा पूरी करने वाले तीर्थयात्रियों को एक लाख देगी योगी सरकार

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

योगी सरकार ने कैलाश मानसरोवर यात्रा पूर्ण करने वाले यूपी के मूल निवासी तीर्थयात्रियों के लिए अनुदान प्राप्त करने की ऑनलाइन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

धर्मार्थ कार्य विभाग द्वारा संचालित इस व्यवस्था के तहत पात्र तीर्थयात्रियों को प्रदेश सरकार की ओर से एक लाख रुपए की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य कैलाश मानसरोवर यात्रा पूर्ण करने वाले प्रदेशवासियों को आर्थिक सहयोग प्रदान करना है। शासनादेश के अनुसार यात्रा पूर्ण करने वाले पात्र तीर्थयात्री यात्रा समाप्त होने की तिथि से 90 दिनों

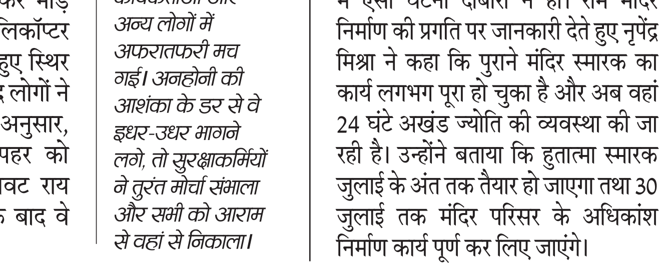

के भीतर धर्मार्थ कार्य विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन के दौरान तीर्थयात्रियों को नवीनतम पासपोर्ट आकार का फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड, निवास प्रमाण-पत्र, पासपोर्ट एवं वीजा की प्रति, बैंक खाते का विवरण, कैलाश मानसरोवर यात्रा पूर्ण करने का प्रमाण-पत्र तथा अन्य आवश्यक अभिलेख ऑनलाइन अपलोड करने होंगे। वर्ष 2026 की कैलाश मानसरोवर यात्रा का पहला जत्था 15 जून को गाजियाबाद के इंदिरापुरम से रवाना हुआ था तथा 2 जुलाई को यात्रा पूर्ण कर वापस लौट आया।

कैलाश मानसरोवर को रवाना हुआ श्रद्धालुओं का जत्था

वहीं दूसरी ओर बहराइच से कैलाश मानसरोवर की पावन यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं का जत्था ब्लिस रिजॉर्ट से नेपाल के लिए रवाना हो चुका है। वैदिक मंत्रोच्चार व तिलक कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। दल में मुंबई, मेरठ, खतौली व ऋषिकेश के शिवभक्त शामिल हैं।

हर वर्ष 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और संभावनाओं को दिशा देने का वैश्विक संकल्प दिवस भी है। विश्व युवा कौशल दिवस हमें यह संदेश देता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं के हाथों में होता है और उन हाथों की सबसे बड़ी शक्ति उनका कौशल ही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक युवा इसके महत्व को समझे और देश निर्माण में अपनी भूमिका को निभाए।

स्किल्ड युवाओं से संवरेगा देश-समाज का भविष्य

कवर स्टोरी / डॉ. यशोधरा भटनागर

आज जब दुनिया तीव्र तकनीकी परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), स्वचालन, ग्रीन इकोनॉमी और डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रही है, तब कौशल विकास यानी स्किल डेवलपमेंट केवल रोजगार का प्रश्न नहीं रह गया है। यह सामाजिक न्याय, आर्थिक समृद्धि, आत्मनिर्भरता और सतत विकास का आधार बन चुका है। इसमें संदेह नहीं किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि उसके कुशल नागरिक होते हैं। भारत जैसे युवा देश के लिए यह तथ्य और भी महत्त्वपूर्ण है। हमारे पास विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी है। यदि यह युवा वर्ग उचित शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल से सुसज्जित हो जाए, तो अपना देश भारत केवल जनसंख्या के आधार पर ही नहीं, बल्कि ज्ञान, नवाचार और उत्पादकता के आधार पर भी संपूर्ण विश्व का नेतृत्व कर सकता है।

विश्व युवा कौशल दिवस की पृष्ठभूमि

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में घोषित किया। इसका उद्देश्य युवाओं, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों, उद्योगों और नीति-निर्माताओं के बीच ऐसा संवाद स्थापित करना था, जिससे युवाओं को बदलती दुनिया की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्राप्त हो सके। इस दिवस का मूल स्पष्ट संदेश है कि युवाओं को केवल शिक्षित करना पर्याप्त नहीं, उन्हें दक्ष, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना भी उतना ही आवश्यक है।

कौशल का व्यापक अर्थ

कौशल यानी स्किल का अर्थ केवल किसी मशीन को चलाना या किसी तकनीक में दक्ष होना नहीं है। कौशल एक समग्र अवधारणा है, जिसमें ज्ञान, व्यवहार, दृष्टिकोण और कार्यकुशलता का संतुलित समावेश होता है। आज कौशल के अनेक आयाम उपलब्ध हैं। तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल, डिजिटल और आईटी कौशल, संचार एवं अभिव्यक्ति कौशल, नेतृत्व एवं प्रबंधन क्षमता, समस्या-समाधान और आलोचनात्मक चिंतन, उद्यमिता एवं वित्तीय साक्षरता, रचनात्मकता और नवाचार, भावनात्मक बुद्धिमत्ता तथा टीमवर्क। इन मानवीय गुणों के कौशल से यह बात पूरी तरह स्पष्ट हो जाती है कि कौशल केवल हाथों की दक्षता नहीं, बल्कि मस्तिष्क, व्यक्तित्व और मानवीय मूल्यों का समन्वय होता है।

बदलती दुनिया में नई चुनौतियां

इक्कीसवीं सदी का रोजगार बाजार निरंतर बदल रहा है। अनेक पारंपरिक कार्य एआई और ऑटोमेशन के कारण परिवर्तित हो रहे हैं। ऐसे समय में केवल एक बार सीखा गया ज्ञान जीवन भर पर्याप्त नहीं रह सकता। आज आवश्यकता है निरंतर सीखने की। डिजिटल तकनीक, डेटा विश्लेषण, साइबर सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, रोबोटिक्स, स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि-प्रौद्योगिकी और रचनात्मक उद्योग जैसे क्षेत्रों में नए अवसर लगातार विकसित हो रहे हैं। इन अवसरों का लाभ वही युवा उठा पाएगा, जो स्वयं को समय के अनुसार निरंतर अद्यतन करता रहेगा।

कौशल और आत्मनिर्भरता

कौशल व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाता है। वह केवल नौकरी पाने की प्रतीक्षा नहीं करता, बल्कि अपने लिए नए अवसरों का निर्माण करता है। यही कारण है कि आज स्टार्टअप कल्चर, सामाजिक उद्यमिता और इनोवेशन को विशेष महत्त्व दिया जा रहा है। एक कुशल कारीगर, किसान, डिजाइनर, प्रोग्रामर, शिक्षक या तकनीशियन सभी राष्ट्रनिर्माण में समान रूप से योगदान देते हैं। किसी भी कार्य का सम्मान उसकी उपयोगिता से निर्धारित होता है, न कि उसके सामाजिक वर्गीकरण से। कौशल सम्मानजनक श्रम की संस्कृति को भी सुदृढ़ करता है।

जीवन कौशल का महत्व

तकनीकी दक्षता के साथ-साथ जीवन कौशल भी अत्यंत आवश्यक हैं। प्रभावी संवाद, समय-प्रबंधन, सहयोग, सहानुभूति, नेतृत्व, नैतिकता और तनाव-प्रबंधन ऐसे गुण हैं, जो किसी भी व्यक्ति को सफल ही नहीं, बल्कि संतुलित और जिम्मेदार नागरिक भी बनाते हैं। आज के युवा को केवल तकनीकी रूप से सक्षम नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से संवेदनशील भी होना होगा। तकनीक का उपयोग तभी सार्थक है जब वह मानवता के हित में हो।

सभी वर्गों का हो कौशल विकास

विश्व युवा कौशल दिवस हमें यह भी स्मरण कराता है कि कौशल विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। ग्रामीण युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराना समावेशी विकास की अनिवार्य शर्त है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके सपनों से नहीं, बल्कि उन सपनों को साकार करने वाले कुशल हाथों से निर्मित होता है। कौशल वह दीप है जो आत्मविश्वास को प्रकाशित करता है, श्रम को सम्मान देता है और संभावनाओं को उपलब्धियों में बदल देता है। आज आवश्यकता ऐसी पीढ़ी तैयार करने की है जो ज्ञानवान होने के साथ-साथ कर्मनिष्ठ, सृजनशील और उत्तरदायी भी हो। *

भविष्य के कौशल में रोजगार ही नहीं उत्तरदायित्व भी शामिल करना होगा

भविष्य के कौशलों में तकनीकी दक्षता के साथ पर्यावरणीय चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक नेतृत्व भी सम्मिलित होंगे। जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और ग्रीन इकोनॉमी की चुनौतियां ऐसे युवाओं की मांग करती हैं, जो इनोवेशन के साथ संवेदनशीलता भी रखते हों। वास्तविक कौशल वही है, जो व्यक्ति को सफल होने के साथ-साथ उपयोगी और उत्तरदायी भी बनाए। श्रम के सम्मान और उत्कृष्टता की साधना को अपना जीवन मंत्र बनाए। जब युवा अपने कौशल से आत्मविश्वास अर्जित करेंगे, तब वे केवल अपने जीवन को नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की दिशा भी बदलेंगे। विकसित भारत का स्वप्न केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि करोड़ों कुशल, सृजनशील, संवेदनशील और आत्मनिर्भर युवाओं के हाथों से साकार होगा।
निश्चय ही कुशल युवाओं के हाथों में ही वह शक्ति निहित है, जो विकसित, समृद्ध, समावेशी और मानवीय भारत के स्वप्न को यथार्थ में बदल सकती है। यही विश्व युवा कौशल दिवस का सार है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकल्प भी।

काम करने की दौड़-भाग में पीछे छूट ना जाए जिंदगी !

पैसा कमाने के लिए, जीवन में प्रगति, पद, प्रतिष्ठा के लिए काम करना तो जरूरी है। लेकिन कुछ लोगों को काम करने की लत लग जाती है। इसकी धुन में वे जिंदगी जीना ही जैसे भूल जाते हैं। इससे बचना क्यों जरूरी है, इससे कैसे बचें, आपको जरूर जानना चाहिए।

लाइफस्टाइल
वीरेंद्र बहादुर सिंह

आज की दुनिया में काम सिर्फ जरूरत नहीं, पहचान भी बन चुका है। जिस व्यक्ति के पास काम है, उसे सफल माना जाता है। सुबह से रात तक भागते लोग, मोबाइल पर झुकी आंखें, लैपटॉप पर टिके हाथ और दिमाग में लगातार घूमती डेडलाइन, यह सब आधुनिक जीवनशैली का सामान्य दृश्य बन गया है। लेकिन कई बार हमारे भीतर यह सवाल भी उठने लगता है कि क्या हम काम कर रहे हैं, या काम हमें नियंत्रित कर रहा है?

मेहनती और वर्कोहोलिक में फर्क: मन लगाकर काम करने वाला व्यक्ति मेहनती कहलाता है। लेकिन मेहनती इंसान काम के साथ आराम करता है, परिवार के साथ समय बिताता है और अपने मन को विराम भी देता है। लेकिन वर्कोहोलिक व्यक्ति के लिए काम छोड़ना आसान नहीं होता। वह खाली बैठते ही बेचैन हो जाता है। उसे लगता है कि अगर वह काम नहीं करेगा तो समय बर्बाद होगा। ऐसे लोग छुट्टी के दिन भी लैपटॉप खोलकर बैठ जाते हैं।

सफलता की चमक में भीतर का अंधेरा: यह सच है कि ज्यादा काम करने वाले लोग जल्दी सफलता पा लेते हैं। ऑफिस में उनकी छवि जिम्मेदार और कर्मठ व्यक्ति की बनती है। प्रमोशन जल्दी मिलता है, आय बढ़ती है और समाज भी ऐसे लोगों को सम्मान की नजर से देखता है। लेकिन हर चमकती चीज सुकून नहीं देती। वर्कोहोलिक व्यक्ति बाहर से सफल दिख सकता है, मगर कई बार भीतर से टूटने लगता है। रिश्तों में दूरी आने लगती है। दोस्त छूट जाते हैं। परिवार के साथ बैठने का समय नहीं बचता। धीरे-धीरे जिंदगी सिर्फ टारगेट और डेडलाइन तक सीमित हो जाती है।

शरीर-मन के लिए अहितकर: विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन (आईएलओ) के अध्ययन बताते हैं कि सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करना गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर, अनिद्रा और मानसिक थकान जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ये रिपोर्ट्स संकेत देती हैं कि अत्यधिक काम अब सिर्फ जीवनशैली नहीं, स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है। लगातार या बिना आराम किए काम करने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से भी कमजोर होने लगता है। चिंता, बेचैनी, अवसाद और चिड़चिड़ापन बढ़ने लगता है। कई बार इंसान को यह अहसास भी नहीं होता कि वह भीतर से टूट रहा है। वह सिर्फ यह सोचता रहता है कि थोड़ा और काम कर लूं, फिर आराम करूंगा। लेकिन ऐसा वक्त कभी नहीं आता।

रिश्तों पर पड़ता है बुरा असर: वर्कोहोलिज्म का सबसे गहरा असर रिश्तों पर पड़ता है। बच्चे पिता का इंतजार करते रहते हैं, पति-पत्नी के बीच बातचीत कम हो जाती है, दोस्तों से मुलाकातें खत्म होने लगती हैं। इससे रिश्ते भीतर से सूखने लगते हैं।

आराम है बहुत जरूरी: सच यह है कि इंसान मशीन नहीं है। शरीर को आराम चाहिए, मन को शांति चाहिए और आत्मा को अपनेपन की जरूरत होती है। अगर जिंदगी में सिर्फ काम ही बच जाए, तो उपलब्धियां भी एक दिन बोझ लगने लगती हैं। इसलिए कभी-कभी बिना किसी उद्देश्य के बैठना भी जरूरी होता है। अपने बच्चों के साथ हंसना, दोस्तों से बातें करना, किताब पढ़ना, संगीत सुनना, ये भी जिंदगी का हिस्सा हैं। जरूरत सिर्फ इतनी है कि हम अपने दिन की योजना समझदारी से बनाएं। *

कविता
कुलदीप सिंह भाटी

पिता

पिता अब तक नहीं बना पाए
अपनी माकूल जगह कविताओं में
नहीं है पिता में
आत्म-विश्वास की कोई कमी
और न ही कह सकते हैं
इसे उनकी असफलता
न ही ऐसा कि
बैठ नहीं पाते वे फिट
कविताओं में
और न ही कविताएं अक्षम हैं
बरत पाने में पिताओं को
पिता भी शायद ही सकुचाते हों
कविताओं संग आते हुए
पिता ने कविताओं को
बेटियों की तरह पाला
वे कभी-कभार क्षणांश
तब ही आ पाते हैं
आज भी कविताओं में
जब बेटियों सरीखी कविताएं
खुद दौड़ पड़ती हैं उनकी ओर
अपनी बांहों में भर लेने के लिए।

व्यंग्य / पूनम पांडे

फटकार का मौसम

हमारे लोकतंत्र में एक अद्भुत ऋतु आती है। न यह बरसात है, न बसंत, न चुनावी मौसम। इसका नाम है-फटकार ऋतु। इस ऋतु में मंत्री जी गरजते हैं, विधायक जी बरसते हैं, सांसद जी तमतमाते हैं और अधिकारी...। अधिकारी ऐसे बैठे रहते हैं, जैसे योग शिविर में अनुलोम-विलोम कर रहे हों।

जिले की समीक्षा बैठक शुरू होती है। नेता जी की त्यौरियां ऐसी चढ़ी होती हैं, मानो आज तो प्रशासन की शामत तय है। नेताजी पूछते हैं, 'यह सड़क अभी तक टूटी क्यों है?' अफसर कहते हैं, 'जी, टेंडर प्रक्रिया में है।' वे फिर पूछते हैं, 'अस्पताल में डॉक्टर नहीं हैं?' अधिकारी कहते हैं, 'जी, भर्ती प्रक्रिया में है।' नाराज होकर मंत्री जी पूछते हैं, 'तालाब सूखा क्यों है?' जवाब मिलता है, 'जी, वर्षा प्रक्रिया में है।' अब बेचारे बादल भी सोचते होंगे कि हमारे बरसने का ठेका भी किसी फाइल में अटक गया क्या! बैठक में जितनी बार 'प्रक्रिया' शब्द बोला जाता है, उतनी बार अगर काम हो जाए तो देश अगले सोमवार तक विकसित हो जाए।

नेता जी का गुस्सा भी बड़ा मेहनती होता है। मेज पर मुक्का मारते हैं। फाइलें कांप जाती हैं। पानी का गिलास हिल जाता है। कैमरे चौकन्ने हो जाते हैं। मगर अधिकारी? उनके चेहरे पर वही शांति, मुस्कान होती है, जो तपस्वी के चेहरे पर होती है। लगता है जैसे वे मन ही मन 'डांटाय नमः फटकाराय नमः' का जाप कर रहे हों।

अब अधिकारियों ने भी जीवन का गूढ़ दर्शन समझ लिया है। वे जानते हैं कि फटकार एक मौसमी फल है। मौसम आया, फल गिरा, मौसम गया, फल सड़ गया। बस! पहले जमाने में लोग चेचक निकलने पर प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते थे। अब सरकारी अफसर फटकार सुन-सुनकर आलोचना-प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर चुके हैं। जिस अफसर को पांच साल में सौ फटकारें पड़ जाएं, उसे तो प्रशासनिक विश्वविद्यालय से मानद उपाधि मिलनी चाहिए, डॉक्टर ऑफ फटकार मैनेजमेंट।

आपने गौर किया होगा, अधिकारी डांट खाते समय कभी बहस नहीं करते, क्योंकि उन्हें मालूम है कि डांट की भी एक्सपायरी डेट होती है। बैठक समाप्त होते ही उसका असर वैसे ही उड़ जाता है, जैसे शादी के पंडाल से मेहमान। अगले दिन अखबार की हेडलाइन आती है। 'मंत्री जी का सख्त रुख, अधिकारियों की लगाई क्लास।' जनता चाय की चुस्की लेते हुए खुश हो जाती है 'चलो, आज तो खबर ली गई।' लेकिन उधर अधिकारी भी चाय की चुस्की लेते हुए कहते हैं, 'आज की हेडलाइन ठीक है। पिछली बार वाली फोटो ज्यादा अच्छी आई थी।' कभी-कभी तो लगता है कि सरकार को 'फटकार मंत्रालय' अलग से बना देना चाहिए। वहां रोज अभ्यास हो। सुबह नौ बजे-हल्की फटकार। दोपहर बारह बजे-कड़ी फटकार। शाम पांच बजे-अत्यंत कड़ी फटकार। रात को प्रेस नोट-भविष्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह वाक्य इतना पुराना हो चुका है कि पुरातत्व विभाग चाहे तो इसे खुदाई में मिली धरोहर घोषित कर दे।

हमारे तंत्र में सबसे अद्भुत जीव अगर कोई है, जिसे किसी चिड़ियाघर में रखा जाना चाहिए, तो वह है-चिकना घड़ा अधिकारी। इस प्रजाति की विशेषता है कि डांट इस पर ऐसे फिसलती है, जैसे गरम तवे पर पानी। मंत्री जी पूछते हैं, 'काम क्यों नहीं हुआ?' उत्तर मिलता है, 'जी, प्रयास जारी है।' फिर पूछा जाता है, 'कब तक होगा?' जवाब मिलता है, 'जी, शीघ्र होगा।'

असल बीमारी यह नहीं कि कुछ अधिकारी काम नहीं करते। बीमारी यह है कि काम न करने की भी कोई कीमत उन्हें नहीं चुकानी पड़ती। जब कुर्सी पर धूल जम जाए मगर कुर्सी न हिले, तब डांट मनोरंजन बन जाती है। आखिर नेता भी क्या करें? वे हर बैठक में वही संवाद बोलते हैं। अधिकारी हर बैठक में वही उत्तर देते हैं। पत्रकार हर बैठक में वही खबर लिखते हैं। जनता हर बैठक में वही उम्मीद पालती है। लगता है पूरा प्रशासन किसी पुराने रेडियो नाटक का पुनर्प्रसारण बन गया है। *

Mushroom World Ayurved & Food Pvt. Ltd.
For Trade Enquiry - +91 888 922 3333

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

रोचक औपन्यासिक विमर्श

राजेंद्र यादव और मन्नू भंडारी के द्वारा लिखे गए उपन्यास 'एक इंच मुस्कान' को हिंदी साहित्य में अपनी तरह का अनोखा उपन्यास माना जाता है। अब से कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया उपन्यास 'फांसी' भी इसी धारा की कृति है। इसे भी दो लेखकों उद्भ्रांत और शैलेश पंडित ने मिलकर लिखा है। उपन्यास के आरंभिक सात अध्याय उद्भ्रांत ने लिखे फिर कई वर्षों के बाद अगले उन्नीस अध्याय शैलेश पंडित ने लिखकर इसे पूरा कर दिया था, पर उनके द्वारा किए गए कथांत से उद्भ्रांत संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने चार नए अध्याय लिखकर उपन्यास का अंत किया। तुलनात्मक रूप से उद्भ्रांत, शैलेश पंडित से वरिष्ठ हैं, लेकिन एक ही कथाभूमि पर दोनों ने जिस संतुलन के साथ कहानी को आगे बढ़ाया है, वह पाठक को अचरज में डाल सकता है। इसे पढ़ते हुए क्राइम थ्रिलर उपन्यास पढ़ने का भी एहसास होता है। उपन्यास के मुख्य पात्र का जीवन अनपेक्षित मोड़ों से होते हुए अपराध, जेल और फांसी के फंदे तक पहुंच जाता है। लेकिन यहीं पर आकर उपन्यास, किसी अपराधी को फांसी की सजा देने या न देने पर विमर्श का रूप लेता है। इस तरह उपन्यास का अंत न्याय प्रक्रिया में फांसी की सजा दिए जाने पर सवाल उठाता है। उपन्यास का कथा प्रवाह शुरू से अंत तक बांधे रखता है। *

किताब: फांसी (उपन्यास), **लेखक:** उद्भ्रांत-शैलेश पंडित,
मूल्य: 375 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

भीषण गर्मी से बचाने भोपाल का 'हीट एक्शन प्लान', 5 करोड़ की परियोजना पर हुआ करार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जलवायु परिवर्तन और लगातार बढ़ती गर्मी से शहर को सुरक्षित बनाने की दिशा में भोपाल ने बड़ा कदम उठाया है। नगर निगम भोपाल और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स (एनआईयूए) के बीच शुक्रवार को अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव को कम करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन और एनआईयूए की निदेशक डॉ. डेबोलिना कुंडू ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह परियोजना केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की अमृत 2.0 सुधार योजना के तहत देश के 12 चयनित शहरों में लागू की जा रही है। परियोजना के तहत भोपाल नगर निगम को 5 करोड़ रुपए का अनुदान मिलेगा। 15 माह में पूरी होने वाली इस योजना के तहत सैटेलाइट डेटा और आधुनिक तकनीक से शहर के उन इलाकों की पहचान की जाएगी, जहां सामान्य से अधिक तापमान दर्ज होता है। इन हीट हॉटस्पॉट क्षेत्रों में विशेष इंतजाम किए जाएंगे।

नगर निगम और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स के बीच एमओयू ,15 माह में तैयार होगा हीट रेजिलिएंट सिटी मॉडल

फाइल फोटो

संवेदनशील बस्तियों में होंगे खास इंतजाम

योजना में आर्थिक रूप से कमजोर और संवेदनशील बस्तियों के लोगों को लू से बचाने के लिए विशेष प्रबंध, इमारतों पर कूल रूफ तकनीक, हरित क्षेत्र बढ़ाने, छायादार सार्वजनिक स्थान विकसित करने और जल स्त्रोतों के संरक्षण जैसे कार्य शामिल हैं। साथ ही नागरिकों को गर्मी से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाया जाएगा।

एक नोडल अधिकारी होगा नियुक्त

नगर निगम इस परियोजना के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करेगा जो सर्वे, योजना के क्रियान्वयन और निगरानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। परियोजना के अंतर्गत भोपाल के लिए दीर्घकालिक हीट रेजिलिएंट सिटी फ्रेमवर्क भी तैयार किया जाएगा। निगम का मानना है कि यह पहल शहर को भविष्य की भीषण गर्मी के लिए बेहतर ढंग से तैयार करेगी और पर्यावरण-अनुकूल शहरी विकास का मॉडल स्थापित करेगी।

खबर संक्षेप

प्रदेश अध्यक्ष, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री से मिले दतिया प्रत्याशी तिवारी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल से दतिया विधानसभा उपचुनाव के पार्टी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने भोपाल में सौजन्य मुलाकात की। प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल एवं क्षेत्रीय संगठन महामंत्री जामवाल ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर उपस्थित रहे।

जांच से बचने राजनीतिक प्रतिशोध का झूठा नैरेटिव गढ़ रही कांग्रेस : हेमंत

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आपराधिक जांच से बचने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध का झूठा नैरेटिव गढ़ना कांग्रेस की पुरानी राजनीति रही है। जीतू पटवारी का बयान तथ्यों से परे, भ्रामक तथा राजनीतिक लाभ लेने का एक असफल प्रयास है। जिस व्यक्ति के समर्थन में कांग्रेस खड़ी है, उसके विरुद्ध पूर्व से ही कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। खण्डेलवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार प्रदेश में जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। अपराधी कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

निगम-मंडलों में बिना देरी मिले शासन की सुविधाओं का लाभ

भोपाल। मप्र निगम मंडल अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रांताध्यक्ष अजय श्रीवास्तव नीलू ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से निगम मंडलों में शासन द्वारा जारी किए गए आदेशों में सुविधाओं का सीधा लाभ बिना देरी से देने की मांग की है। श्रीवास्तव ने बताया कि निगम मंडलों में कई वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है। वेतनमान, महंगाई भत्ता, पदोन्नति, नियमित वेतन आदि अति आवश्यक हक के वंचित रहना पड़ता है। श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री से अविलंब शासन के समान सुविधाएं देने के निर्देश जारी करवाने मांग की है। अध्यक्ष-उपाध्यक्ष अन्य पदों पर राजनीतिक नियुक्तियां की गई है। उनके अध्यक्ष, उपाध्यक्ष अन्य पदाधिकारी को खास तौर से वाहनों के उपयोग में मितव्ययिता बरतने आदेश अविलंब जारी होना चाहिए। महासंघ के पदाधिकारी संयोजक अनिल बाजपेई, कार्यकारी अध्यक्ष अरुण वर्मा हेमंत कपूर, महामंत्री गजेंद्र सिंह कोठारी, बलवंत सिंह रघुवंशी, श्याम सुंदर शर्मा, शाहवर खान, शकील अकबर आदि ने मुख्यमंत्री से इस मांग पहल कर प्रदेश स्तर पर कड़े आदेश प्रसारित करने की मांग की है।

निर्देश के बाद विभागों में पदोन्नति की रफ्तार बढ़ी, अधिकांश विभाग सूची जारी करने में जुटे

विभागीय पदोन्नति को लेकर उल्टी गिनती शुरू, 13 के पहले सभी पदोन्नति निबटाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में पदोन्नति को लेकर विभागों की तैयारी अब अंतिम दौर में है। 13 जुलाई को हाईकोर्ट में इस मुद्दे को लेकर सुनवाई है। ज्यादातर विभागों की कोशिश है कि इससे पहले पदोन्नति की पूरी सूची जारी कर दी जाए। हालांकि कुछ विभाग ऐसे भी हैं, जिनकी नजर में इस तारीख के कोई मायने नहीं है। यदि हाई कोर्ट से कुछ निर्णय हुआ तो पदोन्नति रुक जाएगी, नहीं हुआ तो पदोन्नति कर दी जाएगी।

एक दिन पहले खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने पिछले 10 वर्षों से रुके पड़े थोक बंद पदोन्नति की सूची जारी की है। इस अनुसार संयुक्त संचालक शशांक मिश्र को पदोन्नति के बाद अपर संचालक बनाया गया है। इन दोनों अधिकारियों की पदस्थापना यथावत रहेगी। उप संचालक श्रीमती ज्योति शाह नरवरिया को स्थानापन्न रूप से संयुक्त संचालक के पद पर पदोन्नत किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपरोक्त समस्त पदोन्नतियां सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित विशेष अनुमति याचिका तथा उच्च न्यायालय की ओर से भविष्य में पारित किए जाने वाले आदेशों के अध्याधीन होगी।

खास बातें

- हाईकोर्ट से निर्णय हुआ तो पदोन्नति रुक जाएगी, वरना पदोन्नति कर दी जाएगी
- दोनों अधिकारियों की पदस्थापना रहेगी यथावत

फाइल फोटो।

लोक निर्माण विभाग में तेजी से काम शुरू

लोक निर्माण विभाग में सहायक यंत्री से कार्यपालन यंत्री व अधीक्षण यंत्री के पद पर पदोन्नति की फाइल विभागीय मंत्री के पास अनुमोदन के लिए भेजी गई है। मंत्री के अनुमोदन के बाद सूची जारी कर दी जाएगी। हालांकि जो इंजीनियर काफी जुगाड़ के बाद अभी हाल में ही कार्यपालन यंत्री व अधीक्षण यंत्री बने हैं, उनकी पदस्थापना को लेकर उहापोह की स्थिति पैदा हो गई है। चूंकि पदोन्नति के बाद ऐसे इंजीनियर उस जगह पर पदस्थ होंगे या अन्यत्र भेजे जाएंगे। इय पर मंथन शुरू हुआ है। जबकि आबकारी व वाणिज्यिक कर में संचालनालय स्तर पर अभी फाइल ही नहीं आई है। पहले मंत्रालय फाइल आने के बाद उसे लोक सेवा आयोग भी भेजा जाएगा। ऐसे में उहापोह की स्थिति मची हुई है।

सहायक संचालक से उपसंचालक पर पदोन्नत

जारी आदेश के अनुसार प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक भोपाल चंद्रभान सिंह जादौन को पदोन्नति के बाद जिला आपूर्ति नियंत्रक भोपाल बनाया गया है। मीना मालाकार को प्रभारी उप संचालक से उप संचालक, मोहनलाल मारू को प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक इंदौर को भी जिला आपूर्ति नियंत्रक इंदौर, ज्योति जैन सिंघाई को प्रभारी उप संचालक से उप संचालक बनाया गया है। इसी तरह पदोन्नति के बाद रश्मि साहू को जिला आपूर्ति नियंत्रक नर्मदापुरम, ज्योति बघेल को उप संचालक तथा शालू वर्मा को जिला आपूर्ति नियंत्रक उज्जैन में पदस्थ किया गया है।

चाकू और पत्थर से हमले के बाद कुएं में फेंका शव

विवाहिता ने प्रेमी को घर बुलाकर तीन आरोपियों के साथ मिलकर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

सोशल मीडिया में लगातार ट्रेंड देखने को मिल रहा है कि आये दिन महिलाये अपने पति, बॉयफ्रेंड को मारने के नए नए तरीके अपना रही है। इसी बीच बीजापुर जिले के मिरतुर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक को उसकी शादीशुदा प्रेमिका ने अपने घर शांतिनगर मिलने के लिए बुलाया, जहां पहले से ही प्रेमिका ने 3 युवकों के साथ मिलकर पहले प्रेमी को चाकू मारने के बाद पत्थर से सिर पर हमला करते हुए प्रेमी को कुएं में फेंक दिए। कुछ लोगों ने घायल को देखकर उसे उपचार के लिए मेकाज लाया गया। जहाँ उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले की जानकारी देते हुए मृतक दिलीप के बड़े भाई दुर्गेश कडियम ने आरोप लगाते हुए बताया कि दिलीप का एक शादीशुदा युवती से पिछले सालभर से अफेयर चल रहा था। दिलीप व उसकी शादीशुदा प्रेमिका दोनों बीजापुर के नगर पालिका में ही काम कर रहे थे। प्यार के दौरान दिलीप को पता चला कि उसकी प्रेमिका शादीशुदा है। इन सबके बाद भी दिलीप प्रेमिका को अपनाने के लिए तैयार था। लेकिन शायद उसे दिलीप के अलावा अन्य किसी से प्यार था।

पुलिस कर रही मामले की जांच

5 जुलाई को प्रेमिका ने उसे अपने घर बीजापुर शांतिनगर बुलाया। जहाँ प्रेमिका ने अपने 3 से 4 दोस्तों को पहले से ही बुलाकर रखा हुआ था। जहाँ बात करने के दौरान दोनों के बीच में किसी बात को लेकर विवाद हो गया और प्रेमिका ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर पहले पत्थर से सिर में हमला किया। उसके बाद उसे चाकू से ताबड़तोड़ हमला करते हुए घायल कर दिया। इससे भी युवती का मन नही भरा तो उसने युवक को कुँए में फेंक दिया। इस घटना की जानकारी परिजनों को मिली। घायल दिलीप को उपचार के लिए बीजापुर जिला अस्पताल ले जाया गया। जहाँ से उसकी खराब स्थिति को देखते हुए मेकाज रेफर कर दिया गया। जहाँ उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। इस घटना के बाद पुलिस ने शव का पीएम करवाते हुए परिजनों को सौप दिया गया।

पैसे के लेन-देन के चलते वारदात को दिया अंजाम

युवक पर थर्माकोल पेपर कटर से जानलेवा हमला, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सक्ती

जिला मुख्यालय में स्टेशन के पास युवक पर थर्माकोल पेपर कटर से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी कृष्णा सारथी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पूछताछ में पैसे के विवाद के बाद गुस्से में हमला करना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त खून से सना थर्माकोल पेपर कटर भी बरामद कर लिया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1) के तहत कार्रवाई की गई है। मामला सक्ती थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, 8 जुलाई की रात स्टेशन क्षेत्र में हुए विवाद के दौरान आरोपी कृष्णा सारथी ने अभय चौहान उर्फ साहिल उर्फ बोंगा के गले और सीने जैसे शरीर के अत्यंत संवेदनशील अंगों पर लगातार वार किए। गंभीर रूप से घायल साहिल किसी तरह मौके से निकलकर पास के एक होटल में पहुंचा, जिसके बाद

स्थानीय लोगों ने डायल 112 और पुलिस को सूचना दी। घायल को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सक्ती ले जाया गया, जहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जांजगीर और बाद में बेहतर उपचार के लिए बिलासपुर रेफर किया गया। वर्तमान में उसका इलाज बिलासपुर के एक निजी अस्पताल में जारी है।

सक्ती जिले के अड़भार क्षेत्र की घटना, जांच जारी

नाबालिग छात्र के साथ अपहरण और मारपीट की घटना, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सक्ती

जिले के अड़भार क्षेत्र में एक नाबालिग छात्र के साथ कथित रूप से अपहरण कर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। शुरुआती जांच मे आरोपियों में अधिकांश नाबालिग होने की बात सामने आ रही हैं।

8-9 बाइक सवार आरोपियों पर बेरहमी का आरोप

जानकारी के अनुसार, आत्मानंद स्कूल में पढ़ने वाला नाबालिग छात्र सुबह करीब 11 बजे स्कूल जाने के लिए घर से निकला था। परिजनों का आरोप है कि रास्ते में चार मोटरसाइकिलों पर सवार 8 से 9 युवकों ने उसे जबरन अपने साथ ले जाकर शनि मंदिर के पीछे स्थित गौठान के पास पहुंचाया। वहां उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। परिजनों का आरोप है कि आरोपियों ने छात्र के कपड़े उतरवाकर उसके साथ लात-घूंसों और थप्पड़ों से मारपीट की। इस दौरान किसी ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में घटना को लेकर चर्चा का माहौल है।

- **शनि मंदिर के पीछे स्थित गौठान के पास ले जाकर की मारपीट**
- **प्रारंभिक जांच में अधिकांश आरोपी प्रतीत हो रहे हैं नाबालिग**

आरोपियों की पहचान के प्रयास तेज

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल ने बताया कि नाबालिग से मारपीट की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। मामले में शामिल आरोपियों की पहचान की जा रही है और उनकी तलाश जारी है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में अधिकांश आरोपी नाबालिग प्रतीत हो रहे हैं। घटना के पीछे की वजह और अन्य परिस्थितियां विवेचना पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगी।

मप्र राज्य वित्त आयोग ने राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा

अध्यक्ष पवैया की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

पंचायती राज संस्थाएं व नगरीय निकायों को वित्तीय रूप से स्वाबलंबी बनाने पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य वित्त आयोग ने शुक्रवार को मंत्रालय में राजस्व विभाग, की समीक्षा बैठक ली। प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों को वित्तीय रूप से स्वाबलंबी बनाने एवं स्वयं के आय के स्त्रोत सृजित करने में राजस्व विभाग की भूमिका के संबंध में राजस्व विभाग के साथ समीक्षा की।

अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति, राजस्व स्त्रोतों और बजटीय प्रबंधन को लेकर मंथन हुआ। आयोग के अध्यक्ष पवैया ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि ग्राम पंचायतों और शहरी निकायों की दीर्घकालिक वित्तीय सुदृढ़ता के लिए एक ठोस रोडमैप तैयार किए जाने में उनकी भूमिका को बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया जाय।

समीक्षा बैठक का आयोजन।

वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाना होगा

आयोग की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि स्थानीय निकायों की केवल अनुदानों पर निर्भरता को कम कर उन्हें वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाना होगा। इसके लिए कर संग्रहण क्षमता को सुदृढ़ करने, वित्त आयोग के अनटाइड अनुदानों के प्रभावी एवं परिणामोन्मुख उपयोग और बेहतर वित्तीय प्रबंधन के लिए संबंधित विभाग से व्यावहारिक सुझाव प्राप्त किए गए हैं।

गुस्साए लोगों ने घेरा मनेंद्रगढ़ थाना, प्रदर्शन कर जताया गुस्सा

जेसीबी से टकराई स्कूटी, एक युवक की मौत और दूसरे की हालत गंभीर

▶▶ मनेंद्रगढ़-भरतपुर-चिरमिरी

मनेंद्रगढ़ नेशनल हाईवे क्रमांक 43 पर बीपीसीएल द्वारा गैस पाइप लाइन के लिए गड्ढे खोदे जा रहे हैं। बीती रात लगभग 9 बजे जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में नेशनल हाईवे क्रमांक 43 पर विदेशी मदिरा के सामने खड़ी जेसीबी से एक स्कूटी की टक्कर हो गई।

इस दुर्घटना में स्कूटी सवार एक युवक की मृत्यु हो गई। वहीं एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अंबिकापुर रेफर किया गया। इस घटना के बाद मृतक के परिजन और बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता तथा कार्यकर्ताओं ने मनेंद्रगढ़ थाने का घेराव किया। लगभग दो घंटे बाद जब शव आया तो प्रदर्शन और उग्र हो गया। परिजन और कांग्रेस नेता तथा कार्यकर्ताओं ने शव को सड़क पर रखकर जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने जेसीबी जब्त करने और उचित मुआवजा देने की मांग की।

पांच घंटे तक चला धरना आश्वासन के बाद खत्म

लगभग पांच घंटे तक प्रदर्शन चलने के बाद एडिशनल पुलिस अधीक्षक, अपर कलेक्टर और नायब तहसीलदार घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने परिजन और कांग्रेस के नेताओं से बात की। अधिकारियों ने तत्काल सहायता राशि और अधिक से अधिक मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने को राजी हुए। इस दौरान घंटों तक थाना के सामने मुख्य मार्ग जाम रहा, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। मृतक सागर मध्य प्रदेश का मूल निवासी था। वह पिछले चार वर्षों से मनेंद्रगढ़ शहर में अपने ससुराल में रह रहा था। मृतक के दो बच्चे और पत्नी हैं। उनके भरण-पोषण को लेकर अब बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के सहयोग से जेल विभाग की ऐतिहासिक पहल

विभिन्न जेलों के 30 अधिकारी एवं कर्मचारी ले रहे हैं सात दिवसीय प्रशिक्षण

बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए मप्र में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम हुए प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र जेल विभाग ने बंदियों के समग्र स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया है।

महानिदेशक जेल डॉ. वरुण कपूर की देखरेख में राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी (आरआरयू), गांधीनगर, गुजरात के सहयोग से आयोजित यह सात दिवसीय प्रशिक्षण भोपाल स्थित क्षेत्रीय जेल प्रबंधन एवं शोध संस्थान में संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जेलों में निरुद्ध बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य की पहचान, संरक्षण, परामर्श एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था

को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाना है। डॉ. कपूर ने कहा कि बंदियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा जेल विभाग की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। अब तक विभाग की ओर से शारीरिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक प्रभावी प्रयास किए जाते रहे हैं, वहीं मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अब वैज्ञानिक एवं संस्थागत व्यवस्था विकसित की जा रही है।

मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में पहल

डॉ. कपूर ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में यह पहल जेल प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी। विभाग आगामी चरणों में विभिन्न जेलों में साइको सोशल काउंसिलिंग सेंटर स्थापित करने, राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के सहयोग से मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम संचालित कर रहा है। इसमें डीआईजी मंशाराम पटेल, केंद्रीय जेल अधीक्षक मानेन्द्र सिंह परिहार, प्रशासकीय अधिकारी दिनेश कुमार इमले तथा राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ प्रशिक्षक गीतेश सिंह एवं राकेश सिंह उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार युवक को मारी टक्कर, मौत

जगदलपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 देउरगाव में बीती रात एक तेज रफ्तार ट्रक चालक ने सड़क पर स्कूटी लेकर जा रहे युवक को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वही मृतक की शिनाख्त 108 कर्मचारी के रूप में हुई। जो अपने घर से ड्यूटी जाने के नाम पर निकला था। घटना के बाद मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को पीएम के लिए ले गए, वही ट्रक को हिरासत में ले लिया गया है। मामले के बारे में बताया जा रहा है कि तोकापाल राजुर निवासी घनश्याम मौर्य 26 वर्ष जो करीब 1 जून 2026 को 108 वाहन में पायलट के रूप में अपनी ज्वाइन किया था। कुछ ही दिनों में सबसे अच्छे व्यवहार के चलते खास हो गया था। लेकिन यह खुशी ज्यादा दिन नही चली और 10 जुलाई की रात को जब घनश्याम अपनी स्कूटी से अपने ड्यूटी स्थल जा रहा था कि देउरगाव के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने घनश्याम को अपनी चपेट में ले लिया, इस हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों ने ट्रक को रोक लिया।

पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है। पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं? पहले शहरों में बड़े तालाब और झीलें होती थीं, जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर ठीक करने का काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि वर्षा जल को संरक्षित नहीं किया गया तो बाढ़ का खतरा बढ़ेगा। दूसरी ओर, पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। *इन्हीं समस्याओं के समाधान की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

हम खुद बना रहे बारिश को आपदा

विश्लेषण
दिनेश शर्मा 'दिनेश'
वरिष्ठ स्तंभकार

इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है। सत्य तो यह है कि अनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है।

सुदर्शन फ़ाकिर ने कहा है-
ये दौलत भी ले लो, ये शोहरत भी ले लो,
भले छीन लो मुझसे मेरी जवानी।
मगर मुझको लौटा दो बचपन का सावन,
वो कागज़ की कश्ती, वो बारिश का पानी।

बारिश की बूंदें हमेशा आम जनमानस के लिए एक सुकून का सुखद संदेश लेकर आती हैं। तपती और झुलसा देने वाली गर्मी के बाद जब धरती की प्यास बुझती है तो मिट्टी से आने वाली सोंधी खुशबू किसी भी मन को आनंदित कर देती है। बारिश प्रकृति का वह वरदान है जो नवजीवन का संचार करता है, लेकिन आज के इस आधुनिक युग में जहां हम भौतिक विकास की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं, मानसून का यह प्राकृतिक सौंदर्य हमारे लिए एक बुरे सपने जैसा बनता जा रहा है। अभी मानसून की शुरुआत ही हुई है कि महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक की सड़कें, नालियां और जल निकासी व्यवस्था चरमराने लगी है। पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है।

पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं?

यदि इस प्रश्न के उत्तर की अच्छे से तलाश की जाए तो इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है।

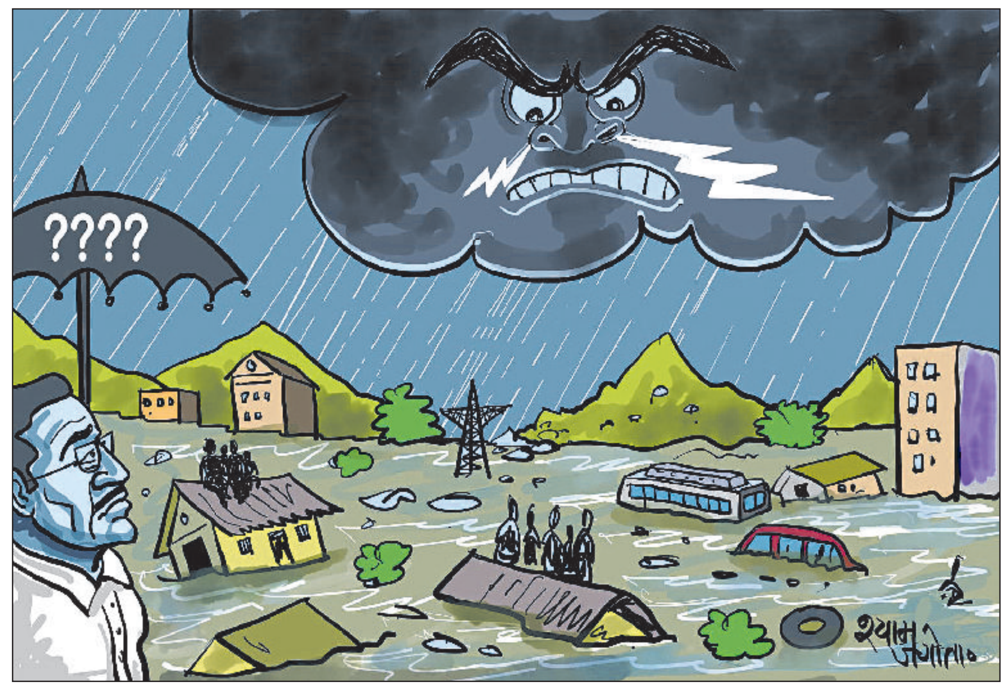

सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा

इस सन्दर्भ में अधिक गहनता से विचार करने पर बड़ा कारण हमारे सामने आता है। दरअसल नगरीय नियोजन के नाम पर हमने कंक्रीट के ऐसे जंगल खड़े कर दिए हैं, जहां पानी को जमीन के भीतर रिसने या बाहर निकलने का कोई प्राकृतिक रास्ता ही नहीं बचा है।

हमारे पूर्वजों ने जल संरक्षण के लिए पारंपरिक तालाबों, जोहड़ों, बावड़ियों और झीलों का निर्माण किया था, जिन्हें आज पाटकर उन पर बहुमंजिला इमारतें और विशाल व्यावसायिक परिसर खड़े कर दिए गए हैं अथवा अवैध कब्जे करके उनका अस्तित्व मिटा दिया गया है। जब जल को बहने के लिए जगह नहीं मिलेगी तो वह स्वाभाविक रूप से हमारी सड़कों और घरों में ही तो प्रवेश करेगा। अत्याधुनिक नगरों की परिकल्पनाएं और बड़े-बड़े दावे पहली ही बारिश के पानी में कागज की नाव की तरह बहते हुए नजर आते हैं। सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा होता है; जो गाद और कचरा नालों से निकाला जाता है, उसे बारिश आने तक वहीं सड़कों के किनारे छोड़ दिया जाता है, जो पहली बारिश के प्रवाह के साथ वापस उसी नाले में बहकर उसे दोबारा अवरुद्ध कर देता है।

गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार

अब इस सिक्के के दूसरे पहलू पर भी विचार करना अत्यंत आवश्यक है। क्या सारा दोष केवल व्यवस्था और प्रशासन का है? सत्य तो यह है कि अनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है। एक शहर या मोहल्ले की जल निकासी व्यवस्था एक निश्चित आबादी का भार सहने के लिए बनाई जाती है। जब वहां क्षमता से कई गुना अधिक लोग रहने लगेंगे, बिना किसी योजना के अवैध बस्तियां बसेंगी और सड़कों तक अतिक्रमण होगा तो सबसे मजबूत व्यवस्था का चरमराना भी तय है। लोग नागरिक सुविधाओं पर बेतहाशा दबाव डाल रहे हैं, लेकिन उन सुविधाओं के रखरखाव में अपना आत्मीय योगदान देने से कतराते हैं।

बुनियादी सुविधाओं का टोटा

एक समय था जब जलभराव और यातायात अवरोध की समस्या केवल बड़े महानगरों तक सीमित मानी जाती थी। आज छोटे शहर और कस्बे भी इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं। छोटे शहरों ने महानगरों की तर्ज पर अंधाधुंध भवनों का निर्माण तो शुरू कर दिया, लेकिन भूमिगत जल निकासी और जल प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाओं का उस अनुपात में विकास नहीं किया गया है। इसके कारण वहां की स्थिति महानगरों से भी अधिक भयावह होती जा रही है, क्योंकि वहां तकनीकी संसाधनों का अभाव महानगरों की तुलना में कहीं अधिक है। सड़कों, फुटपाथों और आंगनों को पक्का (सीमेंटेड) कर देने से बारिश का पानी प्राकृतिक रूप से धरती के अंदर नहीं जा पाता। इसके अलावा शहरों के विस्तार के साथ ड्रेनेज नेटवर्क और सीवरेज लाइनें नहीं बिछाई जातीं।

दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी

हम अपने घरों का कचरा, पॉलिथीन की थैलियां, प्लास्टिक या कांच की बोतलें, निर्माण सामग्री के मलबे को खुले नालों में फेंक देते हैं। जो बाद में पानी के बहाव को पूरी तरह से रोक देता है। जब समूचा तंत्र इस कचरे के कारण दम तोड़ने लगता है, तब हम प्रशासन को कोसने लगते हैं। घरों के बाहर जल निकासी के रास्तों पर पक्के चबूतरे बना लेना और अतिक्रमण करना एक आम प्रवृत्ति बन गई है, जिससे सफाई व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित होती है। वस्तुतः मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली यह भयंकर स्थिति प्रशासनिक नाकामी और नागरिक लापरवाही का मिलाजुला परिणाम है। जहां प्रशासन के पास दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी है, वहीं नागरिकों के पास अपने कर्तव्यों के प्रति बोध का अभाव है। जब तक दोनों एक-दूसरे पर दोषारोपण करते रहेंगे, तब तक संकट का कोई स्थायी समाधान कभी नहीं निकल पाएगा। अंतः मानसून को एक त्रासदी बनने से रोकने के लिए सत्ता और समाज, दोनों को मिलकर एक ईमानदार शुरुआत करनी ही होगी।

पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई

व्यवस्था
डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

एक बार फिर मानसून ने भारत के पहाड़ी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में भारी तबाही मचाई है। हिमाचल प्रदेश में नदियों के उफान से पुल बह रहे हैं, उत्तराखंड में चारधाम यात्रा मार्गों पर भूस्खलन से सैकड़ों यात्री फंसे हैं, जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील पहाड़ी ढलानों पर मलबा गिर रहा है और पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम और त्रिपुरा में लाखों लोग बाढ़ और विस्थापन का दंश झेल रहे हैं। हर साल मानसून के दौरान पहाड़ों में मचने वाली यह चीख-पुकार अब केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है। यह एक गंभीर चेतावनी है कि क्या प्रकृति का मिजाज बदला है या फिर हमारे लालच और संवेदनहीनता ने इन शांत पहाड़ों को टाइम बम में तब्दील कर दिया है? भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इस वर्ष मानसून की तीव्रता में अप्रत्याशित बदलाव देखा गया है। जुलाई के शुरुआती हफ्तों में ही हिमाचल के सोलन और सिरमौर जैसे इलाकों में इतनी भारी बारिश हुई कि स्कूल-कॉलेज बंद करने पड़े।

किन्नौर में उफनती नदी ने लोहे के मजबूत पुलों को लील लिया। पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश के 26 से अधिक जिलों में फ्लैश फ्लड और रॉकफॉल ने पूरे जनजीवन को पंगु बना दिया है। वैज्ञानिक और पर्यावरणविद् लंबे समय से चेतावनी दे रहे हैं कि हिमालय दुनिया की सबसे नई और कच्ची पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। इसकी एक निश्चित वहन क्षमता है, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने इस संवेदनशीलता को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। पहाड़ की छाती को चीरकर अवैज्ञानिक बुनियादी ढांचा और फोर-लेन सड़कें बनाई जा रही हैं। पहाड़ों की सड़कों को चौड़ा करने के लिए 'वर्टिकल कटिंग' यानी सीधी कटाई की जा रही है। नतीजा, हल्की सी बारिश होते ही पूरी की पूरी पहाड़ी नीचे आ जाती है। दूसरा, पहाड़ी क्षेत्रों में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का अनियंत्रित जाल बिछ रहा है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को मोड़कर बनाई जा रही सुरंगों और बांधों ने पहाड़ों को अंदर से खोखला कर दिया है। टनल बनाने के लिए की जाने वाली अनियंत्रित ब्लास्टिंग से टेक्टोनिक रूप से सक्रिय यह क्षेत्र और अधिक अस्थिर हो गया है। पहाड़ी टूरिस्ट डेस्टिनेशंस पर अनियंत्रित कंक्रीटीकरण और पर्यटन का दबाव है।

यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

शिमला, मनाली, नैनीताल और जोशीमठ जैसे शहरों में वहन क्षमता से कई गुणा अधिक बहुमंजिला होटल और इमारतें खड़ी हो गई हैं। पहाड़ों का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह ठप है जिससे बारिश का पानी जमीन के अंदर रिसकर पूरी जमीन को ही धंसा रहा है। मानव जाति की संवेदनहीनता केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन के कारण जो 'ग्लोबल वॉर्मिंग' हो रही है, उसका सीधा असर मानसून के पैटर्न पर पड़ा है। अब शॉर्ट-ड्यूरेशन इंटेंस रेनफॉल होने लगा है। गर्म हवाओं के कारण पहाड़ों के ऊपर अचानक घने बादलों का निर्माण होता है जिससे सीमित दायरे में प्रलयंकारी बारिश होती है जिसे क्लाउड बर्स्ट या बादल का फटना कहते हैं। उत्तर-पश्चिम भारत में जब भूमध्य सागर से आने वाली नम हवाएं यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस मानसूनी हवाओं से टकराती हैं तो पहाड़ों पर विनाशकारी स्थिति पैदा होती है। पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। नदियों के पास अपना रिवर बैड या 'बाढ़ क्षेत्र' होता है जहां वे फैलती हैं। लेकिन नदी तटों पर अवैध माइनिंग, होटल और बस्तियों का अंधाधुंध निर्माण हुआ है जिससे पानी अब सीधे शहरों में घुसता है। संसद की संसदीय समिति की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार हिमालयी राज्यों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले वहां के भू-वैज्ञानिक ढांचे और वहन क्षमता का कड़ाई से मूल्यांकन नहीं किया जाना आपदाओं का सबसे बड़ा कारण है। यदि हमें खूबसूरत पहाड़ों और वहां रहने वाले करोड़ों लोगों को बचाना है तो हमें अविलंब कठोर कदम उठाने होंगे। सख्त इको-सेंसिटिव ज़ोनिंग पहाड़ों की जरूरत है। आपदा संभावित क्षेत्रों में भारी निर्माण कार्य और बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध अनिवार्य है। सड़कों के निर्माण में ग्रीन इंजीनियरिंग और 'बायो-इंजीनियरिंग' तकनीकों का उपयोग जरूरी है। कंक्रीट की दीवारों के बजाय ऐसी वनस्पतियां लगाई जाएं जो मिट्टी को स्वाभाविक रूप से बांधें। पहाड़ों को 'मॉल' या कंक्रीट का जंगल बनाने की भूल हमें नहीं करनी चाहिए। विकास ऐसा होना चाहिए जो पहाड़ों की ऊंचाई को बनाए रखे न कि उन्हें मलबे के ढेर में तब्दील कर दे। प्रकृति कभी अन्याय नहीं करती, वह केवल संतुलन स्थापित करती है। हमने जंगल काटे, नदियों को बांधा और पहाड़ों को तोड़ा-अब प्रकृति अपना जवाब दे रही है। प्रकृति चेतावनी भी देती है और सबक भी सिखाती है। आज की सुविधा, कल की त्रासदी न बन जाए इसलिए प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही मानवता का भविष्य है। धरती का धैर्य असीम नहीं है; जब वह टूटता है, तब आपदाएं जन्म लेती हैं लिहाजा यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली अपनाएं

मंथन
विनीत पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार

हर वर्ष गर्मियों के आगमन के साथ देश के अधिकांश राज्यों में पेयजल संकट की खबरें सुर्खियां बन जाती हैं। कहीं टैंकरों के पीछे लंबी कतारें लगती हैं, कहीं महिलाएं कई किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर होती हैं, तो कहीं किसान सूखे खेतों को देखकर आसमान की ओर टकटकी लगाए रहते हैं। विडंबना यह है कि कुछ ही सप्ताह बाद मानसून आता है और वही देश बाढ़, जलभराव तथा नदियों के उफान से जूझने लगता है। एक ओर पानी की बूंद-बूंद के लिए संघर्ष और दूसरी ओर करोड़ों लीटर वर्षाजल का बिना उपयोग समुद्र में बह जाना, यही हमारे जल प्रबंधन की सबसे बड़ी विफलता है। भारत विश्व के उन देशों में है जहां वर्षा की मात्रा पर्याप्त है, लेकिन उसका वितरण असमान और प्रबंधन अत्यंत कमजोर है।

यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आज देश के अनेक शहरों का भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, जयपुर और हैदराबाद जैसे महानगरों में भूजल का अत्यधिक दोहन चिंता का विषय बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पारंपरिक कुएं और हैंडपंप सूखते जा रहे हैं। इसका प्रमुख कारण यह है कि जितनी तेजी से हम धरती से पानी निकाल रहे हैं, उतनी ही गंभीरता से उसे वापस धरती में पहुंचाने का प्रयास नहीं कर रहे। वर्षाजल संचयन इस असंतुलन को ठीक करने का सबसे प्रभावी और अपेक्षाकृत सस्ता उपाय है। दुर्भाग्य से भारत में जल संरक्षण की चर्चा अक्सर तब होती है जब संकट सिर पर आ जाता है। गर्मियों में पानी की कमी पर योजनाएं बनती हैं और मानसून आते ही पूरा ध्यान जल निकासी पर केंद्रित हो जाता है। शहरों में वर्षाजल को सहेजने के बजाय उसे जल्द से जल्द नालों के माध्यम से बाहर निकालने की व्यवस्था की जाती है। परिणाम यह होता है कि बरसात के कुछ दिनों बाद वही शहर फिर पानी की कमी से जूझने लगते हैं। यह स्थिति बताती है कि हमारी प्राथमिकताएं दीर्घकालिक समाधान के बजाय तात्कालिक राहत तक सीमित हैं। भारत की पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली इस मामले में आज भी प्रेरणा देती है। राजस्थान के जोहड़, गुजरात की बावड़ियां, महाराष्ट्र के बंधारे, दक्षिण भारत के तालाब और उत्तर भारत के पोखर केवल जल स्रोत नहीं थे, बल्कि समाज की सामूहिक जल संस्कृति का हिस्सा थे। इन संरचनाओं ने सदियों तक लोगों की प्यास बुझाई और भूजल स्तर को बनाए रखा। आधुनिक विकास की दौड़ में इन पारंपरिक प्रणालियों की उपेक्षा हुई और उनके स्थान पर केवल पाइपलाइन आधारित जल आपूर्ति व्यवस्था पर निर्भरता बढ़ती चली गई। अब समय आ गया है कि आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय किया जाए। नगर नियोजन, भवन निर्माण, औद्योगिक लाइसेंस और ग्राम विकास योजनाओं में वर्षाजल संचयन को अनिवार्य शर्त बनाना चाहिए। वर्षाजल संचयन को केवल सरकारी योजना मान लेना भी पर्याप्त नहीं होगा। यह सामाजिक भागीदारी का विषय है। प्रत्येक मकान, विद्यालय, सरकारी कार्यालय, उद्योग और बहुमंजिला इमारत में वर्षाजल संचयन प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू किया जाना चाहिए। छतों पर गिरने वाले पानी को पाइपों के माध्यम से भूमिगत टैंकों या रिचार्ज पिट तक पहुंचाया जा सकता है। इससे न केवल पेयजल की उपलब्धता बढ़ेगी बल्कि भूजल स्तर भी सुधरेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी छोटे-छोटे तालाब, चेक डैम, खेत-तालाब, मेड़बंदी और जलग्रहण क्षेत्र विकास जैसी योजनाओं को व्यापक स्तर पर लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों से वर्षाजल लंबे समय तक भूमि में ठहरता है, जिससे कृषि को लाभ मिलता है और सूखे की संभावना कम होती है। जल संरक्षण केवल संसाधन प्रबंधन का विषय नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीति भी है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि इस तेज वर्षा को संरक्षित नहीं किया गया तो एक ओर बाढ़ का खतरा बढ़ेगा।

भविष्य की जल नीति में वर्षाजल संचयन को केंद्रीय स्थान देना समय की मांग है। सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा। जल संकट का स्थायी समाधान नए स्रोत खोजने में नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले अमूल्य वर्षाजल को सम्मानपूर्वक संचित करने में है।

सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा। जल संकट का स्थायी समाधान नए स्रोत खोजने में नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले अमूल्य वर्षाजल को सम्मानपूर्वक संचित करने में है।

बाढ़ नियंत्रण में छोटे बांध भी सहायक

मानसून
चरण जीत चरण
स्वतंत्र पत्रकार

मानसून एक ऐसा शब्द है जिसका नाम जुबान पर आने या किताब में पढ़ने से ही मन में एक बड़ा खूबसूरत दृश्य बनता है। बारिश की बूंदें ठंडी हवा ,चारों तरफ हरियाली, खेतों की मेड़ों पर उगती दूब, पेड़ों पर फूटती कोपलें, उजाले की ओर दौड़ते कीट-पतंगे, रात के अंधेरे में सन्नाटे को चीरती कीटों की आवाज़ और इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण जेठ की तपती दोपहरी में चलती हुई लू के थपेड़ों से व्याकुल प्यासी धरती पर पड़ती पानी की बूंदों से उठती मिट्टी की सोंधी महक।

वर्षों से मानसून भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। भारत में बहुत से तीज-त्योहार, खानपान, रहन-सहन और जीवन से जुड़ी बहुत सारी गतिविधियां मानसून के अनुसार निर्धारित की गई हैं। मानसून अगर समय पर न आए या बारिश कम हो तो भारतीय जनजीवन इससे बहुत अधिक प्रभावित होने लगता है। मानसून के इस मौसम में अगर बारिश निर्धारित मात्रा से कम होती है तो जीवन-यापन का एक बड़ा संकट पैदा हो जाता है। यदि बारिश अधिक होती है तो और बड़ा संकट पैदा होता है। हालांकि भारत ने अपने स्तर पर सीमित संसाधनों के माध्यम से इस क्षेत्र में बहुत से उपाय किए हैं, लेकिन कई बार जब मानसून अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ता है तो पूर्व में किए गए सारे इंतज़ाम नाकाफ़ी लगने लगते हैं। फिर नए सिरे से एक नई बहस शुरू हो जाती है कि और क्या इंतज़ाम किए जाएं कि बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सके। अत्यधिक वर्षा के कारण पानी का प्रवाह बाढ़ के रूप में जब नदियों के तटों को तोड़ता हुआ खेतों, गांवों और शहरों में प्रवेश करता है तो यह सिर्फ धनहानि नहीं करता बल्कि कई बार इतनी बड़ी मात्रा में जनहानि होती है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। गांव के गांव इस बाढ़ में बह जाते हैं। नदियों के तटबंध टूटने के कारण सड़कें, रेल लाइनें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। यहां तक कि सामान्य यातायात भी थम जाता है। आज जब हम इंटरनेट के आधुनिक युग में जी रहे हैं तो बाढ़ से प्रभावित लोगों के जीवन से जुड़ी असामान्य तस्वीरें और वीडियो देखकर एक प्रश्न अनायास ही मन में उठता है कि आधुनिकता का ढोल पीटने वाली इस दुनिया में क्यों ऐसे इंतज़ाम नहीं हो सके कि बाढ़ से होने वाले नुकसान को न्यूनतम स्तर तक ले जाया जा सके। बांध बाढ़ की तीव्रता को कम करने में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे हर स्थिति में बाढ़ को पूरी तरह नहीं रोक सकते। आज़ादी के बाद भारत में कई बड़े बांध बनाए गए जिनका उद्देश्य पानी के प्रवाह को नियंत्रित करना और उससे बिजली का उत्पादन कर देश के विकास में उपयोग करना था। इसका लाभ यह हुआ कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हुआ, लेकिन इन बड़े बांधों के कुछ विपरीत प्रभाव भी हैं। अत्यधिक वर्षा के कारण जब ये बांध अपनी क्षमता को लांघने लगते हैं तो इनसे पानी की बड़ी मात्रा छोड़ दी जाती है और यही पानी कृत्रिम बाढ़ का काम करता है जो सामान्य बाढ़ से कई गुना अधिक घातक होता है। विशेषज्ञ अपने सुझाव देते हैं?

जब भी बाढ़ को रोकने के लिए बांध बनाने की बात होती है तो विपरीत प्रभाव भी सामने आने लगते हैं। जैसे कोई भी बांध बनाने के बाद कई किलोमीटर का हराभरा क्षेत्र पानी में डूब जाता है। उस क्षेत्र की वनस्पतियां, गांव, तालाब, झील सब इस बांध के पेट में समा जाते हैं।

इससे उस क्षेत्र में रहने वाले लोगों का जनजीवन असामान्य रूप से प्रभावित होता है। इसका मतलब ये नहीं है कि परिस्थितियों से निपटने के लिए कुछ न किया जाए। समाधान अपने पारंपरिक जल-संरक्षण के साधनों और स्रोतों की ओर लौटने में भी निहित है। हमारे पूर्वजों ने पानी को सही दिशा देने के उपाय बहुत पहले खोज लिए थे। एक समय पर गांव और शहरों में बड़े-बड़े तालाब और झीलें होती थीं जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर को ठीक करने काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। जिसके कारण न सिर्फ पानी अनियंत्रित हुआ बल्कि जलस्तर भी तेज़ी से नीचे गिरा है। ज़रूरत है उन तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तालाबों और झीलों तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की जरूरत है। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

मुख्यमंत्री बोले: पारदर्शिता आएगी और राजस्व में होगी बढ़ोतरी विज़न -2047, सीएम-अनाउंसमेंट तथा संकल्प-पत्र की घोषणाओं की भी समीक्षा की

सीएम ने एकमुश्त निपटान योजना में टैक्स छूट का लाभ उठाने का किया आह्वान

नायब सैनी ने संशोधित 'ट्रैक एंड ट्रेस' प्रणाली और 'ऑनलाइन आबकारी सेवाओं' का किया शुभारंभ

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को राज्य के आबकारी प्रशासन में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए संशोधित 'ट्रैक एंड ट्रेस' प्रणाली और ऑनलाइन आबकारी सेवाओं की शुरुआत की है। इन नई पहलों का मुख्य उद्देश्य प्रौद्योगिकी-संचालित शासन के माध्यम से पारदर्शिता को मजबूत करना, नियामक निरीक्षण में सुधार लाना, सरकारी राजस्व को सुरक्षित करना और व्यापार करने की सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आबकारी एवं कराधान विभाग के विज़न -2047 की भी समीक्षा की।

उन्होंने विभाग से संबंधित सीएम-अनाउंसमेंट तथा संकल्प-पत्र की घोषणाओं की भी प्रगति रिपोर्ट ली। मुख्यमंत्री ने शराब के लिए क्यूआर कोड-आधारित 'ट्रैक एंड ट्रेस' प्रणाली का एक उन्नत संस्करण पेश किया है। इस प्रणाली के तहत डिस्टिलरी और बॉटलिंग से लेकर थोक और खुदरा बिक्री तक, शराब की हर बोतल की विजिट पर पैनी नजर रखी जा सकेगी और उसकी विशिष्ट पहचान की जा सकेगी। यह व्यवस्था इन्वेंट्री की आवाजाही पर बेहतर नजर रखने, आबकारी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने और अवैध शराब के प्रसार पर रोक लगाकर निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देगी। इसके अलावा, आबकारी विभाग को इस प्रणाली से पूरी आपूर्ति श्रृंखला की रीयल-टाइम निगरानी करने, कर चोरी और तस्करी के खिलाफ प्रवर्तन को मजबूत करने, डेटा-आधारित निर्णय लेने और राज्य के राजस्व को सुरक्षित करने में बड़ी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई यह तकनीक-आधारित पहल पारदर्शी प्रशासन, प्रभावी विनियमन और आबकारी राजस्व में निरंतर वृद्धि के लिए डिजिटल गवर्नेंस का उपयोग करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आबकारी नियामक प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने 8 नई ऑनलाइन आबकारी सेवाएँ भी लॉन्च की हैं, जिससे अब विभिन्न लाइसेंसों और अनुमतियों के लिए ऑनलाइन और पेपरलेस सर्विस वितरण का दायरा बढ़ गया है। इन ऑनलाइन सेवाओं में एक महत्वपूर्ण जुड़ाव अस्थायी शराब परोसने के लाइसेंस (एल-12ए-सी) का अनुदान है। यह सर्विस सामाजिक और सार्वजनिक समारोहों जैसे कि कार्यक्रमों, संगीत कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और इसी तरह के अवसरों के लिए अस्थायी शराब परोसने के लाइसेंस को ऑनलाइन प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करती है।

'ऑनलाइन प्रणाली लाइसेंसिंग' होगी सरल

यह ऑनलाइन प्रणाली लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल बनाएगी, अनुपालन के बोझ को कम करेगी और आवेदकों के लिए व्यापार करने की सुगमता को बढ़ाएगी। इसके साथ ही, मैरिज पैलेस और बैंक्वेट हॉल के वार्षिक पंजीकरण, विकृत स्पिरिट आउटलेट लाइसेंस (एल-17), औद्योगिक और औषधीय स्पिरिट कब्जा परमिट (एल-42ए से एल-42डी) और खुदरा शराब की दुकानों के समय विस्तार की अनुमति के लिए भी ऑनलाइन सेवाएँ शुरू की गई हैं। इनमें से प्रत्येक सर्विस को पूरी तरह से डिजिटल और पेपरलेस वर्कफ्लो पर तैयार किया गया है, जिससे आवेदक ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं, उसकी प्रगति की निगरानी कर सकते हैं और 7 कार्य दिवसों की तय समय-सीमा के भीतर पोर्टल के माध्यम से मंजूरी प्राप्त कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

गाजियाबाद में धू-धूकर जली चलती स्कूल बस

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के शहर गाजियाबाद में शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। नंदग्राम तिराहे के पास गाजियाबाद के दिल्ली पब्लिक स्कूल की एक स्कूल बस आग की चपेट में आ गई। कुछ ही मिनटों में बस आग के गोले में बदल गई। गनीमत यह रही हादसे के वक्त बस में कोई स्टूडेंट नहीं था। इस दौरान ड्राइवर भी सुरक्षित निकल आया था।

मोदी डिस्टिलरी में स्प्रिट भंडारण इकाई में आग

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के मोदीनगर स्थित मोदी डिस्टिलरी में शनिवार दोपहर स्प्रिट भंडारण इकाई में भीषण आग लगने से फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं और स्प्रिट से जुड़े दो कंटेनरों के फटने की सूचना सामने आई। हादसे के समय फैक्ट्री में 1500 से 2000 कर्मचारी मौजूद थे। हताहत की खबर नहीं है।

अरवल में डंपर-ऑटो-रिक्शा भिड़े, 4 की मौत

पटना। बिहार के अरवल जिले में शनिवार को एक डंपर ट्रक और ऑटोरिक्शा की भिड़त में 4 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-139 पर फतेहपुर संडा के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विपरीत दिशा से आ रहे ऑटोरिक्शा की डंपर ट्रक से भिड़त हो गई। टक्कर में ऑटोरिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया।

ठगी करने वाले कॉल सेंटर से 5 गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के थाना फेस-1 पुलिस ने लोन दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक अवैध कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी की थी। मौके से 5 मोबाइल फोन, 3 लैपटॉप, 6 चेक बुक, 160 कॉलिंग डाटा शीट, बिलिंग बुक और इंटरनेट राउटर सहित अन्य सामान बरामद किया गया।

अब अनुब्रत मंडल ने छोड़ा 'दीदी' का साथ

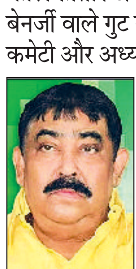

कोलकाता। टीएमसी के ऋतब्रत बेनर्जी वाले गुट ने अपनी जिला कमेटी और अध्यक्षों की लिस्ट जारी कर दी है। इस घोषणा में सबसे हैरान करने वाला नाम अनुब्रत मंडल का है। बीरभूम के बड़े नेता मंडल ने ममता बेनर्जी का साथ छोड़ दिया है। वे ऋतब्रत के खेमे में शामिल हो गए हैं। ऋतब्रत गुट ने उन्हें बीरभूम का जिला अध्यक्ष बनाया है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने पत्तन सुरक्षा ब्यूरो की तैयारियों की समीक्षा की

बंदरगाहों और फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सुरक्षा को 'अभेद्य' बनाएं, व्यापक डेटाबेस तैयार करें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने पत्तन सुरक्षा ब्यूरो के गठन में हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक में गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, सीमा प्रबंधन सचिव, पत्तन, पोत परिवहन एवं जहाजरानी सचिव, मत्स्यपालन विभाग के सचिव, सीआईएसएफ के महानिदेशक समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार देश की तटीय सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। शाह ने निर्देश दिया कि ब्यूरो में तैनात किए जाने वाले सभी सुरक्षाकर्मियों का एक व्यापक डेटाबेस तैयार किया जाए। सुरक्षाकर्मियों का प्रशिक्षण जल्द शुरू किया जाए। साथ कंटेनर स्कैनिंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, सीमा प्रबंधन सचिव, पत्तन, पोत परिवहन एवं जहाजरानी सचिव शामिल रहे

तटीय सुरक्षा पर किसी तरह की लापरवाही न हो

गृहमंत्री शाह और पोत परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री सोनोवाल ने की समीक्षा

प्रशिक्षित निजी सुरक्षाकर्मियों की हो तैनाती

शाह ने कहा कि बंदरगाहों की सुरक्षा का कार्य लाइसेंस प्राप्त निजी सुरक्षा एजेंसियों को दिया जाए। उन्हीं निजी सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाए, जिन्हें सीआईएसएफ से प्रशिक्षण मिला हो। सीआईएसएफ को विशाखापत्तनम, जवाहरलाल नेहरू और मुंद्रा पोर्ट ब्यूरो को सौंपी जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था का ट्रायल करने के निर्देश दिए।

वैधानिक निकाय के रूप में होगा ब्यूरो का गठन

सरकार ब्यूरो का गठन एक वैधानिक निकाय के रूप में कर रही है। इसका नेतृत्व महानिदेशक करेंगे और यह मंत्रालय के अधीन कार्य करेगा।

फिशिंग हार्बर्स और फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सुरक्षा पर जोर

शाह ने मत्स्यपालन विभाग के अधिकारियों के साथ अलग बैठक कर फिशिंग हार्बर्स और फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसरो द्वारा विकसित 'नभमित्र' ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक नाविक इसे अपने मोबाइल में डाउनलोड कर सकें। उन्होंने सभी जिलों के डीएम और एसपी से फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सूची उपलब्ध कराने तथा मत्स्यपालकों के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने के भी निर्देश दिए।

फिश लैन्डिंग सेंटर्स पर स्थायी पुलिस बल की तैनाती हो

शाह ने जिला पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि सभी फिश लैन्डिंग सेंटर्स पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों पर स्थायी पुलिसकर्मियों की नियुक्ति हो, ताकि तटीय सुरक्षा तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण पुस्तकालय का लोकार्पण किया

देश का भविष्य पुस्तकालयों में जुटने वाली भीड़ पर निर्भर, विवेक जगेगा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय का लोकार्पण किया। शाह ने कहा कि किसी देश का भविष्य कृषि, बाज़ार या उद्योग से नहीं, बल्कि उसके पुस्तकालयों में जुटने वाली युवाओं की भीड़ से तय होता है। राष्ट्र को आगे बढ़ाने वाली, राष्ट्र-निर्माण और राष्ट्र को वैभव दिलाने वाली सारी गतिविधियों का मूल ज्ञान एवं विवेक में होता है। यह ज्ञान सिर्फ एक पुस्तकालय ही दे सकता है। शाह ने युवा पीढ़ी से अपील की कि वे एक बार पुस्तकालय से अवश्य जुड़ें। पढ़ने की आदत बनते ही अच्छे-बुरे का विवेक स्वयं जाग जाएगा। अपना अनुभव साझा किया।

यह ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र बनेगा

शाह ने कहा कि यह पुस्तकालय युवाओं के ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र बनेगा। उन्होंने दिल्ली सरकार से आग्रह किया कि वह दिल्ली के सभी पुस्तकालयों को आपस में लिंक करें और स्कूलों को इनसे जोड़ने के लिए एक ठोस योजना बनाएं। एक कार्ययोजना बनाकर पुस्तक प्रेमियों को पुस्तकालयों से जोड़ने का प्रयास होना चाहिए।

कहा-स्कूलों का जर्जर ढांचा, शिक्षकों के हजारों खाली पद भाजपा सरकार की विफलता

केंद्र की रिपोर्ट ने खोली हरियाणा में शिक्षा व्यवस्था की पोल, सरकार बताए जिम्मेदार कौन : सैलजा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सिरसा से सांसद, कुमारी सैलजा ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की यूडीआईएसई+ रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि स्वयं केंद्र सरकार के आंकड़े यह स्वीकार कर रहे हैं कि हरियाणा में शिक्षा व्यवस्था का ढांचा लगातार कमजोर हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर नई-नई घोषणाएं कर रही है, जबकि दूसरी ओर सरकारी स्कूलों की वास्तविक स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि यदि केंद्र सरकार की रिपोर्ट में सरकारी स्कूलों के जर्जर भवनों, आधारभूत सुविधाओं की कमी तथा शिक्षा व्यवस्था की चुनौतियों का उल्लेख किया गया है, तो हरियाणा सरकार को यह बताना चाहिए कि पिछले लगभग 12 वर्षों में शिक्षा सुधार के दावे आखिर जमीन पर क्यों नहीं उतर पाए। क्या केवल घोषणाओं और विज्ञापनों से शिक्षा व्यवस्था मजबूत हो जाएगी? सांसद ने कहा कि प्रदेश में हजारों शिक्षकों के पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं। अनेक विद्यालयों में विषय विशेषज्ञ शिक्षक नहीं हैं और भर्ती प्रक्रियाएं वर्षों तक लंबित रहती हैं। सरकार न तो सरकारी स्कूलों का ढांचा सुधार पा रही है और न ही समय पर शिक्षकों की नियमित भर्ती कर रही है। इसका सीधा असर विद्यार्थियों की शिक्षा और उनके भविष्य पर पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि जब सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वातावरण प्रभावित होगा तो उसका असर रोजगार पर भी दिखाई देगा। आज हरियाणा का पढ़ा-लिखा युवा बेरोजगारी का सामना कर रहा है। सरकारी भर्तियों में बड़ी संख्या में हरियाणा के युवाओं को अयोग्य बताया जा रहा है। उन्होंने प्रश्न उठाया कि क्या हरियाणा का युवा दोषी है, या फिर पिछले लगभग 12 वर्षों से शिक्षा और भर्ती व्यवस्था को कमजोर करने वाली भाजपा सरकार इसकी जिम्मेदार है? कुमारी सैलजा ने कहा कि यदि सरकारी भर्तियों में 35 प्रतिशत जैसे न्यूनतम मापदंड पर भी बड़ी संख्या में युवा सफल नहीं हो पा रहे हैं तो सरकार को यह आत्ममंथन करना चाहिए कि इसके पीछे शिक्षा व्यवस्था की कमजोरियां, शिक्षकों की कमी और सरकार की नीतियां कितनी जिम्मेदार हैं। युवाओं को दोष देने से पहले सरकार को अपनी विफलताओं का जवाब देना चाहिए।

कुमारी सैलजा ने मांग की कि जर्जर सरकारी स्कूल भवनों के पुनर्निर्माण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, सभी रिक्त शिक्षक पदों पर शीघ्र नियमित भर्ती की जाए, विद्यालयों में आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं तथा भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाए। कुमारी सैलजा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने शिक्षा और रोजगार के इन गंभीर मुद्दों पर तत्काल प्रभावी कदम नहीं उठाए तो प्रदेश की एक पूरी पीढ़ी प्रभावित होगी। सरकार अभी भी चेत जाए, क्योंकि यदि अब भी सुधार नहीं किया गया तो बहुत देर हो जाएगी।

अपनी मांग को दोहराते हुए एक स्पष्ट समय-सीमा की मांग की

हमारे सब्र को कमजोरी न समझे केंद्र, जम्मू कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल होः उमर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करने में केंद्र की देरी पर पर नाखुशी जताई है। जम्मू-कश्मीर (लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश को छोड़कर) का राज्य का दर्जा बहाल करने की अपनी मांग को दोहराते हुए, उमर ने शनिवार को केंद्र से कहा कि वे उनके सब्र को कमजोरी न समझें। उन्होंने इसके लिए एक स्पष्ट समय-सीमा की मांग की।

उमर ने अपनी दादी अकबर जहान की 26वीं पुण्यतिथि के मौके पर हज़रतबल में अपने दादा-दादी के मज़ार पर पार्टी सम्मेलन में पूछा कि अगर केंद्र लद्दाख के लोगों से राज्य का दर्जा देने जैसी मांगों पर बात करने को तैयार है, तो जम्मू-कश्मीर के लोगों से क्यों नहीं? केंद्र सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर (जिसमें तब लद्दाख का इलाका भी शामिल था) का विशेष दर्जा खत्म करने का फ़ैसला किया था, जिसके तहत उसका राज्य का दर्जा भी हटा दिया गया। हालांकि संसद ने अगस्त 2019 में राज्य के पुनर्गठन को मंज़ूरी दे दी थी, लेकिन यह बदलाव अक्टूबर में कानूनी रूप से लागू हुआ, जब उस राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू-कश्मीर और लद्दाख -में बांट दिया गया। डेढ़ साल से ज़्यादा समय तक सत्ता में रहने के बाद भी नेशनल कॉन्फ्रेंस दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने के बारे में क्यों सोच रही है। उमर ने केंद्र पर आरोप लगाया कि वह उपराज्यपाल के ज़रिए जम्मू-कश्मीर के कामकाज को कंट्रोल कर रही है।

पांडे द्वारा लगातार अपना एक हाथ जेब में डालने को लेकर सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियां बनी वजह

दोनों के बीच ताज़ातरीन मुलाकात की सोशल मीडिया पर जमकर चर्चा

मीडिया की सुर्खियों की छाई आईएफएस सत्यांजल की सेनाप्रमुख से हुई मुलाकात

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान में भारत के नए कार्यवाहक उच्चायुक्त (चार्ज डी अफेयर्स) डॉ. सत्यांजल पांडे की राजधानी दिल्ली में सेनाप्रमुख जनरल धीरज सेठ से हुई एक ताज़ातरीन मुलाकात की सोशल मीडिया पर जमकर चर्चा हो रही है।

जिसका कारण यह है कि इस दौरान उन्होंने अपना बायां हाथ लगातार अपनी पेंट की जेब में डाले रखा। सेना के सार्वजनिक सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) ने जैसे ही इस मुलाकात की कुछ तस्वीरों के साथ एक पोस्ट एक्स पर साझा की

तो उसके साथ ही तमाम तरह की प्रतिक्रियाएं आने लगीं।

लेकिन बाद में जब यह मामला पूरी तरह से साफ हुआ तो उसमें पता चला कि डॉ. पांडे ने किसी अहंकार-वश ऐसा नहीं किया था। बल्कि उनका बायां हाथ विकृत है जो कि विकलांगता की श्रेणी में आता है।

जून महीने में हुई थी नियुक्ति

गौरतलब है कि डॉ. पांडे वर्ष 2008 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के अधिकारी हैं। जून के दूसरे सप्ताह में विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया था कि उनकी पाकिस्तान में भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त के रूप में नियुक्ति की गई है। जिसके पूर्व में वह श्रीलंका में देश के उप-उच्चायुक्त की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। पाकिस्तान में उन्हें गीतिका श्रीवास्तव की जगह पर यह नई जिम्मेदारी सौंपी गई।

2019 से जारी मौजूदा व्यवस्था

भारत ने वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर में धारा-370 को खत्म कर सूबे का विशेष दर्जा समाप्त कर दिया था। जिसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच राजनयिक संबंध भी ठंडे बस्ते में चले गए थे। तब से लेकर आज तक दोनों देशों के उच्चायोगों का कामकाज कार्यवाहक उच्चायुक्त ही संभाल रहे हैं।

कहा, अब तक लोग भाजपा के डर से भागते थे, लेकिन ये पहली बार है भाजपा का उम्मीदवार भाग गया

जनबल के आगे कोई बल नहीं, बांकीपुर में इस बार भाजपा की हार तयः प्रशांत किशोर

भाजपा प्रत्याशी सिन्हा के नाम वापस लेने को 'जन बल' की जीत बताया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

जन सुराज पार्टी ने शनिवार को कहा कि भाजपा बांकीपुर विधानसभा चुनाव में लड़ने से पहले ही हार मान चुकी है। प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी अभिषेक कुमार सिन्हा के नाम वापस लेने को 'जन बल' की जीत बताया, दावा किया कि अब तक भाजपा के डर से लोग भागते थे, पर पहली बार भाजपा उम्मीदवार मैदान छोड़ भागा। जन सुराज पार्टी ने दावा किया कि बिहार में बांकीपुर

विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा द्वारा अपना उम्मीदवार बदले जाने के पीछे जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर का चुनाव लड़ना है। उधर, प्रशांत किशोर ने भाजपा उम्मीदवार के नाम वापस लेने पर दिया बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जन बल के आगे कोई बल नहीं है, अबतक लोग भाजपा के डर से भागते थे लेकिन ये पहली बार इंसाफ हुआ है कि भाजपा का उम्मीदवार भाग गया।

यह प्रतिक्रिया तब आई जब भाजपा के मूल उम्मीदवार अभिषेक कुमार सिन्हा ने नामांकन पत्र दाखिल करने के एक दिन बाद ही पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए अपना नामांकन वापस ले लिया। पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिन्हा ने कहा कि बीजेपी ने मुझे बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए एनडीए का उम्मीदवार बनाया था। मैं केंद्रीय और राज्य नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं। हालांकि, पारिवारिक कारणों से मैं उपचुनाव नहीं लड़ पाऊंगा।

जनसुराज के संस्थापक और पार्टी प्रत्याशी प्रशांत किशोर ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए इसे जनता के दबाव और भाजपा की घबराहट का नतीजा बताया। उन्होंने दावा किया कि बांकीपुर में इस बार जनता ने भाजपा को हराने का मन बना लिया है। प्रशांत किशोर ने कहा कि उन्होंने पहले ही कहा था कि जनबल के आगे कोई बल नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक भाजपा दूसरी पार्टियों के उम्मीदवारों पर केंद्रीय एजेंसियों का दबाव बनाकर, खरीद-फरोख्त या अन्य तरीकों से उम्मीदवार बदलवाने का काम करती रही है, लेकिन इस बार हालात ऐसे बने कि भाजपा का अपना ही उम्मीदवार मैदान छोड़ गया।

उन्होंने कहा कि भाजपा बांकीपुर को अपना सबसे मजबूत गढ़ बताती रही, लेकिन अब पार्टी को उम्मीदवार तक नहीं मिल रहा है। उनके अनुसार, पहले घोषित प्रत्याशी के हटने के बाद भाजपा को नया उम्मीदवार उतारना पड़ा, जो यह दर्शाता है कि पार्टी दबाव में है। प्रशांत किशोर ने दावा किया कि तीन अगस्त को होने वाले मतदान में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ेगा। भाजपा के उनके नाम से डरने के सवाल पर प्रशांत किशोर ने कहा कि भाजपा हमसे क्यों डरेगी? हम तो मुखिया भी नहीं हैं। इनके तो प्रधानमंत्री भी हैं, गृहमंत्री भी हैं, मुख्यमंत्री भी हैं, 80 फीसद भारत पर इन लोगों का राज है। हमारी तो क्या बिसात है। लेकिन, यहां की जनता से डर गए, इस घबराहट से डरे हैं कि जिस बाकीपुर को अपना किला बता रहे थे, अहंकार में भाजपा के लोग कह रहे थे कि कुत्ता-बिल्ली को भी खड़ा करेंगे तो बाकीपुर की जनता हमें ही वोट देगी, आज वहां पर उम्मीदवार नहीं मिल रहा है, उम्मीदवार बदला जा रहा है। अब खड़ा कीजिए जिसको खड़ा करना है, जनता ने इसको इस बार अपने आन-शान पर ले लिया है। अब पता चलेगा कि आप किसी को खड़ा कीजिए, जनता इस बार वोट आपको नहीं देगी। भाजपा बांकीपुर की जनता से डर गई है।

■ निवेशकों के साथ उद्योग की भी पहली पसंद बन रही चांदी

चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका रहा, बनाए रखें नजर

निवेशकों को सोने में 2 से 3 प्रतिशत तो चांदी में 5 से 8 प्रतिशत का लाभ

सोना, रुपया, क्रिप्टो व कॉपर तय कर रहे हैं चांदी की चाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर भी कहा जाता है। जब उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो कॉपर की मांग बढ़ जाती है। चूंकि चांदी का उपयोग भी इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, बैटरी, मेडिकल उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और कई आधुनिक तकनीकों में होता है, इसलिए कॉपर की तेजी कई बार चांदी की मांग बढ़ने का संकेत भी देती है। यही वजह है कि निवेशक कॉपर की कीमतों पर भी नजर रखते हैं।

चांदी को अक्सर सोने का विकल्प माना जाता है, लेकिन इसकी कीमत तय होने का तरीका सोने से कहीं अधिक जटिल है। यही कारण है कि कई बार जब सोना मामूली बढ़ता या घटता है, तब चांदी में कहीं अधिक तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। इसके पीछे सिर्फ मांग और आपूर्ति नहीं, बल्कि सोने की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति, बिटकॉइन जैसे डिजिटल निवेश, कॉपर की चाल और वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम भी जिम्मेदार होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी एक ऐसी धातु है, जिसका इस्तेमाल निवेश के साथ-साथ उद्योगों में भी बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए इसकी कीमत पर कई तरह के कारकों का एक साथ असर पड़ता है। यही वजह है कि चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका देता है।

सोना बढ़े तो चांदी क्यों दौड़ने लगती है?

सोना और चांदी दोनों को सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता है। जब दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई, युद्ध या वित्तीय संकट जैसे हालात बनते हैं, तब निवेशक सोने और चांदी में निवेश बढ़ा देते हैं। ऐसे समय में दोनों धातुओं की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है। हालांकि, चांदी का बाजार सोने की तुलना में छोटा है। यही कारण है कि निवेश का थोड़ा-सा अतिरिक्त प्रवाह भी इसकी कीमतों में बड़ा बदलाव ला सकता है। कई बार सोने में 2 से 3 प्रतिशत की तेजी के मुकाबले चांदी 5 से 8 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इसी वजह से चांदी को अधिक उतार-चढ़ाव वाली कीमती धातु माना जाता है।

रुपये की मजबूती और कमजोरी का सीधा असर

भारत अपनी जरूरत का अधिकांश चांदी विदेशों से आयात करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के साथ-साथ डॉलर और रुपये की विनिमय दर भी घरेलू बाजार में अहम भूमिका निभाती है। यदि डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता है तो आयात महंगा हो जाता है। इससे भारतीय बाजार में चांदी की कीमत बढ़ जाती है, भले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत स्थिर हो। वहीं, रुपया मजबूत होने पर आयात लागत कम हो सकती है और कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है। यही कारण है कि विदेशी मुद्रा बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर चांदी के कारोबारी और निवेशक लगातार नजर बनाए रखते हैं।

बिटकॉइन का बढ़ता प्रभाव

डिजिटल युग में बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी निवेश की दुनिया का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि कई निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोना, चांदी और बिटकॉइन को वैकल्पिक निवेश के रूप में रखते हैं। जब क्रिप्टो बाजार में तेजी आती है तो कुछ निवेशक कीमती धातुओं से पैसा निकालकर बिटकॉइन में लगाते हैं। इसके विपरीत, जब बिटकॉइन में तेज गिरावट आती है या जोखिम बढ़ता है, तब निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर फिर से सोना और चांदी की ओर लौटते हैं। यही बदलाव चांदी की कीमतों में भी दिखाई देता है। कॉपर यानी तांबा दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक धातुओं में शामिल है।

ग्रीन एनर्जी ने बढ़ाई उम्मीदें

दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। सोलर पैनलों के निर्माण में चांदी का महत्वपूर्ण उपयोग होता है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और नई ऊर्जा तकनीकों में भी इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में यदि ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं का विस्तार इसी गति से जारी रहा तो चांदी की औद्योगिक मांग और मजबूत होगी। इससे इसकी कीमतों को दीर्घकाल में समर्थन मिल सकता है।

वैश्विक घटनाओं से भी बदलती है दिशा

चांदी की कीमत केवल घरेलू कारणों से तय नहीं होती। अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दरें, डॉलर इंडेक्स, महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमतें और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक तनाव भी इसकी चाल बदल सकते हैं।

यदि ब्याज दरें घटने की संभावना बनती है तो निवेशक कीमती धातुओं की ओर आकर्षित होते हैं। वहीं, डॉलर मजबूत होने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी पर दबाव आ सकता है। इसी तरह युद्ध, व्यापारिक विवाद या वैश्विक आर्थिक मंदी जैसी घटनाएं भी निवेशकों की रणनीति बदल देती हैं।

निवेशकों के लिए सीख?

विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी में निवेश केवल कीमत देखकर नहीं करना चाहिए। निवेश से पहले यह समझना जरूरी है कि बाजार में तेजी या गिरावट की वजह क्या है। यदि तेजी केवल किसी अस्थायी घटना के कारण है तो निवेश में सावधानी बरतनी चाहिए।

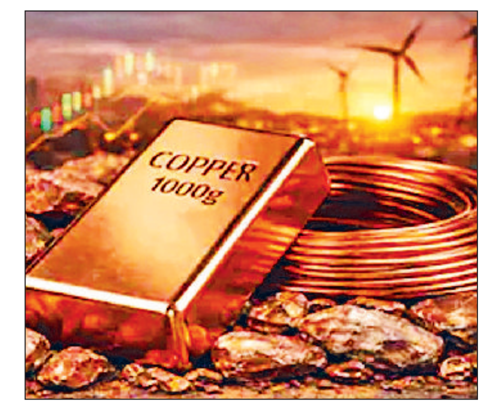

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चरणबद्ध निवेश (एसआईपी या नियमित अंतराल पर खरीद) अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव का असर कम हो सकता है। चांदी की कीमतों में बार-बार होने वाले बदलाव के पीछे केवल एक कारण नहीं होता। सोने की चाल, रुपये की स्थिति, बिटकॉइन में निवेशकों का रुझान, कॉपर की मांग, औद्योगिक उपयोग और वैश्विक आर्थिक घटनाएं मिलकर इसकी दिशा तय करती हैं। यही वजह है कि चांदी कभी तेज रफ्तार से चमकती है तो कभी अचानक फिसल जाती है। आने वाले समय में ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिक तकनीक में बढ़ते उपयोग के कारण चांदी की मांग मजबूत रहने की संभावना है। हालांकि, निवेशकों को इसकी अस्थिर प्रकृति को समझते हुए सोच-समझकर और संतुलित रणनीति के साथ निवेश करना चाहिए।

रेस्टोरेंट या क्लाउड किचन, किस बिजनेस में है ज्यादा मुनाफा?

बिजनेस डेस्क

भारत का फूड बिजनेस तेजी से बदल रहा है। कुछ साल पहले तक रेस्टोरेंट खोलना ही इस क्षेत्र में सफलता का सबसे बड़ा रास्ता माना जाता था, लेकिन ऑनलाइन फूड डिलीवरी के बढ़ते चलन ने तस्वीर बदल दी है। अब कम लागत में शुरू होने वाले क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यही वजह है कि नए उद्यमियों के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि रेस्टोरेंट खोलें, क्लाउड किचन शुरू करें या दोनों का मिश्रित यानी हाइब्रिड मॉडल अपनाएं। विशेषज्ञों का मानना है कि सही बिजनेस मॉडल का चुनाव केवल लागत के आधार पर नहीं, बल्कि लक्ष्य, बजट, ग्राहकों की पसंद और स्थानीय बाजार की मांग को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

क्या है क्लाउड किचन मॉडल?

क्लाउड किचन ऐसा किचन होता है, जहां केवल खाना तैयार किया जाता है और उसकी बिक्री ऑनलाइन ऑर्डर के माध्यम से होती है। इसमें ग्राहकों के बैठने, सजावट, सर्विस स्टाफ या बड़े शोरूम की जरूरत नहीं होती। ऑर्डर सीधे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म या खुद के ऐप और वेबसाइट के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाए जाते हैं। कम जगह और सीमित कर्मचारियों के कारण इसकी शुरुआती लागत पारंपरिक रेस्टोरेंट की तुलना में काफी कम होती है। यही वजह है कि छोटे निवेश वाले उद्यमी इसे तेजी से अपना रहे हैं।

रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी ताकत क्या

रेस्टोरेंट केवल खाना बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक अनुभव भी देता है। परिवार के साथ डिनर, दोस्तों की पार्टी, जन्मदिन का आयोजन या बिजनेस मीटिंग जैसी जरूरतों के लिए लोग आज भी रेस्टोरेंट का रुख करते हैं। यहीं पर ब्रांड की पहचान भी मजबूत होती है। अच्छा माहौल, बेहतर सेवा और स्वाद ग्राहकों को दोबारा आने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके अलावा पेय पदार्थ, डेजर्ट और अन्य अतिरिक्त उत्पादों की बिक्री से भी रेस्टोरेंट की आय बढ़ती है।

कम लागत से बढ़त बनाते हैं क्लाउड किचन

क्लाउड किचन का सबसे बड़ा फायदा इसकी कम परिचालन लागत है। महंगे इंटीरियर, बड़े हॉल, अतिरिक्त कर्मचारियों और प्रमुख बाजार में दुकान लेने की जरूरत नहीं होती। इससे किराया, बिजली और रखरखाव का खर्च काफी कम हो जाता है। कम खर्च के कारण यदि बिक्री अच्छी हो तो मुनाफे की संभावना भी बढ़ जाती है। यही वजह है कि कई नए फूड ब्रांड पहले क्लाउड किचन से शुरुआत करते हैं और बाद में रेस्टोरेंट की ओर बढ़ते हैं।

ऑनलाइन डिलीवरी ने खोले नए अवसर

भारत में स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के साथ ऑनलाइन खाना मंगाने का चलन भी तेजी से बढ़ा है। बड़े शहरों के साथ अब छोटे शहरों में भी लोग मोबाइल ऐप के जरिए खाना ऑर्डर कर रहे हैं। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा क्लाउड किचन को मिला है। बिना अलग-अलग इलाकों में महंगे रेस्टोरेंट खोले भी एक ब्रांड कई क्षेत्रों में ग्राहकों तक पहुंच सकता है। इससे विस्तार आसान और अपेक्षाकृत कम खर्चीला हो जाता है।

हाइब्रिड मॉडल क्यों बन रहा है पसंद

फूड इंडस्ट्री में अब कई बड़े ब्रांड हाइब्रिड मॉडल अपना रहे हैं। इसमें एक या दो प्रमुख स्थानों पर रेस्टोरेंट चलाया जाता है, जबकि शहर के अन्य हिस्सों में क्लाउड किचन के जरिए ऑनलाइन ऑर्डर पूरे किए जाते हैं। इस मॉडल से एक तरफ ग्राहकों के बीच ब्रांड की पहचान मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर कम लागत में अधिक क्षेत्रों तक पहुंच बनाना संभव हो जाता है। यही कारण है कि कई विशेषज्ञ इसे भविष्य का संतुलित बिजनेस मॉडल मानते हैं। किसी भी फूड बिजनेस की सफलता केवल मॉडल पर निर्भर नहीं करती। सबसे पहले स्थानीय बाजार की मांग, प्रतिस्पर्धा, ग्राहकों की पसंद और निवेश क्षमता का आकलन करना जरूरी है।

मुश्किल वक्त की ढाल है सोना, ऐसे कर सकते हैं पैसों का इंतजाम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि गोल्ड लोन केवल जरूरत पड़ने पर ही लेना चाहिए। रोजमर्रा के खर्च, गैर-जरूरी खरीदारी या विलासिता की वस्तुओं के लिए आभूषण गिरवी रखना उचित नहीं माना जाता। यह विकल्प उन परिस्थितियों के लिए बेहतर है, जहां अचानक धन की जरूरत हो और उसके बदले कोई सस्ता व तेज विकल्प उपलब्ध न हो।

भारतीय परिवारों में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि बचत और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। शादी-ब्याह, त्योहार और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लोग वर्षों तक सोना खरीदते हैं। लेकिन जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है तो कई परिवारों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या अपनी जमा-पूंजी बेच दी जाए या कोई दूसरा रास्ता अपनाया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में सोना बेचने के बजाय उसके बदले गोल्ड लोन लेना अधिक समझदारी भरा विकल्प हो सकता है। गोल्ड लोन की खास बात यह है कि इसमें आपको अपने आभूषण बेचने की जरूरत नहीं पड़ती। बैंक या वित्तीय संस्थान सोने को गिरवी रखकर उसकी कीमत के आधार पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण सुरक्षित वापस मिल जाते हैं। इस कारण यह विकल्प उन परिवारों के लिए उपयोगी माना जाता है, जिन्हें कम समय के लिए धन की आवश्यकता होती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। किसी परिवार में बीमारी, बच्चों की पढ़ाई, शादी, कारोबार के लिए कार्यशील पूंजी, खेती-किसानी या अन्य आपात स्थिति में तत्काल नकदी की जरूरत महसूस हो सकती है। ऐसे समय में यदि पर्याप्त बचत उपलब्ध न हो, तो लोग अक्सर सोना बेचने का निर्णय लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि जरूरत अस्थायी है और कुछ महीनों में पैसा लौटाने की क्षमता है, तो सोना बेचने के बजाय गोल्ड लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे परिवार की वर्षों की बचत भी सुरक्षित रहती है और जरूरत का पैसा भी मिल जाता है। गोल्ड लोन की राशि आपके पास मौजूद सोने की शुद्धता और बाजार मूल्य के आधार पर तय की जाती है। आमतौर पर अधिक शुद्ध सोने पर अधिक ऋण मिलने की संभावना रहती है। हालांकि, वित्तीय संस्थान नियामकीय नियमों के अनुसार सोने के मूल्य का एक निश्चित हिस्सा ही ऋण के रूप में देते हैं। लोन स्वीकृत होने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत तेज होती है। जरूरी दस्तावेज पूरे होने पर कई मामलों में उसी दिन या कुछ घंटों के भीतर राशि खाते में जमा हो सकती है।

सोना बेचने और गिरवी रखने में क्या अंतर है

सोना बेचने पर वह हमेशा के लिए आपके हाथ से निकल जाता है। यदि भविष्य में उसकी कीमत बढ़ती है तो उसका लाभ भी आपको नहीं मिल पाता। दूसरी ओर, गोल्ड लोन में आभूषण आपकी संपत्ति बने रहते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण वापस मिल जाते हैं। यही वजह है कि वित्तीय सलाहकार गोल्ड लोन को अल्पकालिक जरूरतों के लिए उपयोगी मानते हैं, जबकि स्थायी वित्तीय संकट में अन्य विकल्पों पर भी विचार करने की सलाह देते हैं।

लोन लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

गोल्ड लोन लेने से पहले ब्याज दर, प्रोसेसिंग शुल्क, भुगतान की अवधि और समय पर किस्त चुकाने की क्षमता का आकलन जरूर करें। अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थान अलग शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। इसलिए एक से अधिक संस्थानों की शर्तों की तुलना करना लाभदायक हो सकता है। यह भी समझना जरूरी है कि समय पर लोन का भुगतान नहीं होने पर अतिरिक्त ब्याज या अन्य शुल्क लग सकते हैं। लंबे समय तक भुगतान न होने की स्थिति में गिरवी रखा सोना नीलामी की प्रक्रिया तक पहुंच सकता है।

डिजिटल सुविधाओं से हुई प्रक्रिया आसान

पिछले कुछ वर्षों में गोल्ड लोन की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हुई है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और लोन से जुड़ी जानकारी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध करा रहे हैं। इससे ग्राहकों का समय बचता है और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनती है।

क्या करें

- आपातकालीन जरूरत होने पर ही गोल्ड लोन लेने का फैसला करें।
- लोन लेने से पहले अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दर और अन्य शुल्क की तुलना करें।
- केवल उतनी ही राशि का लोन लें, जितनी वास्तव में जरूरी हो।
- लोन की अवधि और किस्तों का भुगतान समय पर करें, ताकि अतिरिक्त ब्याज या जुर्माने से बचा जा सके।
- गिरवी रखने से पहले सोने के आभूषणों का वजन और शुद्धता की जानकारी अपने पास सुरक्षित रखें।
- लोन से जुड़े सभी दस्तावेज और रसीदें संभालकर रखें।

क्या न करें

- गैर-जरूरी खर्च, लग्जरी सामान या छुट्टियां मनाने के लिए गोल्ड लोन न लें।
- केवल जल्दी पैसा मिलने के लालच में बिना शर्तें पढ़े किसी भी संस्था से लोन न लें।
- किस्तों का भुगतान टालने की गलती न करें, इससे ब्याज बढ़ सकता है और सोने की नीलामी का जोखिम भी पैदा हो सकता है।
- जरूरत से ज्यादा लोन लेकर भविष्य पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न बढ़ाएं।
- किसी अनधिकृत या अविश्वसनीय संस्था के पास अपने आभूषण गिरवी न रखें।
- लोन की शर्तों, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को नजरअंदाज न करें।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए बाजार का ठहराव भी बन सकता है सुनहरा अवसर

शेयर बाजार में गिरावट का इंतजार नहीं करें, जारी रखें अपना निवेश

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करने वाले ज्यादातर लोग एक ही सवाल पूछते हैं क्या अभी निवेश करें या बड़ी गिरावट का इंतजार करें? यह दुविधा नए निवेशकों में सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। कई लोग मानते हैं कि बाजार में तेज गिरावट आने के बाद निवेश करना ही सबसे अच्छा फैसला होता है। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि केवल क्रैश का इंतजार करना कई बार महंगा साबित हो सकता है। यदि किसी निवेशक का लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है, तो अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश शुरू करना अधिक व्यावहारिक रणनीति हो सकती है। शेयर बाजार का सबसे कठिन काम यह तय करना है कि बाजार कब सबसे नीचे पहुंचेगा और कब सबसे ऊपर होगा। वास्तविकता यह है कि कोई भी निवेशक या विशेषज्ञ लगातार यह सटीक अनुमान नहीं लगा सकता। कई बार बाजार बिना किसी बड़ी गिरावट के ही नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है। ऐसे में जो निवेशक केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करते रहते हैं, वे अच्छे अवसर गंवा देते हैं।

ठहरा हुआ बाजार देता है सोचने का मौका

जब बाजार लगातार तेजी में होता है तो निवेशक अक्सर जल्दबाजी में फैसले लेते हैं। इसके विपरीत, जब बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता है या कुछ समय तक ठहरा रहता है, तब निवेशकों के पास कंपनियों का मूल्यांकन करने का समय मिलता है। यही वह दौर होता है, जब किसी कंपनी के कारोबार, मुनाफे, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का शांत दिमाग से विश्लेषण किया जा सकता है। ऐसे समय में चुने गए मजबूत शेयर लंबी अवधि में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

चरणबद्ध निवेश बेहतर

विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार की दिशा का अनुमान लगाने के बजाय नियमित अंतराल पर निवेश करना ज्यादा प्रभावी रणनीति है। यदि निवेशक हर महीने या तय समय पर अच्छी कंपनियों में निवेश करता है, तो बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत प्रभाव कम हो जाता है। यही कारण है कि म्यूचुअल फंड में एसआईपी और शेयरों में नियमित निवेश की रणनीति को लंबे समय के लिए उपयोगी माना जाता है। इससे निवेशक को बाजार के हर स्तर पर खरीदारी का अवसर मिलता है। हर गिरावट निवेश का अवसर नहीं होती। निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि कंपनी का कारोबार मजबूत है या नहीं। केवल सस्ती कीमत देखकर शेयर खरीदना सही रणनीति नहीं मानी जाती।

भावनाओं से नहीं, योजना से करें निवेश

शेयर बाजार में सबसे बड़ी चुनौती निवेशक की अपनी भावनाएं होती हैं। तेजी के समय लालच और गिरावट के समय डर अक्सर गलत फैसलों की वजह बनते हैं। कई निवेशक तेजी में ऊंचे भाव पर खरीदते हैं और गिरावट में नुकसान पर बेच देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश हमेशा पहले से तय योजना के अनुसार होना चाहिए। यदि किसी कंपनी के मूलभूत आधार मजबूत हैं, तो बाजार में अस्थायी गिरावट घबराने का कारण नहीं बननी चाहिए।

अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश करना अधिक व्यावहारिक रणनीति

तीन से पांच साल का नजरिया रखिए

यदि निवेश का लक्ष्य कुछ महीनों का है, तो बाजार का उतार-चढ़ाव चिंता का विषय बन सकता है। लेकिन जिन निवेशकों का लक्ष्य तीन से पांच वर्ष या उससे अधिक का है, उनके लिए अल्पकालिक गिरावट का महत्व कम हो जाता है। भारत की अर्थव्यवस्था में बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, बैंकिंग, डिजिटल सेवाओं, रक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में लगातार निवेश बढ़ रहा है। यदि यह रफ्तार बनी रहती है, तो मजबूत कंपनियों को इसका लाभ मिल सकता है।

शेयर बाजार में निवेश हमेशा जोखिम के साथ आता है। कोई भी शेयर या सेक्टर लगातार अच्छा प्रदर्शन करेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। इसलिए पूरा पैसा एक ही कंपनी या एक ही सेक्टर में लगाने के बजाय विविधीकरण करना बेहतर माना जाता है।

सही रणनीति अपनाएं

शेयर बाजार में सफलता केवल सही समय का इंतजार करने से नहीं, बल्कि सही रणनीति अपनाने से मिलती है। यदि निवेशक मजबूत कंपनियों का चयन करें, नियमित निवेश बनाए रखें और लंबी अवधि का नजरिया रखें, तो बाजार का मौजूदा ठहराव भी भविष्य की बेहतर कमाई का आधार बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन धैर्य, अनुशासन और सही कंपनियों का चुनाव ही निवेश को सफल बनाता है। इसलिए केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करने के बजाय सोच-समझकर और चरणबद्ध तरीके से निवेश की शुरुआत करना अधिक व्यावहारिक कदम माना जा सकता है।

यह करना चाहिए

- निवेश से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि तय करें।
- मजबूत बुनियादी स्थिति (फंडामेंटल) वाली कंपनियों में ही निवेश करें।
- एकमुश्त निवेश के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करें।
- अलग-अलग सेक्टरों और कंपनियों में निवेश कर पोर्टफोलियो को विविध बनाएं।
- कंपनी के वित्तीय नतीजों, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन करें।
- बाजार में गिरावट आने पर घबराने के बजाय अपनी निवेश रणनीति की समीक्षा करें।
- लंबी अवधि का नजरिया रखें और धैर्य बनाए रखें।

यह नहीं करें

- केवल शेयर बाजार में बड़ी गिरावट (क्रैश) का इंतजार करते हुए निवेश टालते न रहें।
- सोशल मीडिया, अफवाहों या बिना रिसर्च के शेयर न खरीदें।
- लालच या डर में आकर बार-बार खरीद-बिक्री न करें।
- पूरा निवेश एक ही शेयर या एक ही सेक्टर में न लगाएं।
- उधार लेकर या आपातकालीन जरूरत के पैसे से शेयर बाजार में निवेश न करें।
- हर दिन के उतार-चढ़ाव को देखकर अपनी लंबी अवधि की रणनीति न बदलें।

-बिना जोखिम समझे केवल पिछले रिटर्न देखकर किसी शेयर में निवेश न करें।

मेरिनो ने फिर पलटी बाजी, सेमीफाइनल में स्पेन

करीबी मुकाबले में बेल्जियम को 2-1 से हराया

मिकेल मेरिनो ने लगातार दूसरे मैच में कमाल दिखाया और मैदान पर उतरने के बाद अपने दूसरे मिनट में ही निर्णायक गोल दागा, जिससे स्पेन ने बेल्जियम को करीबी मुकाबले में 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

'मैंने लगातार दूसरे मैच में ऐसा किया, इसलिए लगता है कि संयोग जैसी कोई चीज होती है। अगर आप तैयार हैं और कोशिश करते हैं तो कोई भी ऐसा कर सकता है। किस्मत ने भी मेरा साथ दिया।' मेरिनो ने अपने पहले विश्व कप में दो गोल किए हैं और ये दोनों ही ऐतिहासिक हैं।

– मिकेल मेरिनो
स्ट्राइकर, स्पेन

एजेंसी ▶▶| इंगलवुड

मेरिनो 86वें मिनट में मैदान पर आए और उन्होंने 88वें मिनट में बेल्जियम के बैकअप गोलकीपर सेने लैमेंस की गलती का फायदा उठाकर गोल कर दिया। उन्होंने बॉक्स में घुसकर तब गोल दागा जब लैमेंस पाउ कुबार्सी के लंबे शॉट पर रिबाउंड को नहीं रोक पाए थे। यह लगातार दूसरा मैच था जबकि मेरिनो ने स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरकर निर्णायक गोल किया। मेरिनो ने पिछले मैच में स्पेन की पुर्तगाल पर 1-0 की जीत में इंजरी टाइम के शुरुआती समय में सब्स्टीट्यूट के रूप में मैदान पर आने के चार मिनट बाद ही गोल कर दिया था। स्पेन सेमीफाइनल में टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार फ्रांस का सामना करेगा।

टूर्नामेंट में पहली बार स्पेन ने खाया गोल

स्पेन के लिए फैबियान रुइज ने 30वें मिनट में गोल किया। बेल्जियम के फॉरवर्ड चार्ल्स डी केटेलेरे ने 41वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। यह टूर्नामेंट में पहला अवसर है जबकि स्पेन ने गोल खाया। स्पेन मार्च 2023 से लगातार 37 मैचों में अजेय रहा है। वह 2010 में खिताब जीतने के बाद पहली बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा है। बेल्जियम का सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 18 मैचों में अजेय रहने का सिलसिला समाप्त हो गया।

गोलकीपर लैमेंस 71वें मिनट में उतरे मैदान पर

गोलकीपर लैमेंस को 71वें मिनट में मैदान में उतरना पड़ा, क्योंकि बेल्जियम के लंबे समय से गोलकीपर रहे थिबाउट कर्टोइस जांघ में चोट लगने के कारण मैदान से बाहर चले गए थे। बेल्जियम ने अंतिम मिनटों में बराबरी का गोल करने के लिए जीजान से प्रयास किया, लेकिन आयमेरिक लापोर्टे ने सर्वश्रेष्ठ मौके पर शॉट बाहर मार दिया।

सेमीफाइनल में स्पेन और फ्रांस के बीच होगी भिड़ंत

स्पेन और फ्रांस के बीच मंगलवार को टेक्सास के अर्लिंग्टन में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। इस साल के विश्व कप में दोनों में से कोई भी टीम हारी नहीं है। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा, 'यह दो दिग्गज टीम के बीच मुकाबला होगा लेकिन हम मैच जीतने में सक्षम हैं। उनकी टीम लाजवाब है लेकिन मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है।'

फाइनल पिच के टुकड़ों को बेचेगा फीफा

ईस्ट रदरफोर्ड। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा विश्व कप में कमाई करने का कोई मौका नहीं गंवा रही है और अब उसने उस पिच के टुकड़ों को बेचने का फैसला भी किया है, जहां इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। फीफा पहले ही विश्व कप के टिकट और अन्य चीजों को ऊंची कीमतों पर बेचने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है और अब वह न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल में इस्तेमाल होने वाली पिच के प्रत्येक टुकड़े को 450 डॉलर (लगभग 43000 रुपए) की दर से बेच रहा है। फीफा के स्टोर के अनुसार प्रत्येक टुकड़े का आकार 17.5 गुणा 17.5 गुणा 17.5 है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह आंकड़ा इंच, सेंटीमीटर या मिलीमीटर में है। फुटबॉल के शासी निकाय ने यह जानने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत जवाब नहीं दिया। फीफा की वेबसाइट पर लिखा गया है, ''फुटबॉल इतिहास के एक प्रामाणिक हिस्से को अपने पास संजोकर रखें, जो फीफा विश्व कप 2026 के (फाइनल की) पिच का एक टुकड़ा है।'

अमेरिका, मैक्सिको बाहर गिरी टिकटों की कीमत

ईस्ट रदरफोर्ड। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा विश्व कप में कमाई करने का कोई मौका नहीं गंवा रही है और अब उसने उस पिच के टुकड़ों को बेचने का फैसला भी किया है, जहां इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। फीफा पहले ही विश्व कप के टिकट और अन्य चीजों को ऊंची कीमतों पर बेचने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है और अब वह न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल में इस्तेमाल होने वाली पिच के प्रत्येक टुकड़े को 450 डॉलर (लगभग 43000 रुपए) की दर से बेच रहा है। फीफा के स्टोर के अनुसार प्रत्येक टुकड़े का आकार 17.5 गुणा 17.5 गुणा 17.5 है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह आंकड़ा इंच, सेंटीमीटर या मिलीमीटर में है। फुटबॉल के शासी निकाय ने यह जानने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत जवाब नहीं दिया। फीफा की वेबसाइट पर लिखा गया है, ''फुटबॉल इतिहास के एक प्रामाणिक हिस्से को अपने पास संजोकर रखें, जो फीफा विश्व कप 2026 के (फाइनल की) पिच का एक टुकड़ा है।'

खबर संक्षेप

अनिमेष ने 100 मीटर दौड़ में हासिल किया दूसरा स्थान

वेटजलर। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके फर्राटा धावक अनिमेष कुजूर ने विदेशी धरती पर किसी भारतीय का 100 मीटर दौड़ में अब तक का सबसे तेज समय निकालकर 'वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स मीट' में दूसरा स्थान हासिल किया। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने फाइनल में 10.14 सेकंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ फिनिश लाइन पार की। उन्होंने इससे पहले क्वालीफाइंग में 10.19 सेकंड का समय निकाला था।

महिला टेस्ट में इंग्लैंड पर भारत की पकड़ मजबूत

लंदन। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ के लाल गेंद क्रिकेट में पहले पांच विकेट के शानदार प्रदर्शन और स्मृति मंधाना के लगातार दूसरे अर्धशतक की बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र महिला टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 154 रन बना लिए थे और उसकी कुल बढ़त 269 रन की हो गई थी। मंधाना 124 गेंदों में 69 रन बनाकर नाबाद थीं और एक बार फिर भारतीय पारी की धुरी बनी रहीं।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

तीरंदाजी : महिला टीम ने जीती चांदी

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, प्रिथिका प्रदीप और चिकिथा तनीपार्थी की तिकड़ी ने विश्व कप के चौथे चरण की महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा के फाइनल में मजबूत कोलंबिया से 228-232 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इस रजत पदक के साथ भारत ने सत्र के अंतिम टूर्नामेंट में अपना खाता खोला। भारतीय दल को दिन में बाद में होने वाले मुकाबलों में पदकों की संख्या बढ़ाने की उम्मीद है। किशोर तीरंदाज प्रिथिका ने महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा के सेमीफाइनल में भी जगह बना ली है और अब उन्हें दोहरा पदक जीतने के लिए केवल एक और जीत की जरूरत है।

प्रिथिका ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

रिकर्व वर्ग में दो पदकों की दौड़ में भारत

भारत रिकर्व वर्ग में भी दो पदकों की दौड़ में बना हुआ है। एक अन्य किशोर तीरंदाज कीर्ति शर्मा भी दोहरा पदक जीतने की उम्मीद लगाए हुए हैं। कीर्ति शर्मा रिकर्व मिश्रित टीम के कांस्य पदक मुकाबले में भारत के नंबर एक तीरंदाज धीरज बोम्मदेवरा के साथ उतरेंगी। साथ ही कीर्ति महिला व्यक्तिगत स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं तो एक और जीत से उनका एक और पदक सुनिश्चित हो जाएगा। महिला कंपाउंड टीम रैंकिंग में दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय टीम ने अप्रैल में मैक्सिको के पुएब्ला में आयोजित तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि इस बार वह दुनिया की 14वें नंबर की कोलंबिया के सामने कोई खास चुनौती पेश नहीं कर सकी। कोलंबियाई टीम ने शानदार वापसी करते हुए पूरे दबदबे के साथ खिताब अपने नाम किया। सत्रह वर्षीय प्रिथिका ने छह बार 10 अंक का निशाना लगाया। हालांकि टीम की सबसे बड़ी निराशा अनुभवी ज्योति सुरेखा वेन्नम का खराब प्रदर्शन से हुई, जिन्होंने अपने आठ तीरों में केवल तीन बार 10 अंक हासिल किए।

मुचोवा को हराकर नोस्कोवा बनी विम्बलडन चैंपियन

हमवतन कैरोलिना को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया

लंदन। चेक गणराज्य की 21 वर्षीय लिंडा नोस्कोवा ने विम्बलडन में अपनी पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी जीतकर देश की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया। चेक गणराज्य के खिलाड़ियों के बीच हुए फाइनल में नोस्कोवा ने दूसरे सेट में पांच मैच प्वाइंट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए कैरोलिना मुचोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया। नोस्कोवा विम्बलडन के महिला एकल खिताब पर कब्जा जमाने वाली पिछले चार वर्षों में अपने देश की तीसरी खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले मार्केता वोंद्रौशोवा ने 2023 और बारबोरा क्रेजसिकोवा ने 2024 में यह उपलब्धि हासिल की थी। नोस्कोवा ने फाइनल में शुरुआत से दबदबा बनाते हुए पहला सेट आसानी से अपने नाम। दूसरे सेट में वह जीत के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन मुचोवा ने हार नहीं मानी और पांच मैच प्वाइंट बचाते हुए मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया। नोस्कोवा ने तीसरे सेट में धैर्य बनाए रखा और शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। दिलचस्प

बात यह है कि मुचोवा और नोस्कोवा ने 2024 पेरिस ओलंपिक में जोड़ी बनाकर महिला युगल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। जहां यह जोड़ी सेमीफाइनल तक पहुंची थी। पुरुष एकल फाइनल में रविवार को विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। उनका मुकाबला फ्रेंच ओपन चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा।

बटलर और ब्रुक के तूफान में उड़ा भारत, इंग्लैंड ने 56 रन से हराया

इंग्लैंड ने 4-0 से जीती टी-20 श्रृंखला

भाषा ▶▶| साउथम्पटन

जोस बटलर ने अपने पुराने आक्रामक अंदाज की झलक दिखाते हुए शानदार शतक जड़ा, जबकि कप्तान हैरी ब्रुक ने भविष्य के सितारे की तरह बल्लेबाजी करते हुए तूफानी पारी खेली जिससे इंग्लैंड ने पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत को 56 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 4-0 की ऐतिहासिक क्लीन स्वीप पूरी कर ली। बटलर के 64 गेंदों में 131 रन और ब्रुक के 45 गेंदों में नाबाद 95 रन की बदौलत इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 257 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण इस मुकाबले में पूरी तरह बेअसर नजर आया। बटलर और ब्रुक ने दूसरे विकेट के लिए 233

रन की रिकॉर्ड साझेदारी की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारियों में शामिल हो गई। विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने इस दौरे के सभी सात टी20 मुकाबलों में अपनी सबसे अच्छी बल्लेबाजी जरूर की, लेकिन जीत के लिए यह प्रयास काफी नहीं था। भारत की पारी 20 ओवर में आठ विकेट पर 201 रन तक ही पहुंच सकी। इशान किशन ने 35 गेंदों में 56 रन और आलोचनाओं का सामना कर रहे तिलक वर्मा ने 25 गेंदों में 53 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका मिला, लेकिन उनकी पारियां टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो सकीं। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने भारत का टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 1601 दिनों से चला आ रहा शीर्ष स्थान का दबदबा भी समाप्त कर दिया। नए कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारत की यह सात मैचों में छठी हार (एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था) रही।

शॉटगन विश्व कप : नीरु ने बनाया 'परफेक्ट' स्कोर, बनाई बढ़त

लोनाटो। भारत की नीरु ढांडा ने आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप की महिला ट्रैप प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत करते हुए क्वालीफाइंग के पहले तीन राउंड के बाद 'परफेक्ट' स्कोर हासिल कर बढ़त बना ली है। मौजूदा एशियाई और राष्ट्रीय चैंपियन 26 वर्षीय नीरु ने लगातार तीन राउंड में 25-25 का 'परफेक्ट' स्कोर बनाकर 75 अंक हासिल किए। अपने इस शानदार प्रदर्शन से वह 106 निशानेबाजों के बीच शीर्ष पर पहुंच गई हैं। उन्होंने अपनी करीबी प्रतिद्वंदी अमेरिका की राहेल टोज़ियर और स्लोवाकिया की जुज़ाना रेहाक स्टेफेसेकोवा पर दो अंक की बढ़त हासिल कर रखी है। भारत के पुरुष ट्रैप निशानेबाजों के लिए पहला दिन निराशाजनक रहा और वे पदक की दौड़ से लगभग बाहर हो गए हैं। एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में शामिल अहवर रिजवी ने 75 में से 70 अंक हासिल किए और वह लगभग दो दर्जन निशानेबाजों के साथ 59वें स्थान पर हैं। शपथ भारद्वाज 68 का स्कोर बनाकर 103वें स्थान पर, जबकि अनुभवी काइनन चेनाई 67 का स्कोर बनाकर 208 निशानेबाजों में 19 अन्य खिलाड़ियों के साथ 117वें स्थान पर हैं।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

हरियाणा की प्रिया ने जीता कांस्य, कुल 11 पदक जीते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

चीन के ओर्डोस शहर में आयोजित हो रही पहली अंडर-23 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। प्रतियोगिता के तीसरे दिन तक भारतीय एथलेटिक्स टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए 1 स्वर्ण, 2 रजत और 8 कांस्य पदक सहित कुल 11 पदक अपने नाम कर लिए हैं। इस वैश्विक मंच पर भिवानी की होनहार एथलीट प्रिया ने डिस्कस थ्रो इवेंट में देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। प्रिया ने 50 मीटर 44 सेंटीमीटर की बेहतरीन थ्रो फेंककर कांस्य पदक पर कब्जा किया और चीन की धरती पर भारतीय तिरंगा फहराया। खेल मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ फरीदाबाद ने बताया कि अंडर-23 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का यह पहला संस्करण है, जिसका आयोजन चीन के ओर्डोस में 9 जुलाई से 12 जुलाई तक किया जा रहा है। दक्षिण एशिया एथलेटिक्स के अध्यक्ष डॉ. ललित के. भनोट के कुशल निर्देशन में भारतीय एथलेटिक्स का एक बड़ा दल इस चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहा है, जिसमें हरियाणा राज्य से भी 4 बेहतरीन एथलीट देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव प्रदीप मलिक ने भारतीय टीम के अन्य विजेताओं

की जानकारी देते हुए बताया कि प्रिया के अलावा देश के कई अन्य एथलीटों ने भी शानदार पोडियम फिनिश किया है। आस्तिक प्रधान, सैंड्रा मोल साबू, सेतु मिश्रा और श्रावणी सचिन की चौकड़ी ने 4 गुणा 400 मीटर मिक्स्ड रिले रेस में देश को गोल्ड दिलाया। शिवाजी परशुराम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 10 किलोमीटर दौड़ में रजत पदक अपने नाम किया। प्राची अंकुश देवकर (3 किमी स्टीपलचेज), अभय सिंह (200 मीटर दौड़), भरतप्रीत सिंह (पुरुष वर्ग डिस्कस थ्रो), हुईड्रोम (800 मीटर दौड़), शकील (पुरुष वर्ग 800 मीटर दौड़), श्रावणी सचिन (400 मीटर हर्डल) और विनोद सिंह ने (5000 मीटर दौड़) में कांस्य पदक जीते। इस शानदार सफलता पर दक्षिण एशिया एथलेटिक्स के अध्यक्ष डॉ. ललित के. भनोट, एएफआई अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू, पूर्व महासचिव रविन्द्र चौधरी, पूर्व कोषाध्यक्ष मधुकांत पाठक, एएफआई सदस्य राजकुमार मिटान और एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

डायमंड लीगः उपलब्धि हासिल करने वाले बने पहले भारतीय एथलीट

सर्वेश का धमाकेदार डेब्यू, ऊंची कूद में बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| मोनाको

राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सर्वेश कुशारे ने मोनाको में डायमंड लीग में अपने पदार्पण पर ही तीसरा स्थान हासिल करके ऊंची कूद में यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला भारतीय एथलीट बनकर इतिहास रचा और खुद को विशिष्ट क्लब में शामिल कर दिया।

वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। 31 वर्षीय खिलाड़ी ने कई स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली इस प्रतियोगिता में 2.26 मीटर की कूद लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया। वह पिछले महीने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में 2.31 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के महज दो सप्ताह बाद इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे।

शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय बने कुशारे

कुशारे भाला फेंक के सुपरस्टार नीरज चोपड़ा (2022 से 13 बार), लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर (2023 में एक बार) और चक्का फेंक के पूर्व एथलीट विकास गौड़ा (2015 में दो बार) के बाद डायमंड लीग प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय बन गए हैं। कुशारे ने तीसरे स्थान पर रहकर कतर के तीन बार के विश्व चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता मुताज एस्सा बरशिम और अमेरिका के 2023 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता जुवॉन हैरिसन जैसे स्टार खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा।

डोरोशचुक ने जीता खिताब

बरशिम 2.20 मीटर के प्रयास के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर रहे। यूक्रेन के विश्व इंडोर चैंपियन ओलेह डोरोशचुक ने 2.32 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के जैक किमानी 2.30 मीटर की कूद के साथ दूसरे स्थान पर रहे। किमानी तीन प्रयासों में भी 2.32 मीटर की कूद नहीं लगा सके, जबकि डोरोशचुक ने इसे अपने पहले ही प्रयास में हासिल कर दिखाया। किमानी भाग्यशाली रहे क्योंकि वह अपने तीसरे प्रयास में ही 2.16 मीटर की ऊंचाई को पार कर सके थे, जबकि कुशारे ने इसे आसानी से पार कर लिया।

खबर संक्षेप

बहामास में छोटा विमान क्रैश, 10 लोगों की मौत

सैन जुआन। बहामास में शुक्रवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे उसमें सवार 10 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद सरकार ने विमानन कंपनी 'फ्लेमिंगो एअर' की उड़ानों पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। यह हादसा बहामास की राजधानी नासाउ के ठीक पश्चिम में स्थित नॉर्थ एंड्रोस में हुआ। विमान मायागुआना जा रहा था, एक समस्या की सूचना दी और विमान को वापस नासाउ ले आया। यात्रियों के बाहर निकलने के बाद उसमें आग लग गई। की भी जांच की जा रही है। फिलिप ब्रेव डेविस ने कहा कि हम गहरे दुख के साये में एकत्र हुए हैं।

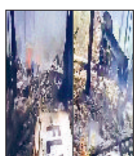

मेटा पर 133 लाख करोड़ के जुर्माने की मांग

वॉशिंगटन। अमेरिका में मेटा पर 133 लाख करोड़ रुपए का भारी जुर्माना लगाने की मांग उठी है। अमेरिका के चार राज्य कैलिफोनिर्या, कोलोराडो, केंटकी और न्यू जर्सी ने यह मांग की है। मेटा पर युवाओं को सोशल मीडिया की लत लगाने का आरोप है। मेटा पर भारी जुर्माना लगाने की मांग की गई है, जबकि मेटा कि कुल बाजार कीमत भी लगभग 143 लाख करोड़ रुपए है। मामले में अगली सुनवाई अगस्त में कैलिफोर्निया के ऑकलैंड में शुरू होगी। कंपनी पर प्लेटफॉर्म की सुरक्षा को लेकर भी लोगों को गलत जानकारी देने का आरोप है।

विशाखापट्टनम में आयोजित किया गया समारोह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की अध्यक्षता

नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल हुआ महेंद्रगिरी युद्धपोत, बढ़ेगी मारक क्षमता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया युद्ध के दौरान नौसेना ने की 18 मालवाहक समुद्री जहाजों की रक्षा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को विशाखापट्टनम में हुए एक समारोह में स्वदेश में निर्मित उन्नत स्टेल्थ फ्रिगेट 'आईएनएस महेंद्रगिरी' को आधिकारिक रूप से नौसेना के पूर्वी बेड़े में शामिल किया गया है। नौसेना के प्रोजेक्ट-17ए के तहत मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में निर्मित नीलगिरी श्रेणी का यह छठा युद्धपोत है। जिसे महज 15 महीने के अंदर तैयार कर समुद्री सेना में शामिल किया गया है। यह आत्मनिर्भर भारत, तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार नौसेना की निर्माण के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता का शानदार प्रतीक है।

जिससे पूर्वी समुद्र तट पर भारत की सैन्य क्षमता को मजबूती मिलेगी। यह हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत की समुद्री युद्धक क्षमता और परिचालन पहुंच को अत्यधिक बढ़ाएगा। जिससे महासागर विजन के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार नौसेना को लेकर भारत की प्रतिबद्धता को मजबूती मिलेगी। समारोह में नौसेना की पूर्वी कमांड के प्रमुख वाइस एडमिरल संजय भल्ला, एमडीएल के सीएमडी रिटायर्ड कैप्टन जगमोहन, नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी, पूर्व सैनिक और जहाज निर्माण उद्योग के प्रतिनिधि शामिल हुए।

नौसेना को लेकर भारत की प्रतिबद्धता को मजबूती मिलेगी

2025 में शामिल हुआ पहला युद्धपोत

नीलगिरी श्रेणी का पहला युद्धपोत, आईएनएस नीलगिरी पिछले साल जनवरी में नौसेना में शामिल हुआ था। जिसके बाद 2025 के ही अगस्त महीने में उदयगिरी और हिमगिरी नामक दो अन्य युद्धपोत समुद्री बल में शामिल हुए। जबकि मौजूदा साल 2026 के अप्रैल महीने में तारागिरी और पिछले जून महीने में दुनागिरी नौसेना में कमीशन हो चुका है। अब छठे युद्धपोत के रूप में महेंद्रगिरी नौसेना का हिस्सा बना है। यह वायु रक्षा, सतह विरोधी, पनडुब्बी रोधी युद्ध, समुद्री अवरोधन, निगरानी और मानवीय सहायता-आपदा राहत (एचएडीआर) के साथ समुद्री अभियानों को भी पूरा करने में सक्षम है। सभी युद्धपोतों का डिजाइन नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो (डब्ल्यूडीबी) ने तैयार किया है।

महेंद्रगिरी पर्वत से मिला नाम

महेंद्रगिरी युद्धपोत का नाम देश के पूर्वी घाट पर बसे ओडिशा के महेंद्रगिरी पर्वत के नाम पर रखा गया है। जिसका आदर्श वाक्य 'शक्तिशाली, विशाल और अद्वितीय' है। कई सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों सहित इसके निर्माण में 200 से अधिक भारतीय उद्योगों ने अपना योगदान दिया है। फ्रिगेट में उन्नत स्टेल्थ विशेषताएं, संयुक्त डीजल-गैस प्रणोदन, एकीकृत प्लेटफार्म प्रबंधन प्रणाली और उन्नत स्वदेशी युद्ध प्रणालियां मौजूद हैं।

ब्रह्मोस मिसाइल से कांपेंगे दुश्मन

महेंद्रगिरी का कुल वजन (विस्थापन क्षमता) 6 हजार 670 टन है। 75% से अधिक स्वदेशी सामग्री इसमें लगी हुई है और समुद्र में यह 28 समुद्री मील की गति-प्रति घंटे की रफ्तार से विचरण कर सकता है। महेंद्रगिरी दुनिया की सबसे तेज और घातक सतह से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल से लैस है। बहु-क्रियाशील रडार, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें भी इसमें लगी हुई हैं। जो लंबी दूरी पर हवाई खतरों का पता लगाने व उन्हें निष्क्रिय करने में सक्षम हैं। इसके अलावा स्वदेशी रॉकेट लांचर, टारपीडो लांचर, एकीकृत पनडुब्बी रोधी रक्षा प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और क्लोज इन वेपन सिस्टम महेंद्रगिरी के शस्त्रागार का हिस्सा हैं। जो उसे दुर्जेय और अभेद बनाते हैं।

नौसेना ने की 18 जहाजों की रक्षा

समारोह में अपने संबोधन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम-एशिया संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत द्वारा चलाए गए ऊर्जा सुरक्षा अभियान के तहत नौसेना ने 9 हजार करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के व्यापारिक माल से लदे 18 जहाजों की रक्षा की। यह एक लड़ाकू बल के रूप में नहीं, बल्कि देश के आर्थिक हितों के रक्षक के रूप में नौसेना की भूमिका को प्रदर्शित करते हैं।

एआई से लड़े जाएंगे भविष्य के युद्ध

रक्षा मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), साइबर युद्ध, हाइपरसोनिक हथियार, अंतरिक्ष आधारित क्षमताएं तथा मानवरहित प्रणालियों जैसी उभरती हुई प्रौद्योगिकियों ने युद्ध के स्वरूप को काफी परिवर्तित कर दिया है। इसके बावजूद प्रभावी रक्षा का आधार पारंपरिक सैन्य क्षमताएं हैं। भविष्य के युद्ध एआई से लड़े जा सकते हैं। लेकिन उन्हें राष्ट्रीय संकल्प, प्रशिक्षित सैनिकों और विश्वसनीय सैन्य शक्ति से ही जीता जाएगा। उन्नत प्रौद्योगिकियां और पारंपरिक प्रणालियां एक-दूसरे की प्रतिस्पर्धी नहीं पूरक हैं। ऑपरेशन सिंदूर राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए पारंपरिक, आधुनिक क्षमताओं के प्रभावी एकीकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण था।

सागर विजन के प्रति प्रतिबद्ध भारत

समुद्री-आर्थिक सुरक्षा मजबूती के साथ आपस में जुड़ी हुई है। समुद्र न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा बल्कि व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा सुरक्षा तथा आर्थिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र का भारत के लिए खासा रणनीतिक महत्व है। इलाके में सभी के लिए सुरक्षा-विकास (सागर) को लेकर केंद्र सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। भारत एक मजबूत सुरक्षा प्रदाता और विश्वसनीय भागीदार है, जो समूचे क्षेत्र में सुरक्षा और विकास सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है।

समुद्री भारत विजन से जारी प्रगति

केंद्र का दृष्टिकोण भारत को जहाज निर्माण, समुद्री रक्षा नवाचार के अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में स्थापित करने का है। जिसके तहत देश समुद्री भारत विजन-2030 जैसी पहलों के जरिए प्रगति कर रहा है। बंदरगाहों का आधुनिकीकरण, अंतर्देशीय जलमार्गों का विस्तार, रसद नेटवर्क को सशक्त बनाना और विश्वस्तरीय समुद्री तंत्र को मजबूती प्रदान इसी पहल का हिस्सा हैं। राजनाथ सिंह ने देश के युवा उद्यमियों, इंजीनियरों, नवोन्मेषकों, शोधकर्ताओं तथा निवेशकों से भविष्य के युद्धों की दिशा तय करने वाली प्रौद्योगिकियों को विकसित कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने, भारत को आत्मनिर्भर बनाने वाली प्रणालियों का निर्माण करने का आह्वान किया है।

अब 31 महीने में होता जहाज निर्माण

नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा, प्रोजेक्ट-17 ए के तहत 75% से अधिक स्वदेशी सामग्री के अलावा कई नए मानदंड स्थापित किए गए हैं। जिनमें जहाज निर्माण कार्य की शुरुआत से लेकर इसकी सुपुर्दगी तक में लगने वाले कुल समय को आधा घटाकर 50% किया गया। जिसके बाद अब यह कार्य 63 महीने से घटकर 31 महीने पर जा पहुंचा है। युद्धपोत निर्माण पर लगने वाले कुल समय में भी 20% की कमी आई है। जो 95 महीने से घटकर 75 महीने हो गया है। सभी तकनीकी विश्लेषण 5 से 7 समुद्री परीक्षणों के स्थान पर एक समुद्री परीक्षणों में ही पूरे कर लिए गए हैं।

पीओके नेताओं ने पाक पीएम को दिया अल्टीमेटम

मांगें मान लो, वरना 15 जुलाई को असेंबली से आजादी का करेंगे ऐलान

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भयंकर प्रदर्शन शुरू हो चुका है। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रही 'जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' (जेएएसी) ने 15 जुलाई को पाकिस्तान की असेंबली से आजादी का ऐलान करने की बात कही है। स्थानीय नेताओं ने पाकिस्तान की सेना ने फौरन शहर खाली करने का अल्टीमेटम दिया है और ऐतिहासिक रूप से शांतिपूर्ण इलाके को 'टेरर ज़ोन' बताने की कोशिशों को सख्ती से खारिज किया है। पीओके में हालात तेजी से बिगड़ चुके हैं और हजारों लोग ईदगाह ग्राउंड पर मौजूद हैं। प्रदर्शनकारियों के नेताओं ने विदेशी मीडिया को पाकिस्तानी सेना का अत्याचार देखने के लिए आमंत्रित किया है। एक प्रदर्शन के दौरान असीम मुनीर के आदेश पर पाकिस्तानी सेना ने निहत्थे लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी थी। 30 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पीओके के प्रदर्शनकारियों ने इसकी तुलना 'जालियावाला बाग' नरसंहार से की है।

भारतीय सशस्त्र सेनाओं की ताकत में होगा इजाफा

अमेरिका से खरीदेगा 31 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन सीमाओं और महासागर पर रखेंगे पैनी नजर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सशस्त्र बल अपनी निगरानी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए अमेरिका से 31 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन खरीद रहे हैं। इस रणनीतिक रक्षा सौदे के तहत भारतीय नौसेना को 15 जबकि थल सेना और वायु सेना को 8-8 ड्रोन सौंपे जाएंगे।

लगभग 40 घंटे से अधिक की बेजोड़ उड़ान क्षमता और सैटेलाइट कनेक्टिविटी से लैस ये हाई-एल्टीट्यूड ड्रोन, मानवयुक्त विमानों की तुलना में अत्यधिक समय तक संवेदनशील सीमाओं और हिंद महासागर पर पैनी नजर रखने में सक्षम हैं।

एमक्यू-9 रीपर ड्रोन

जल्द ही भारत में होंगे तैयार

भारत 3 बिलियन डॉलर से अधिक की लागत से इन ड्रोन्स की खरीद कर रहा है। इनका इस्तेमाल मुख्य रूप से हिंद महासागर और भारत की लंबी जमीनी सीमाओं की निगरानी के लिए किया जाएगा। भारतीय नौसेना वर्तमान में लीज पर लिए गए दो रीपर ड्रोन का पहले से ही संचालन कर रही है। इस अहम रक्षा सौदे के तहत, कुल 31 में से 21 ड्रोन भारत में ही असेंबल किए जाएंगे।

8 साल का अनुबंध

यह अनुबंध 8 साल या 1,50,000 उड़ान घंटों के लिए परफॉर्मेंस बेस्ड लॉजिस्टिक्स प्रदान करने वाली एक मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल सुविधा स्थापित करने के लिए है। इन अत्याधुनिक ड्रोन्स की डिलीवरी साल 2029 से शुरू होने की उम्मीद है। ये ड्रोन एडवांस सेंसर सूट से लैस है। इसमें दिन, रात और थर्मल इमेजिंग के लिए इलेक्ट्रो-ऑप्ट्रॉनिक पॉड और विभिन्न कार्यों के लिए ट्यून किए गए रडार लगे हैं। ये अपने साथ आठ एजीएम-114 हेलफायर एयर-टू-ग्राउंड मिसाइलें ले जा सकता है।

अयातुल्ला खामेनेई की अंतिम विदाई पर ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा का संदेश

हमारा देश खून का बदला लेगा, ट्रंप का आदेश- ईरान को पूरी तरह तबाह कर देंगे

डोनाल्ड ट्रंप | मोजतबा खामेनेई

एजेंसी ▶▶ तेहरान/ वॉशिंगटन

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई के लिए आज प्रार्थना सभा का आयोजन किया। पिता के अंतिम संस्कार की तरह मोजतबा खामेनेई सुरक्षा कारणों से प्रार्थना सभा में भी शामिल नहीं हुए। मगर इस मौके पर उन्होंने एक के बाद एक कई ट्वीट कर सोशल मीडिया से लेकर पूरी दुनिया को चौंका दिया। मोजतबा लगभग एक घंटे तक लगातार ट्वीट करते रहे।

अली खामेनेई को बताया हुसैन जैसा : मोजतबा ने अपने ट्वीट में कहा कि शहीद खामेनेई ने हुसैन जैसा आचरण किया और इमाम हुसैन की तरह ही जिहाद और प्रतिरोध में भाग लिया।

हत्यारों से लें बदला

मोजतबा ने आगे लिखा कि सालों से, ईरान की जनता ने हुसैन के रास्ते पर चलते हुए और हुसैन व उनके रास्ते के दुश्मनों से लड़ते हुए अपने बच्चों की कुर्बानी दी है; और आज वह उनके खून का, और हमारे दौर में हुसैन जैसे लोगों के खून का बदला लेना चाहती है। हम उन अपराधी और शर्मनाक हत्यारों से बदला लेकर आपके पवित्र खून और इन दो हालिया युद्धों के सभी शहीदों के खून का बदला लेने का संकल्प लेते हैं। हमारा देश इसी बदले की मांग कर रहा है, और यह निश्चित रूप से किया जाना चाहिए।

अल्लाह आपका भला करें: ट्रंप

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान उनकी हत्या करने में कामयाब होता है, तो अमेरिका बड़े पैमाने पर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्होंने पहले ही निर्देश दे दिए हैं। ट्रंप ने कहा कि मैं काफी लंबे समय से उनकी सूची में हूं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109